nishtha

09 Aug 1999

10:55 AM

Delhi

Model: Web-Yearly-Horoscope-Combo

Order No: 119136101

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/08/1999	जन्म तिथि	**8-09/08/2025**
सोमवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 10:55:00	जन्म समय	02:45:47 घंटे
घटी 12:50:58	जन्म समय(घटी)	52:28:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:13	अक्षांश	28:39:13 उत्तर
पूर्व 77:13:44	रेखांश	77:13:44 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:05	स्थानिक संस्कार	-00:21:05 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:46:36	सूर्योदय	05:46:26
19:07:00	सूर्यास्त	19:06:24
23:50:54	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:57
कन्या	लग्न	मिथुन
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मिथुन	राशि	मकर
बुध	राशि-स्वामी	शनि
पुनर्वसु	नक्षत्र	श्रवण
गुरु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
1	चरण	3
वज्र	योग	आयुष्मान
वणिज	करण	बव
के-केवल	जन्म नामाक्षर	खे-खेमा
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
मार्जार	योनि	वानर
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मार्जार
26	गत/तत्कालिक वर्ष	27

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
चित्रा	2	28:44:55	कन्या		
आश्लेषा	2	22:21:27	कर्क		
पुनर्वसु	1	22:42:58	मिथु		
विशाखा	1	21:47:03	तुला		
पुष्य	1	05:15:37	कर्क		
अश्विनी	4	10:43:31	मेष		
मघा	3	09:15:58	सिंह	व	
भरणी	3	22:57:05	मेष		
आश्लेषा	1	19:07:00	कर्क		
श्रवण	3	19:07:00	मक		
श्रवण	4	20:54:36	मक	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मिथु	12:34:22	2	आर्द्रा
सूर्य			कर्क	22:21:27	2	आश्लेषा
चंद्र			मक	16:49:09	3	श्रवण
मंगल			कन्या	06:58:33	4	उ०फाल्गुनी
बुध	व		कर्क	10:21:27	3	पुष्य
गुरु			मिथु	19:09:32	4	आर्द्रा
शुक्र			मिथु	15:55:39	3	आर्द्रा
शनि	व		मीन	07:07:53	2	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	24:22:05	2	पू०भाद्रपद
केतु	व		सिंह	24:22:05	4	पू०फाल्गुनी
मु			वृश्चि	28:44:55	4	ज्येष्ठा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:57

लग्न-चलित

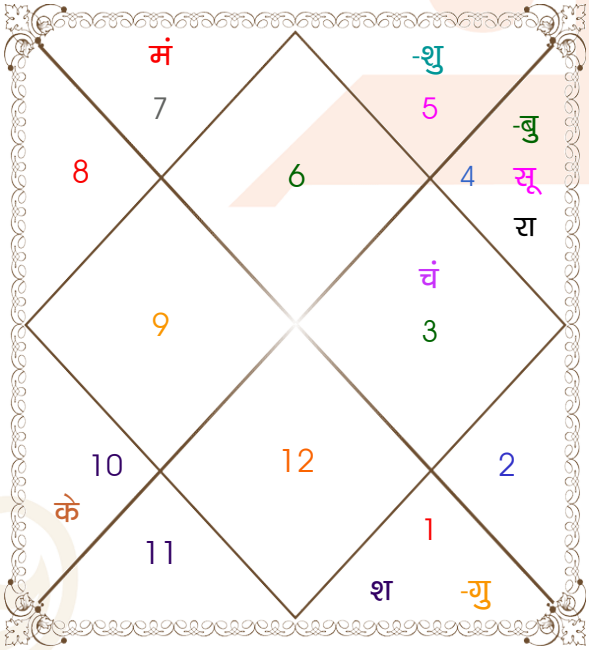

वर्ष लग्न कुंडली

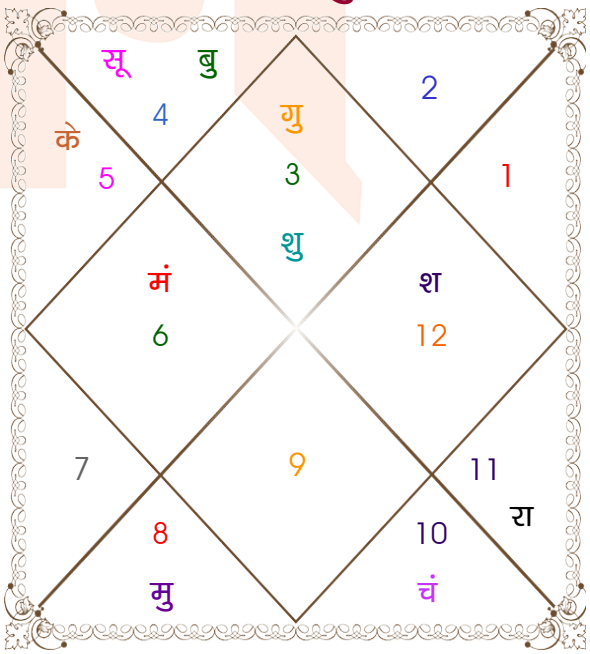

चन्द्र कुंडली

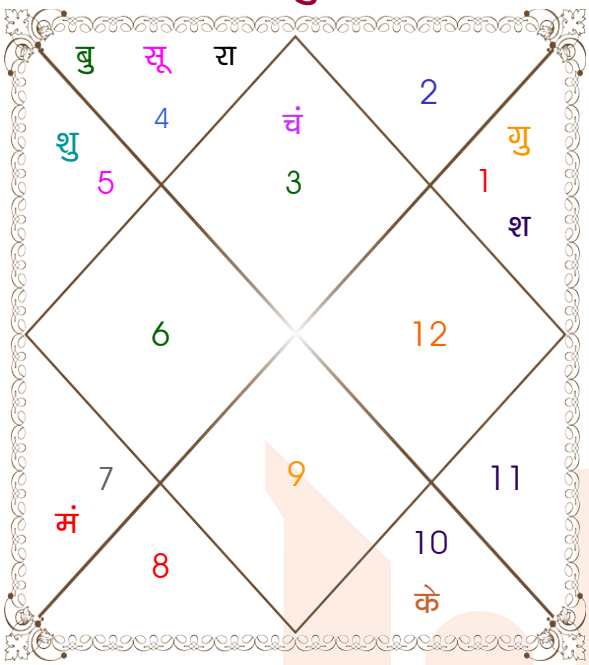

वर्ष चन्द्र कुंडली

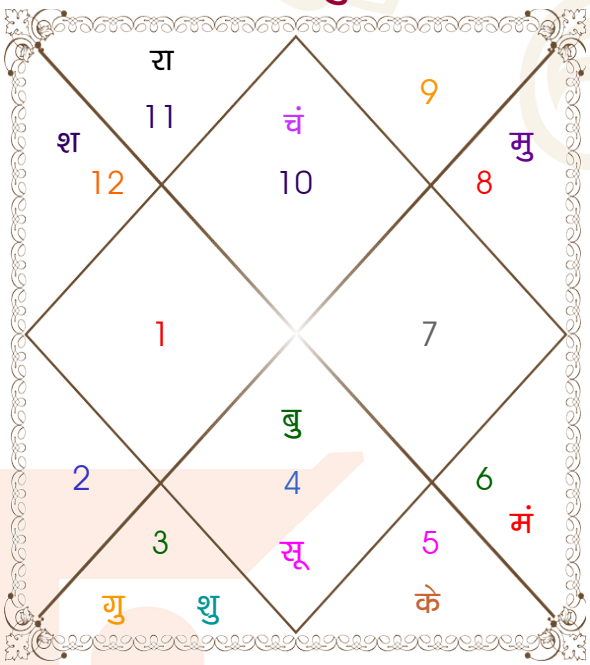

नवमांश कुंडली

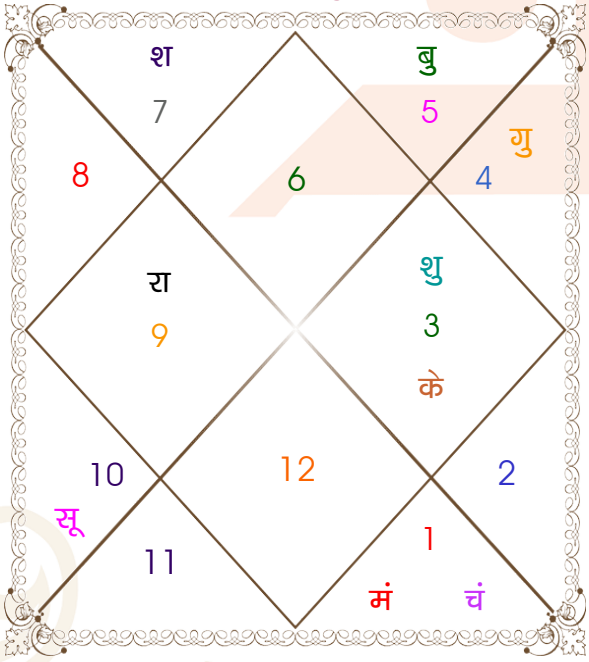

वर्ष नवमांश कुंडली

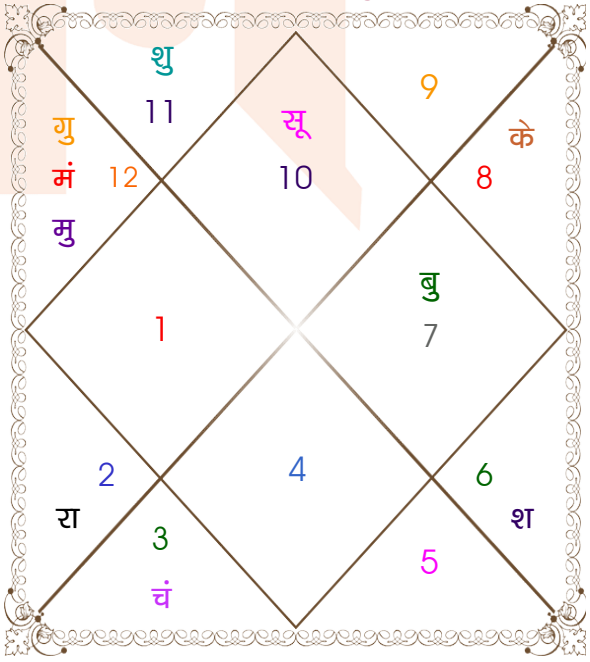

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	सम	मित्र
चन्द्र	शत्रु	---	मित्र	शत्रु	सम	सम	मित्र
मंगल	मित्र	मित्र	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
बुध	शत्रु	शत्रु	मित्र	---	सम	सम	मित्र
गुरु	सम	सम	शत्रु	सम	---	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	सम	शत्रु	---	शत्रु
शनि	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मिथु	कर्क	मक	कन्या	कर्क	मिथु	मिथु	मीन
होरा	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मेष	कर्क	वृश्चि	सिंह	कन्या	मेष	मेष	मक
चतुर्थांश	कन्या	मक	कर्क	कन्या	तुला	धनु	धनु	मीन
पंचमांश	धनु	मक	मीन	कन्या	कन्या	मिथु	धनु	कन्या
षष्ठांश	मिथु	कुंभ	मक	वृश्चि	धनु	कर्क	कर्क	वृश्चि
सप्तमांश	सिंह	मिथु	तुला	मेष	मीन	तुला	कन्या	तुला
अष्टमांश	सिंह	कन्या	सिंह	मिथु	मिथु	तुला	कन्या	मिथु
नवमांश	मक	मक	मिथु	मीन	तुला	मीन	कुंभ	कन्या
दशमांश	तुला	तुला	कुंभ	कर्क	मिथु	धनु	वृश्चि	मक
एकादशांश	कन्या	कुंभ	मिथु	तुला	कन्या	धनु	तुला	मेष
द्वादशांश	वृश्चि	मीन	कर्क	वृश्चि	वृश्चि	मक	धनु	वृष

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	सम	शत्रु
होरा	स्व	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	सम	मित्र
द्रेष्काण	शत्रु	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	मित्र	स्व	मित्र	सम	स्व	शत्रु	शत्रु
पंचमांश	मित्र	सम	मित्र	स्व	सम	शत्रु	मित्र
षष्ठांश	मित्र	मित्र	स्व	सम	सम	सम	शत्रु
सप्तमांश	शत्रु	सम	स्व	सम	शत्रु	सम	शत्रु
अष्टमांश	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	सम	मित्र
नवमांश	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	स्व	शत्रु	मित्र
दशमांश	सम	मित्र	मित्र	स्व	स्व	शत्रु	स्व
एकादशांश	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व	स्व	स्व	शत्रु
द्वादशांश	सम	स्व	स्व	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुभ	6	6	10	6	4	1	6
सम	2	2	0	4	4	5	0
अशुभ	4	4	2	2	4	6	6
कुल	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	सम	अशुभ	सम

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	0	5	5	5	0	5	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	10	5	10	0	10	5
बल	अतिक्षीण	सामान्य	क्षीण	सामान्य	अतिक्षीण	सामान्य	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	22.50	22.50	7.50	15.00	15.00	7.50
उच्च बल	8.63	8.20	4.33	12.82	18.24	11.23	4.76
हददा बल	7.50	7.50	11.25	7.50	3.75	3.75	3.75
द्रेष्काण	2.50	7.50	7.50	10.00	2.50	2.50	10.00
नवमांश	3.75	1.25	1.25	2.50	5.00	1.25	3.75
कुल	29.88	46.95	46.83	40.32	44.49	33.73	29.76
विंशोपक	7.47	11.74	11.71	10.08	11.12	8.43	7.44
बल	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	सामान्य	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	बुध	10.08	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	बुध	10.08	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	11.71	अशुभ	मंगल
दिवापति	शनि	7.44	अशुभ	
त्रिराशिपति	बुध	10.08	दृष्टि नहीं	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	धनु	18:06:40	गुरु	04/03/2026
गुरु	मकर	07:02:04	शनि	21/07/2026
ज्ञान	मकर	07:02:04	शनि	21/07/2026
यश	मकर	11:31:31	शनि	26/07/2026
मित्र	वृष	27:00:15	शुक्र	07/04/2026
माहात्म्य	मीन	01:26:15	गुरु	11/03/2026
आशा	कन्या	21:22:08	बुध	30/10/2025
समर्थ	मेष	15:57:17	मंगल	15/01/2026
भातृ	कन्या	24:36:01	बुध	03/11/2025
गौरव	मीन	20:01:04	गुरु	27/03/2026
राजा	तुला	27:47:56	शुक्र	06/01/2026
पितृ	तुला	27:47:56	शुक्र	06/01/2026
मातृ	वृश्चिक	11:40:52	मंगल	21/10/2025
सुत	वृश्चिक	14:54:45	मंगल	25/10/2025
जीव	मेष	00:32:44	मंगल	04/01/2026
अम्बु	वृश्चिक	11:40:52	मंगल	21/10/2025
कर्म	मेष	15:57:17	मंगल	15/01/2026
रोग	मकर	16:49:09	शनि	01/08/2026
कामदेव	धनु	06:06:41	गुरु	19/02/2026
कलि	तुला	00:23:23	शुक्र	06/12/2025
क्षेम	तुला	00:23:23	शुक्र	06/12/2025
शास्त्र	मीन	28:19:49	गुरु	03/04/2026
बन्धु	धनु	06:06:41	गुरु	19/02/2026
बंधक	धनु	06:06:41	गुरु	19/02/2026
मृत्यु	कुम्भ	28:22:24	शनि	06/08/2026

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	वृष	08:59:26	शुक्र	25/03/2026
अर्थ	धनु	03:48:53	गुरु	16/02/2026
परदारा	वृष	06:08:34	शुक्र	23/03/2026
अन्यकर्म	मेष	22:15:38	मंगल	20/01/2026
वणिक	मकर	19:02:04	शनि	04/08/2026
कार्यसिद्धि	कन्या	01:35:35	बुध	07/10/2025
विवाह	कन्या	21:22:08	बुध	30/10/2025
प्रसूति	वृष	21:22:27	शुक्र	03/04/2026
संताप	मकर	28:22:24	शनि	14/08/2026
श्रद्धा	मीन	21:31:28	गुरु	28/03/2026
प्रीति	सिंह	01:29:46	सूर्य	19/08/2025
बल	मकर	11:31:31	शनि	26/07/2026
देह	मकर	11:31:31	शनि	26/07/2026
जाडय	मकर	10:12:06	शनि	24/07/2026
व्यापार	कन्या	09:11:28	बुध	16/10/2025
जलपतन	मकर	10:12:06	शनि	24/07/2026
शत्रु	धनु	12:25:01	गुरु	26/02/2026
शौर्य	तुला	23:42:30	शुक्र	02/01/2026
उपाय	मेष	00:32:44	मंगल	04/01/2026
दरिद्रता	धनु	18:06:40	गुरु	04/03/2026
गुरुता	मेष	00:12:56	मंगल	03/01/2026
जलपथ	तुला	20:26:29	शुक्र	29/12/2025
बंधन	मीन	23:33:09	गुरु	30/03/2026
कन्या	वृश्चिक	11:40:52	मंगल	21/10/2025
अश्व	कन्या	29:18:10	बुध	09/11/2025

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

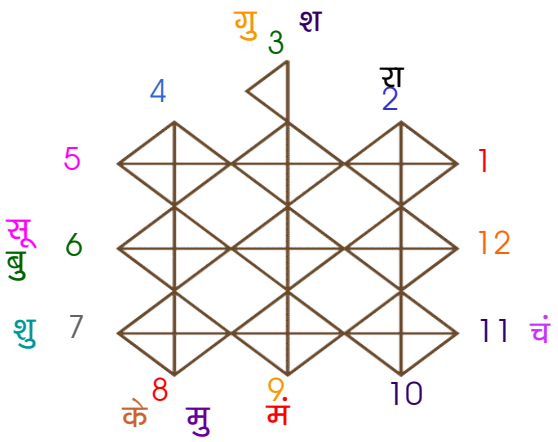

पात्यंश दशा

मंगल		शनि		बुध		लग्न		शुक्र	
09/08/2025		01/12/2025		03/12/2025		25/01/2026		02/03/2026	
01/12/2025		03/12/2025		25/01/2026		02/03/2026		26/04/2026	
मंगल	13/09/2025	शनि	01/12/2025	बुध	11/12/2025	लग्न	28/01/2026	शुक्र	10/03/2026
शनि	14/09/2025	बुध	01/12/2025	लग्न	16/12/2025	शुक्र	03/02/2026	चंद्र	12/03/2026
बुध	30/09/2025	लग्न	01/12/2025	शुक्र	24/12/2025	चंद्र	04/02/2026	गुरु	18/03/2026
लग्न	12/10/2025	शुक्र	02/12/2025	चंद्र	26/12/2025	गुरु	08/02/2026	सूर्य	26/03/2026
शुक्र	29/10/2025	चंद्र	02/12/2025	गुरु	31/12/2025	सूर्य	13/02/2026	मंगल	12/04/2026
चंद्र	02/11/2025	गुरु	02/12/2025	सूर्य	08/01/2026	मंगल	25/02/2026	शनि	12/04/2026
गुरु	14/11/2025	सूर्य	02/12/2025	मंगल	24/01/2026	शनि	25/02/2026	बुध	20/04/2026
सूर्य	01/12/2025	मंगल	03/12/2025	शनि	25/01/2026	बुध	02/03/2026	लग्न	26/04/2026

चंद्र		गुरु		सूर्य		सूर्य		सूर्य	
26/04/2026		10/05/2026		18/06/2026		18/06/2026		18/06/2026	
10/05/2026		18/06/2026		09/08/2026		09/08/2026		09/08/2026	
चंद्र	26/04/2026	गुरु	14/05/2026	सूर्य	25/06/2026	सूर्य	25/06/2026	सूर्य	25/06/2026
गुरु	28/04/2026	सूर्य	20/05/2026	मंगल	11/07/2026	मंगल	11/07/2026	मंगल	11/07/2026
सूर्य	30/04/2026	मंगल	01/06/2026	शनि	12/07/2026	शनि	12/07/2026	शनि	12/07/2026
मंगल	05/05/2026	शनि	01/06/2026	बुध	19/07/2026	बुध	19/07/2026	बुध	19/07/2026
शनि	05/05/2026	बुध	07/06/2026	लग्न	24/07/2026	लग्न	24/07/2026	लग्न	24/07/2026
बुध	07/05/2026	लग्न	10/06/2026	शुक्र	01/08/2026	शुक्र	01/08/2026	शुक्र	01/08/2026
लग्न	08/05/2026	शुक्र	16/06/2026	चंद्र	03/08/2026	चंद्र	03/08/2026	चंद्र	03/08/2026
शुक्र	10/05/2026	चंद्र	18/06/2026	गुरु	09/08/2026	गुरु	09/08/2026	गुरु	09/08/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

राहु		गुरु		शनि		बुध		केतु	
09/08/2025		02/10/2025		20/11/2025		17/01/2026		10/03/2026	
02/10/2025		20/11/2025		17/01/2026		10/03/2026		31/03/2026	
राहु	17/08/2025	गुरु	09/10/2025	शनि	29/11/2025	बुध	24/01/2026	केतु	11/03/2026
गुरु	24/08/2025	शनि	17/10/2025	बुध	07/12/2025	केतु	27/01/2026	शुक्र	14/03/2026
शनि	02/09/2025	बुध	24/10/2025	केतु	11/12/2025	शुक्र	05/02/2026	सूर्य	16/03/2026
बुध	10/09/2025	केतु	26/10/2025	शुक्र	20/12/2025	सूर्य	07/02/2026	चंद्र	17/03/2026
केतु	13/09/2025	शुक्र	03/11/2025	सूर्य	23/12/2025	चंद्र	12/02/2026	मंगल	19/03/2026
शुक्र	22/09/2025	सूर्य	06/11/2025	चंद्र	28/12/2025	मंगल	15/02/2026	राहु	22/03/2026
सूर्य	25/09/2025	चंद्र	10/11/2025	मंगल	01/01/2026	राहु	23/02/2026	गुरु	25/03/2026
चंद्र	29/09/2025	मंगल	13/11/2025	राहु	09/01/2026	गुरु	01/03/2026	शनि	28/03/2026
मंगल	02/10/2025	राहु	20/11/2025	गुरु	17/01/2026	शनि	10/03/2026	बुध	31/03/2026

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		मंगल	
31/03/2026		31/05/2026		18/06/2026		19/07/2026		19/07/2026	
31/05/2026		18/06/2026		19/07/2026		09/08/2026		09/08/2026	
शुक्र	10/04/2026	सूर्य	01/06/2026	चंद्र	21/06/2026	मंगल	20/07/2026	मंगल	20/07/2026
सूर्य	13/04/2026	चंद्र	02/06/2026	मंगल	22/06/2026	राहु	23/07/2026	राहु	23/07/2026
चंद्र	18/04/2026	मंगल	03/06/2026	राहु	27/06/2026	गुरु	26/07/2026	गुरु	26/07/2026
मंगल	22/04/2026	राहु	06/06/2026	गुरु	01/07/2026	शनि	29/07/2026	शनि	29/07/2026
राहु	01/05/2026	गुरु	09/06/2026	शनि	06/07/2026	बुध	01/08/2026	बुध	01/08/2026
गुरु	09/05/2026	शनि	11/06/2026	बुध	10/07/2026	केतु	02/08/2026	केतु	02/08/2026
शनि	19/05/2026	बुध	14/06/2026	केतु	12/07/2026	शुक्र	06/08/2026	शुक्र	06/08/2026
बुध	27/05/2026	केतु	15/06/2026	शुक्र	17/07/2026	सूर्य	07/08/2026	सूर्य	07/08/2026
केतु	31/05/2026	शुक्र	18/06/2026	सूर्य	19/07/2026	चंद्र	09/08/2026	चंद्र	09/08/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - मंगल - शुक्र	
18/08/2025 00:21	
24/10/2025 11:37	
शुक्र	29/08/2025 06:14
सूर्य	01/09/2025 15:11
चंद्र	07/09/2025 06:08
मंगल	11/09/2025 04:35
राहु	21/09/2025 07:29
गुरु	30/09/2025 07:23
शनि	10/10/2025 23:46
बुध	20/10/2025 13:10
केतु	24/10/2025 11:37

शनि - मंगल - सूर्य	
24/10/2025 11:37	
13/11/2025 17:24	
सूर्य	25/10/2025 11:55
चंद्र	27/10/2025 04:24
मंगल	28/10/2025 08:44
राहु	31/10/2025 09:36
गुरु	03/11/2025 02:22
शनि	06/11/2025 07:17
बुध	09/11/2025 04:06
केतु	10/11/2025 08:26
शुक्र	13/11/2025 17:24

शनि - मंगल - चंद्र	
13/11/2025 17:24	
17/12/2025 11:03	
चंद्र	16/11/2025 12:52
मंगल	18/11/2025 12:06
राहु	23/11/2025 13:33
गुरु	28/11/2025 01:30
शनि	03/12/2025 09:42
बुध	08/12/2025 04:24
केतु	10/12/2025 03:37
शुक्र	15/12/2025 18:34
सूर्य	17/12/2025 11:03

शनि - राहु - राहु	
17/12/2025 11:03	
22/05/2026 14:30	
राहु	09/01/2026 21:10
गुरु	30/01/2026 16:49
शनि	24/02/2026 10:10
बुध	18/03/2026 13:04
केतु	27/03/2026 15:40
शुक्र	22/04/2026 16:15
सूर्य	30/04/2026 11:37
चंद्र	13/05/2026 11:54
मंगल	22/05/2026 14:30

शनि - राहु - गुरु	
22/05/2026 14:30	
08/10/2026 09:35	
गुरु	10/06/2026 02:39
शनि	02/07/2026 02:04
बुध	21/07/2026 17:59
केतु	29/07/2026 20:17
शुक्र	21/08/2026 23:28
सूर्य	28/08/2026 22:01
चंद्र	09/09/2026 11:37
मंगल	17/09/2026 13:56
राहु	08/10/2026 09:35

शनि - राहु - शनि	
08/10/2026 09:35	
22/03/2027 05:15	
शनि	03/11/2026 11:54
बुध	26/11/2026 20:17
केतु	06/12/2026 11:02
शुक्र	02/01/2027 22:18
सूर्य	11/01/2027 04:05
चंद्र	24/01/2027 21:44
मंगल	03/02/2027 12:29
राहु	28/02/2027 05:49
गुरु	22/03/2027 05:15

शनि - राहु - बुध	
22/03/2027 05:15	
16/08/2027 16:31	
बुध	12/04/2027 02:39
केतु	20/04/2027 17:06
शुक्र	15/05/2027 06:59
सूर्य	22/05/2027 15:56
चंद्र	03/06/2027 22:53
मंगल	12/06/2027 13:20
राहु	04/07/2027 16:14
गुरु	24/07/2027 08:08
शनि	16/08/2027 16:31

शनि - राहु - केतु	
16/08/2027 16:31	
16/10/2027 09:52	
केतु	20/08/2027 05:32
शुक्र	30/08/2027 08:25
सूर्य	02/09/2027 09:17
चंद्र	07/09/2027 10:44
मंगल	10/09/2027 23:45
राहु	20/09/2027 02:21
गुरु	28/09/2027 04:40
शनि	07/10/2027 19:24
बुध	16/10/2027 09:52

शनि - राहु - शुक्र	
16/10/2027 09:52	
06/04/2028 21:43	
शुक्र	14/11/2027 07:50
सूर्य	23/11/2027 00:02
चंद्र	07/12/2027 11:01
मंगल	17/12/2027 13:55
राहु	12/01/2028 14:29
गुरु	04/02/2028 17:40
शनि	03/03/2028 04:57
बुध	27/03/2028 18:49
केतु	06/04/2028 21:43

शनि - राहु - सूर्य	
06/04/2028 21:43	
28/05/2028 22:52	
सूर्य	09/04/2028 12:10
चंद्र	13/04/2028 20:16
मंगल	16/04/2028 21:08
राहु	24/04/2028 16:31
गुरु	01/05/2028 15:04
शनि	09/05/2028 20:51
बुध	17/05/2028 05:49
केतु	20/05/2028 06:41
शुक्र	28/05/2028 22:52

शनि - राहु - चंद्र	
28/05/2028 22:52	
23/08/2028 16:48	
चंद्र	05/06/2028 04:22
मंगल	10/06/2028 05:49
राहु	23/06/2028 06:06
गुरु	04/07/2028 19:41
शनि	18/07/2028 13:20
बुध	30/07/2028 20:16
केतु	04/08/2028 21:43
शुक्र	19/08/2028 08:42
सूर्य	23/08/2028 16:48

शनि - राहु - मंगल	
23/08/2028 16:48	
23/10/2028 10:09	
मंगल	27/08/2028 05:48
राहु	05/09/2028 08:25
गुरु	13/09/2028 10:43
शनि	23/09/2028 01:28
बुध	01/10/2028 15:56
केतु	05/10/2028 04:56
शुक्र	15/10/2028 07:50
सूर्य	18/10/2028 08:42
चंद्र	23/10/2028 10:09

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

इस वर्ष आपकी वर्ष कुंडली में इस योग की सृष्टि हो रही है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष में आपको संतति से पूर्ण सुख की प्राप्ति होगी तथा यदि संतति प्राप्ति की अपेक्षा कर रही है तो यह वर्ष आपको पुत्र रत्न की प्राप्ति करायेगा। शिक्षा ग्रहण करने वालों के लिए यह वर्ष इस योग के प्रभाव से विशेष शुभ रहेगा तथा इस क्षेत्र मैं उन्हे वांछित सफलता की प्राप्ति होगी। इस वर्ष सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा एवं राजनीति में सक्रिय हों तो विशिष्ट उन्नति तथा राज्य लाभ के योग बनते हैं।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह बुध (कर्क 10:21:27), एवं शीघ्र गति ग्रह चंद्र (मक 16:49:09), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग अशुभ माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष आपके पारिवारिक जीवन मे सुख शांन्ति तथा समृद्धि में कमी आएगी तथा सदस्यों में परस्पर विरोध

का भाव रहेगा। जिससे आप मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। साथ ही वाणी में भी तेजस्विता आएगी जिससे अनावश्यक समस्या या परेशानी हो सकती है। अतः संयमपूवंक समय व्यतीत करें। इसराफ योग मन्दगति ग्रह मंगल (कन्या 06:58:33), एवं शीघ्र गति ग्रह बुध (कर्क 10:21:27), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग विशेष अच्छा नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस समय आयस्रोतों में कमी आएगी जिससे आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी। साथ ही महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली लोगों से सम्पर्क कम ही बनेंगे। इस वर्ष आप प्रतियोगी परीक्षा में परिश्रमपूर्वक सफलता प्राप्त करेंगी तथा मुकद्दमे या चुनाव में सफलता कम ही मिलेगी अतः संयमपूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें। इसराफ योग मन्दगति ग्रह शनि (मीन 07:07:53), एवं शीघ्र गति ग्रह बुध (कर्क 10:21:27), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग विशेष शुभ नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष में आपके भाग्योदय में विलम्ब होगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में विलम्ब से सफलता मिलेगी। साथ ही अन्यत्र भी उन्नति एवं लाभमार्ग अवरूद्ध होंगे। इस वर्ष में आपको जुए सट्टे या शेयर आदि पर किसी प्रकार का व्यय नहीं करना चाहिए अन्यथा हानि के योग बनेंगे। साथ ही समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो के विषय मे सोचसमझकर निर्णय लेना चाहिए जिससे अनावाश्यक परेशानियों से सुरक्षित रह सकें।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

नक्त योग बुध तथा सूर्य के मध्य है क्योंकि चंद्र शीघ्र गति ग्रह है तथा दोनों को दे ख रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस समय पति से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अविवाहितों का विवाह होगा। धन वैभव अर्जित करने के लिए भी वर्ष उत्तम होगा तथा स्ववाक्चातुर्य से अपने प्रभाव में वृद्धि करेंगी। उच्चाधिकारीवर्ग से आपको इस समय लाभ होगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है वे राजनैतिक लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, कूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

इस वर्ष आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश दुर्बल है अतः दुरूपयोग बन रहा है।

इस योग के प्रभाव इस वर्ष आपको पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्त होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। इस समय अविवाहितों के विवाह होने के भी प्रबल योग बनेंगे। साझेदार से इस समय आपको वांछित लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है उन्हें राजनैतिक लाभ की अवश्य प्राप्ति होगी। कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष श्रेष्ठ माना जाएगा। इस समय नौकरी में पदोन्नति होगी जिससे मान सम्मान एवं धन की वृद्धि होगी। व्यापारी वर्ग के लिए वर्ष उत्तम फलदायक सिद्ध होगा तथा उनके कार्य में विस्तार होगा जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। अतः वर्ष का लाभ उठाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहना चाहिए।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप रक्त विकार से कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेंगी तथा मन से आप चिन्तित तथा व्याकुल रहेंगे। साथ ही आपके स्वभाव में क्रोध की प्रबलता रहेगी जिससे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। शत्रुपक्ष या विरोधी इस समय आपसे संघर्ष के लिए तत्पर रहेंगे तथा आप उनका सामना करने के लिए उद्यत रहेंगे। इसी संघर्ष में आपको किसी शस्त्रादि से चोट लग सकती है लेकिन पराक्रम आपका बना रहेगा तथा बन्धु वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा। साथ ही संघर्ष पूर्वक सुख संसाधनों की भी अल्प मात्रा में प्राप्ति होगी तथा न्यूनाधिक रूप से आप इनका उपभोग करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष पूर्वक आप इस क्षेत्र में उन्नति करेंगे एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही यदा कदा इसमें समस्याएं भी हो सकती है तथा हानि के अवसर भी आ सकते हैं अतः सावधान रहें। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञापालन में तत्पर रहें। इस वर्ष में आपकी प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी साथ ही आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः परिश्रम एवं संघर्ष करते रहें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्पूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आपको अत्यंत ही पराक्रम तथा परिश्रम करना पड़ेगा फिर भी इसमें सफलता आपको आंशिक ही प्राप्त होगी। इस समय आपके स्वयं द्वारा किए गए कार्यो से भी अप्रसन्नता होगी तथा मानसिक असन्तुष्टि तथा परेशानी भी रहेगी।साथ ही मित्रों एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः उनसे आपको लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।

इस वर्ष में शत्रुवर्ग से आप अत्यंत ही कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगी तथा वे आपके लिए समय समय पर अनावश्यक कष्ट एवं परेशानी उत्पन्न करेंगे। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी अतः ऐसे समय में आपको पूर्ण सतर्क तथा सावधान रहना चाहिए।इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा आप अल्प मात्रा में ही इच्छित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा तथा धनहानि की भी संभावना रहेगी।साथ ही कार्य क्षेत्र में भी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा रूके हुए कार्य भी सिद्ध नहीं होंगे।इसके अतिरिक्त इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी उत्पन्न होंगी फलतः एक दूसरे से विवाद या झगड़े की भी संभावनाएं भी बनेंगी। अतः ऐसे समय को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें इससे अशुभ फलों में न्यूनता रहेगी।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट की आपको प्राप्ति होगी जिससे आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मानसिक रूप से भी यदा कदा आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगी। इस समय शत्रुपक्ष से आप चिन्तित तथा दुखी रहेंगी एवं आपके लिए समय समय पर वे अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न करेंगे। अतः इनसे पूर्ण रूप से सावधान रहना चाहिए। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा मिथ्यावाद के कारण सम्मान में कमी हो सकती है। मित्र एवं संबधियों से भी इस समय आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। इसके साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान आएंगे तथा मानसिक संकल्प भी अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं रहेंगी फलतः लाभ एवं सफलता के मार्ग अवरूद्ध रहेंगे। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी पदोन्नति में विलम्ब तथा रूकावट उत्पन्न होगी। अतः ऐसे समय में सरकार तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सतर्क रहना चाहिए तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करना चाहिए अन्यथा इनके द्वारा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न हो सकती है । इस वर्ष में वाहन सुख में भी अल्पता रहेगी तथा इससे किसी प्रकार की हानि भी हो सकती है। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा संघर्ष एवं परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको वांछित शुभ फल प्राप्त हो सकेंगे ।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगी परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। मानसिक रूप से भी यदा कदा आप उद्विग्नता तथा परेशानी प्राप्त कर सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए भी वर्ष मध्यम रहेगा तथा पारिवारिक जनों के मध्य कलह एवं मतभेद रहेंगे। मित्र एवं संबधियों से भी इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा आपसी संबधों में मधुरता अल्प ही रहेगी। संतति पक्ष के लिए भी समय सामान्य उन्नति दायक रहेगा परन्तु उनसे आपको अल्प सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे आप विशेष प्रसन्न नहीं रहेगी। इस समय आपके रूके हुए कार्य एवं मानसिक संकल्प अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी। इसके अतिरिक्त वाहन संबंधी सुख भी सामान्य ही रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा इस समय परिश्रम पूर्वक ही आपको न्यूनाधिक सफलता प्राप्त होगी। साथ ही लाभ मार्ग भी यदा कदा अवरूद्ध रहेंगे नौकरी या राजनीति में भी आपकी उन्नति में विलम्ब तथा बाधाएं आएंगी तथा विरोधी भी अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ नेताओं से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे एवं उनसे सहयोग एवं लाभ भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। साथ ही सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव रहेगा अतः ऐसे समय में परिश्रमशील रहें तथा धैर्य पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करती रहें।

प्रथम मास

09/08/2025 02:45:47 से 09/09/2025 05:17:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	12:34:22
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	22:21:27
चन्द्र		मकर	श्रवण	16:49:09
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:58:33
बुध	व	कर्क	पुष्य	10:21:27
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	19:09:32
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	15:55:39
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:07:53
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:22:05
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:22:05
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:44:55

मासाधिपति

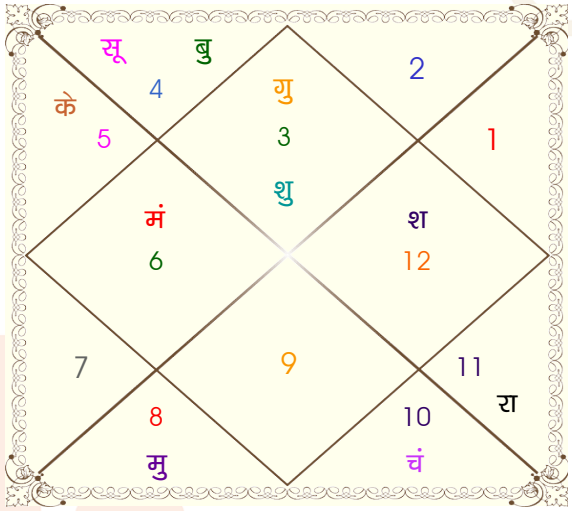

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपका शुभाशुभ फलों से युक्त होकर व्यतीत होगा। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थता की अनुभूति करेंगी साथ ही शत्रु भी उत्पन्न होंगे जिससे मानसिक परेशानी तथा भय उत्पन्न होगा। अपने उच्चाधिकारी वर्ग की आप इस मास में उपेक्षा न करें अन्यथा आप दंडित भी हो सकती हैं। साथ ही चोरों से भी सावधान रहें। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन भी अनावश्यक रूप से अधिक मात्रा में व्यय होगा। इस समय आप कोई कठोर कार्य करने की दिशा मेंभी तत्पर हो सकती हैं। ऐसे कार्यों से आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी अनावश्यक तनाव उत्पन्न हो सकता है। इसके अतिरिक्त आशाओं में भी सामान्यतया असफलता ही मिलेगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। जिससे आपको पति से सुख,बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि तथा अन्य प्रकार से सुख प्राप्त होंगे। साथ ही धार्मिक कृत्यों को करने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

द्वितीय मास

09/09/2025 05:17:43 से 09/10/2025 20:29:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	11:36:55
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:21:27
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	08:54:22
मंगल		कन्या	चित्रा	26:55:05
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:12:57
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:02:25
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	22:58:27
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:13:50
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:07:04
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:04
मुंथा		धनु	मूल	01:14:55

मासाधिपति

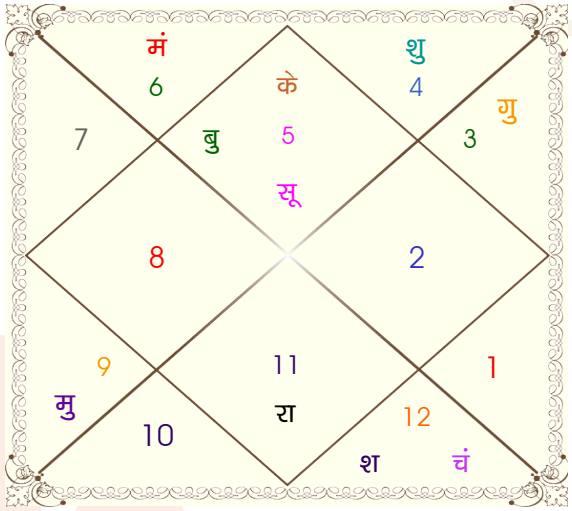

मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं शान्तिपूर्वक व्यतीत करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में वृद्धि होगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। साथ ही आप संततिपक्ष से सुख प्राप्त करेंगी तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी कर सकती हैं। आपके प्रभुत्व को इस समय सभी समाजिक जन स्वीकार करेंगे तथा समाज से आपको पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। साथ ही आप अच्छे समाचारों को भी प्राप्त करेंगी तथा अपने सभी शुभ एवं सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा यत्नपूर्वक इनका सम्मान तथा पूजन करेंगी। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग के आश्रय से आप लाभार्जन भी कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त आपको अपनी विगत आशाओं में भी सफलता प्राप्त होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पुरूष वर्ग से सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगी तथा पति का सुख एवं सहयोग भी पूर्ण रूप से प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास अत्यंत ही शुभ एवं आनंददायक रहेगा।

तृतीय मास

09/10/2025 20:29:02 से 08/11/2025 23:16:05 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	10:21:33
सूर्य		कन्या	हस्त	22:21:27
चन्द्र		मेष	कृतिका	26:56:36
मंगल		तुला	स्वाति	17:33:23
बुध		तुला	स्वाति	10:08:38
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:12:25
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:29:55
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:54:26
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:52:17
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:52:17
मुंथा		धनु	मूल	03:44:55

मासाधिपति

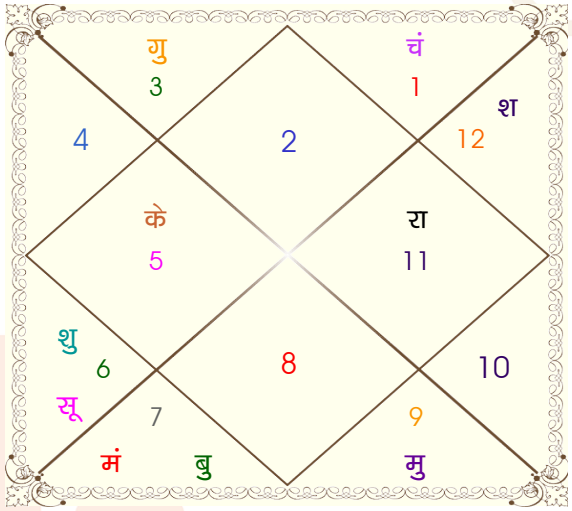

मासाधिपति : शुक्र

यह महीना आपके लिए सामान्यता कष्टकारी रहेगा तथा शुभ फलों की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी। इस समय शत्रु पक्ष से आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगी तथा उनके द्वारा आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी जिससे आप चिन्तित रहेंगी। आपके घर में इस मास चोरी भी हो सकती है अतः आपको सतर्क रहना चाहिए। साथ ही आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक स्थिति में शिथिलता आएगी। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसके अनुपालन में कोई रूचि लेंगी। इस महीने आपका स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगी जिससे शारीरिक बल में न्यूनता आएगी। इस मास आप दूर की यात्रा भी कर सकती हैं। इस समय सांसारिक कार्य भी प्रायः असफल होंगे एवं मुकद्दमे आदि में भी आप धन को व्यय करेंगी अतः बुद्धिमता से कार्यों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप वातजन्य रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी एवं किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न कर सकती हैं जिससे आपके सम्मान तथा प्रतिष्ठा में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि की आशंका रहेगी। अतः सोच समझ कर सावधानी पूर्वक समय व्यतीत करें।

चतुर्थ मास
08/11/2025 23:16:05 से 08/12/2025 15:52:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	15:23:20
सूर्य		तुला	विशाखा	22:21:27
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	07:25:16
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	08:47:48
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	12:33:49
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:55:08
शुक्र		तुला	स्वाति	08:01:51
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:16:15
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:06:49
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:06:49
मुंथा		धनु	मूल	06:14:55

मासाधिपति

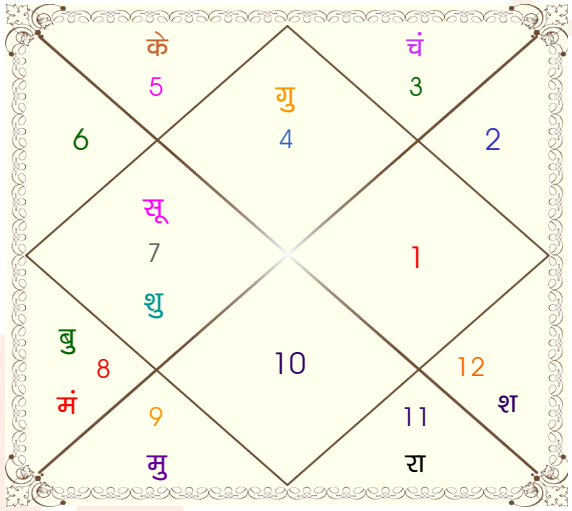

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा। अतः इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक रूप से आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगी। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप बेचैनी की अनुभूत करेंगी। इस समय आपके घर में चोरी भी हो सकती है। आप अपने उच्चाधिकारियो की ऐसे समय में उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पालन करती रहें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित भी हो सकती हैं। इस मास में आपके शुभ कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा आपको अत्यधिक मात्रा में परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही अन्य प्रकार से धन हानि भी हो सकती है। जिसके कारण इस मास में आप आर्थिक संकट भी प्राप्त कर सकती हैं। इस मास में आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से सम्बन्ध अच्छ नहीं रहेंगे तथा आशाएं भी आपकी अल्पमात्रा में ही पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति तथा पुत्रों से वांछित सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं का लाभ भी प्राप्त हो सकता है।

पंचम् मास
08/12/2025 15:52:49 से 07/01/2026 03:05:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	कृतिका	29:08:20
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	22:21:27
चन्द्र		कर्क	पुष्य	10:15:37
मंगल		धनु	मूल	00:36:37
बुध		वृश्चिक	विशाखा	01:45:32
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:45:47
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	15:19:29
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:01:55
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:56:41
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:56:41
मुंथा		धनु	मूल	08:44:55

मासाधिपति

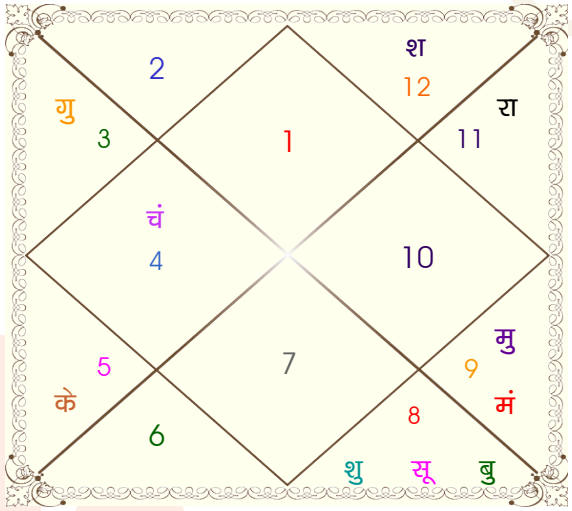

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा ही रहेगा तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन को अर्जित करेंगी जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा आपके उच्चाधिकारी भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती है। संतति पक्ष से आप निश्चिंत रहेंगी तथा उनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग मिलेगा। आपकी धार्मिक श्रद्धा में इस समय वृद्धि होगी एवं देवताओं तथा ब्राहमणों का आप हार्दिक पूजन तथा सम्मान करेंगी। साथ ही समाज में आपकी मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी फैलेगा। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे जिससे आपकी भाग्योन्नति होगी। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा तथा यात्रा से आप लाभ अर्जित करेंगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आप पूर्ण सहयोग एवं सम्मान प्राप्त करेंगी इसके अतिरिक्त समाज में आप सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित महिला के रूप में जानी जाएंगी।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आपको अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित दोष के द्वारा शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा इस समय रुधिर विकार का योग भी बनता है अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा के प्रति सर्तक रहें।

षष्ठ मास

07/01/2026 03:05:28 से 05/02/2026 14:57:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	25:44:07
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:21:27
चन्द्र		सिंह	मघा	08:23:49
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:59:55
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:31:59
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:21:09
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:24:26
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:18:56
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:03:54
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:03:54
मुंथा		धनु	मूल	11:14:55

मासाधिपति

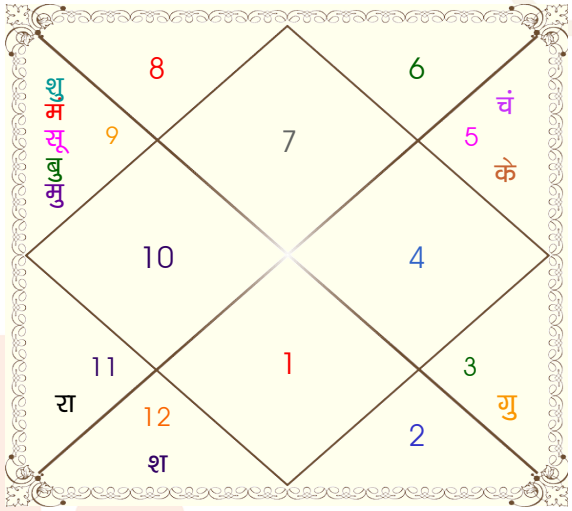

मासाधिपति : बुध

इस महीने में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगी तथापि न्यूनाधिक अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धन अर्जित करेंगी तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में समर्थ रहेंगी। साथ ही समाज में आपके यश एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस समय दूसरे लोगों की भलाई के कार्यो को करने में भी आप तत्पर रहेंगी परन्तु शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सफल बनाने में समर्थ रहेगी। आपके मित्रों तथा बन्धुजनों से इस समय मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप पूर्ण सहयोग तथा सुख भी अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे जिससे आप हृदय से प्रसन्न रहेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ आप यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त करेंगी।अतः आप गर्मी या पित्त दोष के द्वारा शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार से रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

सप्तम् मास

05/02/2026 14:57:51 से 07/03/2026 09:24:34 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	13:23:52
सूर्य		मकर	श्रवण	22:21:27
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	05:44:13
मंगल		मकर	श्रवण	15:56:49
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	03:02:02
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:40:04
शुक्र		मकर	धनिष्ठा	29:27:57
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:51:33
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:49:49
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:49:49
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:44:55

मासाधिपति

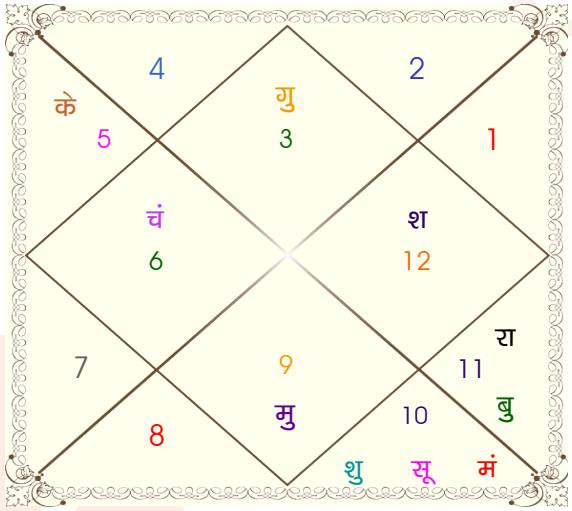

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप अशुभ फलों को ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी तथा कई प्रकार से परेशानियां भी होगी। इस समय आप पति तथा अन्य बन्धुजनों से कष्ट प्राप्त करेंगी साथ ही आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे जिससे उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस मास में आपके उत्साह के भाव में अल्पता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः शारीरिक रूप से भी आप काफी अस्वस्थ रहेंगी तथा शरीर निर्बलता से युक्त रहेगा। इस समय आपके मन में लोभ के भाव की भी अधिकता रहेगी। मित्रों तथा बन्धुवर्गो से संबधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा सभी मित्र शत्रु की तरह आपसे व्यवहार करेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त एवं उद्विग्न रहेंगी। समाज में भी अन्य जनों से वाद विवाद या संघर्ष की स्थिति रहेगी जिससे समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। अतः सावधानी तथा बुद्धिमतापूर्वक इस समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पितोत्पनन रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी तथा रुधिर विकार की भी संभावना रहेगी। इस समय आप अग्नि द्वारा भी किसी प्रकार क्षति प्राप्त करेंगी। अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
07/03/2026 09:24:34 से 06/04/2026 14:45:18 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	17:37:26
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:21:27
चन्द्र		तुला	चित्रा	05:43:09
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	09:22:30
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:57:06
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:53:19
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	06:39:52
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	08:14:31
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:43:24
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:24
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:14:55

मासाधिपति

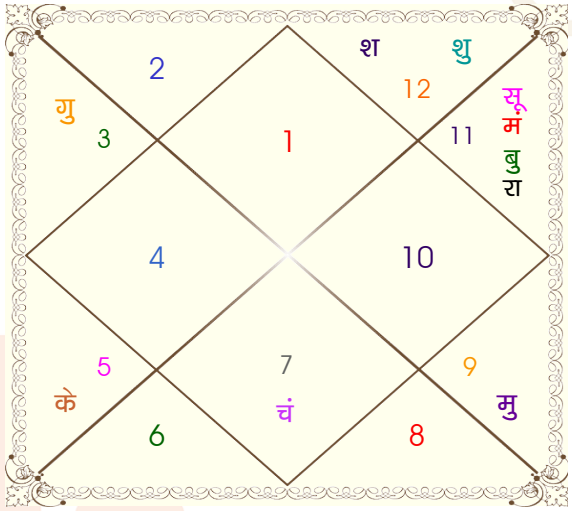

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप शुभ फलों को प्राप्त करने में सफल रहेंगी। अतः आपका धनार्जन पूर्ण मात्रा में होगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग तथा सामाजिक लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। सन्तति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित होता रहेगा। आपकी बुद्धि में इस मास निर्मलता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही समय आप यात्रा से भी लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको सम्मान प्राप्त होगा तथा मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप वांछित सहयोग अर्जित करेंगी एवं उनसे आपके मधुर संबध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र सम्माननीया रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख अर्जित करेंगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा धर्म के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा। इस प्रकार समस्त सुखों से युक्त होकर आप समाज से यश तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

नवम् मास
06/04/2026 14:45:18 से 07/05/2026 08:34:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	01:28:09
सूर्य		मीन	रेवती	22:21:27
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	10:37:11
मंगल		मीन	पू०भाद्रपद	03:06:00
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:44:23
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:56:51
शुक्र		मेष	भरणी	14:02:16
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	11:59:24
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:02:48
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:02:48
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:44:55

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

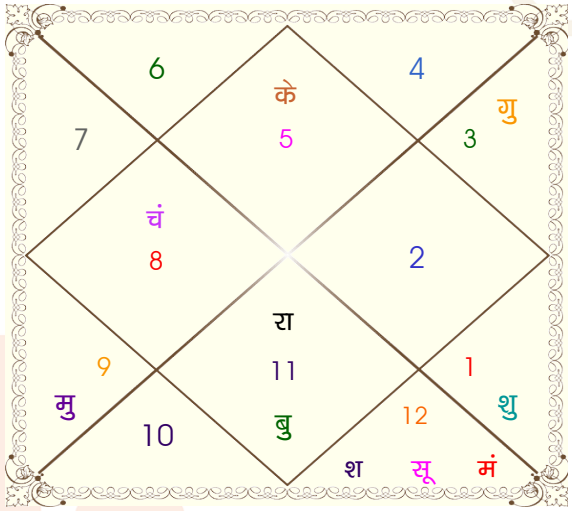

इस महीने में आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप विविध प्रकार से द्रव्य पदार्थो को अर्जित करेंगी तथा पुत्र से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी इस मास में आप रूचिशील रहेंगी। इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। इस मास में आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे तथा शुभ समाचारों को भी आप प्राप्त करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा उचित लाभ प्राप्त करने में भी सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा पूर्ण रूप से मानसिक शान्ति प्राप्त करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के मध्य अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार से रक्त विकार की संभावना भी रहेगी। अतः अपने समस्त कार्यो को सावधानी पूर्वक सम्पन्न करें।

दशम् मास

07/05/2026 08:34:13 से 07/06/2026 13:03:52 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	07:34:12
सूर्य		मेष	भरणी	22:21:27
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:35:50
मंगल		मीन	रेवती	26:49:45
बुध		मेष	भरणी	13:43:23
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:34:43
शुक्र		वृष	रोहिणी	21:27:55
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:35:52
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	11:43:20
केतु	व	सिंह	मघा	11:43:20
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:14:55

मासाधिपति

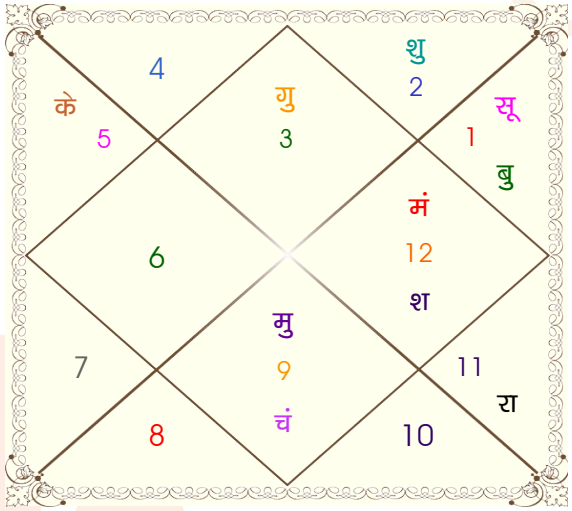

मासाधिपति : बुध

इस महीने में आप शुभ फलों को अल्प तथा अशुभ फलों को अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय पति तथा पुरूष वर्ग से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी।साथ ही आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे तथा आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः इनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप कष्ट प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही आपको अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी जिससे मानसिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। आपका स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव की वृद्धि होगी फलतः समाज से भी आप उपेक्षा का सामना करेंगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा आपस में मनमुटाव रहेगा इसके साथ ही मित्र भी इस समय शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त समाज में अन्य जनों से भी वाद विवाद होता रहेगा। अतः संयमपूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। अतः आप पुरूष वर्ग से लाभ तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा परिश्रम से आप धन तथा सुख भी अर्जित करेंगी। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में प्रतिष्ठा अर्जित करने में आप सफल रहेंगी।

एकादश मास

07/06/2026 13:03:52 से 08/07/2026 23:23:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:36:48
सूर्य		वृष	रोहिणी	22:21:27
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	09:21:09
मंगल		मेष	भरणी	20:11:38
बुध		मिथुन	आर्द्रा	14:49:42
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	01:03:14
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	28:36:03
शनि		मीन	रेवती	18:31:33
राहु		कुम्भ	शतभिषा	08:41:39
केतु		सिंह	मघा	08:41:39
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:44:55

मासाधिपति

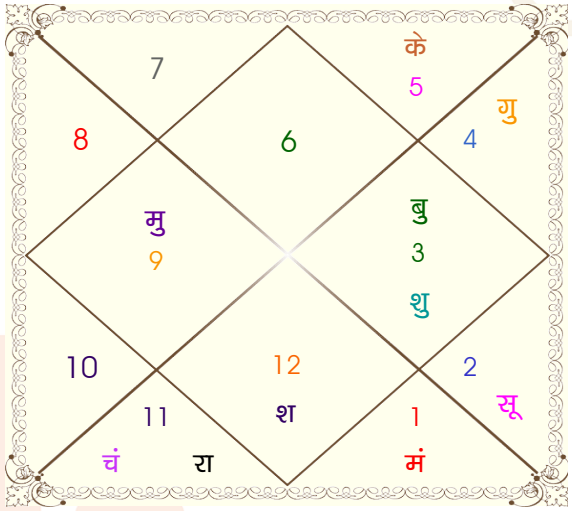

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त कर सकती हैं। साथ ही शत्रुपक्ष भी इस मास में बलवान रहेगा अतः इनसे भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इस मास में आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन होगा या कोई कार्य छूट भी सकता है। इसके साथ ही समाज में अन्य लोगों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे एवं आपस में विवाद तथा वैमनस्य का भाव रहेगा। इस समय आपकी धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता हैं। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को संपन्न करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ काथ अल्प मात्रा में शुभ फल भी होंगे। अतः आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपने बुद्धि चातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी एवं सुख की भी अनुभूति करेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप न्यूनाधिक सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

द्वादश मास

08/07/2026 23:23:32 से 09/08/2026 08:58:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	09:04:15
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	22:21:27
चन्द्र		मेष	अश्विनी	04:15:18
मंगल		वृष	रोहिणी	12:48:19
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:10:15
गुरु		कर्क	पुष्य	07:36:19
शुक्र		सिंह	मघा	04:40:47
शनि		मीन	रेवती	20:14:32
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:30:07
केतु	व	सिंह	मघा	06:30:07
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:14:55

मासाधिपति

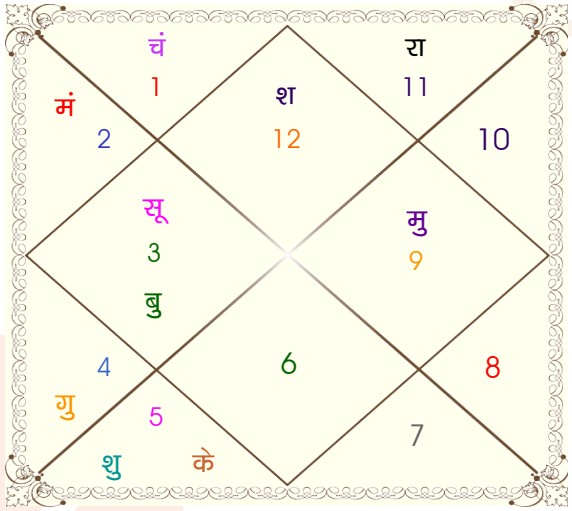

मासाधिपति : बुध

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में आशातीत सफलता अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। फलतः आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगी। अपने बन्धुओं तथा मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही समाज में अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में भी आप तत्पर रहेंगी।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी सेवा करेंगी। इस समय समाज में सर्वत्र आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका आदर करेंगे। आपकी कीर्ति भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगी तथा अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आपको नवीन गृह की प्राप्ति या कोई स्थान परिवर्तन हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगी तथा आप नवीन वस्त्र या स्वर्णादि के आभूषण भी प्राप्त करेंगी। अतः प्रसन्नता पूर्वक आपका यह समय व्यतीत होगा।

वार्षिक फलादेश - 2025

वर्ष के प्रारम्भ में कुम्भस्थ शनि छठे भाव में रहेंगे व मीनस्थ राहु सप्तम भाव में रहेंगे और 29 मार्च को शनि मीन राशि सप्तम भाव में और 30 मई को राहु कुम्भ राशि छठे भाव में प्रवेश करेंगे। वर्ष के शुरुआत में वृष राशि के गुरुनवम भाव में रहेंगे और 14 मई को मिथुन राशि दशम भाव में प्रवेश करेगी और अतिचारी हो कर 18 अक्टूबर को कर्क राशि एकादश भाव में गोचर करेगी और वक्री होकर फिर से 5 दिसम्बर को मिथुन राशि दशम भाव में आ जाएगी।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। वर्षारम्भ में आपको कार्य व्यवसाय में सफलता प्राप्त होगी। अपने भाग्य के द्वारा व्यवसाय में उन्नति करेंगे। गुरुएवं शनि ग्रह अनुकूल स्थान में होना चौमुखी विकास के संकेत हैं। आय के मार्ग प्रशस्त होंगे। वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा।

मई के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ इच्छित स्थान पर स्थानान्तरण भी हो सकता है। भूमि से सम्बन्धित कार्य करने वाले व्यक्तियों को लाभ प्राप्त होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष उत्तम फलदायक रहेगा। व्यापारिक अनुकूलता होने के कारण इच्छित बचत करने में सफल रहेंगे। वर्षारम्भ में आप अपने भौतिक सुख सुबिधाओं पर भी खर्च करेंगे।

मई के बाद चतुर्थ स्थान पर गुरुएवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन के साथ रत्न आभुषण इत्यादि वस्तुओं की भी प्राप्ति होगी। परिवार के सदस्यों एवं रिश्तेदारों के यहां मांगलिक कार्यों में आपके धन का व्यय होगा।

घर-परिवार, समाज

वर्षारम्भ में अधिक व्यस्तता के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। तृतीय स्थान पर गुरुग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी समाजिक पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मई के बाद पारिवारिक रूप से समय और भी अनुकूल हो रहा है। आप के परिवार में परस्पर सहयोग एवं भावनात्मक प्रेम में वृद्धि होगी। परिवार के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा और परिवार के प्रति आपका आकर्षण भी बढ़ेगा। पिता के लिए यह समय काफी अच्छा रहेगा। मातुल पक्ष के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

संतान

पंचम स्थान पर गुरुके दृष्टि प्रभाव से नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। आपके बच्चे अपने भाग्य व परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेगे।

यदि आपका बच्चा विवाह योग्य है तो विवाह हो जाएगा। अप्रैल के बाद आपके बच्चे उन्नति करेंग। दूसरे बच्चे के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

स्वास्थ्य

वर्ष का प्रारम्भ स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा रहेगा। नवमस्थ गुरुकी पंचम दृष्टि लग्न पर होगी उसके प्रभाव से शारीरिक आरोग्यता की प्राप्ति व कार्य क्षमताओं में वृद्धि के संकेत हैं। मानसिक शांति, प्रसन्नता एवं सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी, जिससे स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद सप्तम स्थान का शनि आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। अतः उस समय स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के प्रति ध्यान देना आवश्यक होगा। स्वस्थ शरीर के लिए अनुशासित दिनचर्या व उचित खान-पान ग्रहण करें साथ ही व्यायाम करना भी लाभदायक होगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर गुरुग्रह के दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थी मनोनुकूल उपलब्धि प्राप्त करेंगे।

मई के बाद राहु ग्रह का गोचर छठे स्थान में होगा उस समय प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले जातकों को सफलता प्राप्त होगी एवं नौकरी भी मिल सकती है। तकनीकि शिक्षा या व्यवसायिक शिक्षा के लिए भी यह समय श्रेष्ठतम रहेगा।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारंभ में गुरुग्रह के प्रभाव से छोटी-मोटी यात्राओं के साथ साथ आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी। ये यात्राएं आपके लिए उन्नतिकारक सिद्ध हो सकती हैं। इन यात्राओं के दौरान आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है।

14 मई के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का मानोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अपने जन्मस्थल की यात्रा हो सकती है या पूरे परिवार साथ दर्शनीय स्थलों की यात्रा का आनन्द उठाएंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ में नवमस्थ गुरुके कारण आप कोई विशेष पूजा-पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान संपन्न करेंगे। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप योग, ध्यान, एवं अपने गुरुके द्वारा दिये गये मन्त्रों का पाठ करेंगे।

- नित्य स्नानादि के निवृत होकर सूर्य को अर्घ्य दें।
- गणेशजी के मन्त्र का पाठ का करें एवं नित्य प्राणायाम करें।
- एक नारियल अपने सिर से सात बार घुमाकर बहते हुए पानी में बहा दें।

मासिक फलादेश

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

इस मास में आपको मिले जुले फल प्राप्त होंगे। अतः शरीर से आप अस्वस्थ रहेंगी एवं अन्य प्रकार से कष्टानुभूति भी प्राप्त कर सकती हैं। शत्रुओं से इस मास आपको कई प्रकार से कठिनाइयां तथा असुविधाएं उत्पन्न होंगी फलतः भय का वातावरण विद्यमान रहेगा। साथ ही पारिवारिक एवं बन्धुजनों से आपसी सम्बन्धों में तनाव उत्पन्न होंगे जिससे परिवार में अशान्ति का वातावरण रहेगा फलतः मानसिक रूप से भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। आपके कार्यक्षेत्र में इस मास रूकावट आसकती है या कार्य में परिवर्तन आ सकता है। साथ ही समाजिक जनों से अनावश्यक विवाद होने के कारण आपकी प्रतिष्ठा में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि एवं शारीरिक रूग्णता भी हो सकती है।

लेकिन इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे शरीर में स्वस्थता एवं मन में सन्तोष तथा बुद्धि की भी वृद्धि होगी। जिससे यह मास आपका सामान्य रूप से व्यतीत होगा। साथ ही धार्मिक कार्यों में भी आप रूचिशील रहेंगी।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

इस मास को आप प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि निर्मलता से युक्त होगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धि बल से सम्पन्न करेंगी। साथ ही आप पुत्र सुख तथा अन्यप्रकार से द्रव्यलाभ भी अर्जित करेंगी। इस महीने में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग इसको मन से स्वीकार करेंगे। इस समय आप सांसारिक महत्व के शुभ कार्यों को भी सम्पन्न करेंगी तथा शुभ समाचार भी प्राप्त होते रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजन करेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनकूल लाभ अर्जित करेंगी। इस समय आपकी अधिकांश मानसिक चिताएं दूर होंगी एवं समाज से पूर्ण मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी।

साथ ही इस मास में आप उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग भी प्राप्त कर सकती हैं तथा अपने कार्य क्षेत्र में भी उन्नति प्राप्त करेंगी। इस समय आप देश विदेश की लाभदायक यात्रा भी कर सकती हैं साथ ही नवीन वस्त्रों तथा अन्य प्रकार के सुखों को भी अर्जित करने में सफल रहेंगी।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपका शुभाशुभ फलों से युक्त होकर व्यतीत होगा। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थता की अनुभूति करेंगी साथ ही शत्रु भी उत्पन्न होंगे जिससे मानसिक परेशानी तथा भय उत्पन्न होगा। अपने उच्चाधिकारी वर्ग की आप इस मास में उपेक्षा न करें अन्यथा आप दंडित भी हो सकती हैं। साथ ही चोरों से भी सावधान रहें। इस समय आपके

शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन भी अनावश्यक रूप से अधिक मात्रा में व्यय होगा। इस समय आप कोई कठोर कार्य करने की दिशा मेंभी तत्पर हो सकती हैं। ऐसे कार्यों से आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी अनावश्यक तनाव उत्पन्न हो सकता है। इसके अतिरिक्त आशाओं में भी सामान्यतया असफलता ही मिलेगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। जिससे आपको पति से सुख,बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि तथा अन्य प्रकार से सुख प्राप्त होंगे। साथ ही धार्मिक कृत्यों को करने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शुभाशुभ फल प्राप्त होंगे। इस समय पति या बन्धुवर्ग को कष्ट हो सकता है तथा शत्रु भी कई बार अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। आप में उत्साह के भाव की अल्पता रहेगी एवं धन भी अधिक रूप में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक या मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगी।साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थता की अनुभूति करेंगी तथा लोभ के भाव की भी आप में प्रबलता दृष्टिगोचर होगी। इस मास में आपके मित्र भी शत्रुवत आपसे व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक जनों से भी संघर्ष या वादविवाद हो सकता है। अतः धैर्यपूर्वक समस्याओं का सामना करने से ही आप शान्ति तथा सुख प्राप्त कर सकती हैं।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में आपको शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप पति से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा बुद्धिमता से अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगी।

मई 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अशुभ फलदायक सिद्ध होगा। इससे आपको शुत्रु पक्ष से नित्य भय बना रहेगा एवं घर में चोरी आदि भी हो सकती है। साथ ही आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा तथा धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा में न्यूनता आएगी। इस समय शारीरिक रूप से भी आप विविध प्रकार से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। फलतः आपके शारीरिक बल में अल्पता आएगी। इस मास में आप घर से बाहर देश विदेश की यात्रा भी सम्पन्न कर सकती हैं। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी यदाकदा कष्ट प्राप्त होंगे तथा मुकद्दमे आदि में अनावश्यक रूप से धन का व्यय होगा फलतः मानसिक असंतोष भी बना रहेगा। इसके अतिरिक्त इस समय राजदरबार से भय रहेगा तथा आशाओं में भी विशेष सफलता प्राप्त होने में कठिनाई होगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त सम्बन्धी रोगों से कष्टानभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी भी प्रकार से रक्त विकार होने की भी सम्भावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए।

जून 2025 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं आनंदपूर्वक व्यतीत करेंगी। इस समय आप लाभार्जन करने में पूर्ण सफल रहेंगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न रहेगा। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगी एवं इनसे आपको सुख की प्राप्ति होगी। साथ ही देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा एवं श्रद्धापूर्वक आप इनका सम्मान एवं पूजन करेंगी। इस मास में आपको समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त होगी तथा भाग्योन्नति सम्बन्धी कार्यो में भी सफलता मिलेगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान सम्मान अर्जित करेंगी तथा मित्र एवं सम्बन्धियों से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र सम्मान एवं यश प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगी।

साथ ही इस मास में आप पति तथा संतति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी। इस समय आप नवीन वस्त्र तथा स्वर्णादि के आभूषण से भी सुशोभित हो सकती हैं। अतः इससे आपको पूर्ण रूप से मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

इस मास आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूपेण सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेगा। मित्र एवं बन्धुजनों की आप पूर्ण सहायता करेंगी एवं यत्न पूर्वक उनकी भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगी। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा इनका सम्मान एवं पूजन विधिपूर्वक सम्पन्न करेंगी। सामाजिक जनों से भी आप प्रतिष्ठा एवं अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आप विविध आय स्त्रोतों से धनार्जन करेंगी तथा नवीन स्थान या आवास की भी प्राप्ति कर सकेंगी। साथ ही पिछले महीने की असफल आशाएं भी आपकी पूर्ण होगी। अतः यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

लेकिन शुभ फलों के साथ साथ इस मास में यदाकदा अशुभ फल भी होते रहेंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

इस मास में आपको शुभ फलों की ही अधिक मात्रा में प्राप्ति होगी। इस समय आप सौभाग्य से परिपूर्ण होकर पुरूष वर्ग से पूर्ण सम्मान तथा लाभार्जन करने में सक्षम रहेंगी। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी धनार्जन करने में सफल रहेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन भी प्रसन्नता से परिपूर्ण रहेगा तथा ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी आप सफलता अर्जित करेंगी। मित्र एवं सम्बन्धियों से भी आपको सहयोग तथा लाभ अर्जित

होगा। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करने में भी समर्थ होंगी। संतति पक्ष से भी आप सुखी एवं प्रसन्न रहेंगी तथा समाज से पूर्ण मान एवं सम्मान प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त आप अपनी असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करेंगी। इस प्रकार यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

लेकिन शुभ फलों के साथ साथ इस मास में यदाकदा अशुभ फल भी होंगे। अतः आप वातादि रोगों से भी पीड़ित हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा धन हानि का भी योग बनता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा। इस समय आप व्यय अधिक मात्रा में करेंगी तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी आपको प्राप्त होगी। साथ ही सामान्य रूप से शारीरिक अस्वस्थता के कारण भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में अत्यंत परिश्रम तथा पराक्रम प्रदर्शित करने के बाद भी अल्पमात्रा में ही सफलता अर्जित कर सकेंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धाभाव नहीं रहेगा एवं अन्य प्रकार से भी आपको धन हानि की सम्भावना हो सकती है। इस समय मित्रों एवं सम्बन्धियों के साथ परस्पर सम्बन्धों में तनाव भी हो सकता है। साथ ही नौकरी या व्यापारादि कार्यों में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा शत्रुपक्ष से भी चिन्ता एवं भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी जिससे आप मानसिक रूप से बैचेन या असन्तुष्ट रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। अतः आप पति एवं पुत्र से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा नवीन वस्त्रों तथा आभूषण आदि से भी आप युक्त हो सकती हैं। अतः आपका यह मास सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा।

अक्तूबर 2025 के लिए फलादेश

आपका यह मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगी तथा मानसिक रूप से भी प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके पराक्रम में भी वृद्धि होगी एवं शत्रुवर्ग आपसे भयभीत होगा। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से इस समय आप सम्मान अर्जित करेंगी एवं लाभमार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही कार्य के अतिरिक्त अन्य स्रोंतो से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। आप इस मास में समाज तथा बन्धु वर्ग से पूर्ण मान सम्मान प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही भाग्यबल से आपके रुके हुए कार्य भी सम्पन्न होंगे। इस प्रकार आप सांसारिक कार्यों में पूर्ण सफलता अर्जित करेंगी एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा न्यूनाधिक अशुभ फल भी प्राप्त हो सकते हैं। इससे आप गर्मी तथा पित्त से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी

तथा किसी प्रकार से आपमें रक्त विकार भी उत्पन्न हो सकता है। अतः शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति पूर्ण सतर्क रहें।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस मास में आप अपने ही उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज से आपको पूर्ण यश तथा मानप्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा बन्धुवर्ग एवं मित्रों से भी आप पूर्ण सम्मान अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय उच्चाधिकार प्राप्तवर्ग से आश्रय प्राप्त करेंगी एवं मिष्ठानोपभोग करने में भी रूचिशील रहेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं बल की इसमें वृद्धि होती रहेगी। इस समय शत्रु भी आपसे पराजित होंगे एवं भय की भी वे अनुभूति करेंगे। साथ ही व्यापार आदि कार्यों में भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगी। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी।

इसके साथ ही इस मास में आप पति से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा पूर्णरूपेण धनलाभ अर्जित करके धर्म का अनुपालन करेंगी तथा समाज में कीर्ति तथा सम्मान भी प्राप्त होगा।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस मास में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा विविध प्रकार के सुखों को प्राप्त करने में समर्थ रहेंगी। साथ ही समाज से भी यश प्राप्त करने में आप सफल सिद्ध होंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा एवं पूजा का भाव उत्पन्न होगा तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस समय आप दूसरेलोगों की भलाई करने की भी इच्छुक रहेंगी तथा यत्नर्पूक इस कार्य को सम्पन्न करेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस मास में अच्छा रहेगा एवं उच्चाधिकारी वर्ग के सहयोग से आप यश प्राप्त करेंगी एवं आपकी समाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। भाइयों से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी एवं अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति का सुख पूर्ण रूप से प्राप्त करेंगी अन्य मित्रों एवं सहयोगियों से भी आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी तथा सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज से पूर्ण यश प्राप्त करेंगी।

इस वर्ष मीन राशि के शनि सप्तम भाव में रहेंगे। 25 नवम्बर तक कुम्भ राशि के राहु षष्ठ भाव में रहेंगे और उसके बाद मकर राशिमें पंचम भाव में गोचर करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में मिथुन राशि केगुरु दशम भाव में रहेंगे और 2 जून को कर्क राशि मेंएकादश भाव में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 31 अक्टूबर को सिंह राशिमें द्वादश भाव में प्रवेश कर जाएंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। वर्षारम्भ से 1 फरवरी तक शुक्र अस्त रहेंगे और अक्टूबर में भी 14 दिन के लिए अस्त होंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा परिणाम देने वाला रहेगा। इस वर्ष आप अपने कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। किसी अनुभवी व्यक्ति से मिलकर व्यापार में उन्नति के लिए कोई नई योजना बनाएंगे। दशमस्थ गुरु के प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नतिहो सकती है या इच्छित स्थान पर स्थानान्तरण भी हो सकता है।

02 जून के बाद सप्तम स्थान पर शनि एवं गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपको कार्य व्यवसाय में बहुत अच्छा लाभ प्राप्त होगा। उच्च अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आप अपने व्यापार में अधिक सफलता प्राप्त करेंगे। आपकोजीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप साझेदारी में कोई कार्य कर रहे हैं, तो उसमें इच्छित लाभ प्राप्त होगा और अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन, रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। धनागम तो होता रहेगा। आप अपने भौतिक सुख सुबिधाओं पर अधिक खर्च करेंगे।

02 जून के बाद एकादश स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपकारुका हुआ धन मिल सकता है साथ ही आपके धनागम में वृद्धि होगी जिससे आप इच्छित बचत करने में सफल रहेंगे। आप अपनी संचित पूंजी बढ़ाने के लिए निवेश भी करेंगे। भाई-बहन या पुत्र के विवाह के अवसर पर धन खर्च हो सकता है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहेगा। चतुर्थ स्थान पर गुरु एवं शनिग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको माता पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

02 जून के बाद आपको प्रेम प्रसंगो में भी सफलता प्राप्त होगी। यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह हो जाएगा। यदि आप विवाहित हैं तो आपके जीवनसाथी के साथ सम्बन्ध मधुर होंगे। तृतीय स्थान में गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप सामाजिक कल्याण के

लिए कुछ विशेष कार्य संपन्न करेंगे।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेगे। वे अपनी बौद्धिक शक्ति एवं कर्म के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।02 जूनके बाद पंचम स्थान पर गुरु के दृष्टि प्रभाव से नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है।

प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति होने के शुभ योग बने है। यदि आपका बच्चा विवाह योग्य है तो उसका विवाह भी हो सकता है। यदि आप दूसरे बच्चे की इच्छा रखते हैं तो गर्भधान के लिए उत्तम समय है। 31 अक्टूबर के बाद समय कुछ प्रभावित हो सकता है। उस समय उनके स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत होगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट नहींरहेंगे। वर्ष के पुर्वार्द्ध में लग्न स्थान पर शनि के दृष्टि प्रभाव से मौसमजनित बीमारियों से परेशानी हो सकती है। आलस्य, मानसिक चिंता इत्यादि छोटी-मोटी परेशानियां होती रहेंगीपरन्तु गुरु के गोचरोपरान्त सब कुछ अनुकूल हो जाएगा।

02 जून के बाद गुरु का गोचर शुभ स्थान में होने से आपके स्वास्थ्य में सुधार होना शुरू हो जाएगा। आप अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए शुद्ध एवं शाकाहारी भोजन ही करेंगे। संतुलित आहार के साथ साथ नियमित व्यायाम भी करते रहेंगे। 31 अक्टूबर के बाद आपको अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष बहुत अच्छा रहेगा। छठे स्थान के राहु आपको प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता दिलाएंगे। जो व्यक्ति नौकरी की तालाश में हैं उनको इस वर्ष नौकरी मिल जाएगी।

02 जून के बाद पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ेगी और वे अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्य ार्थियो के लिए समय अच्छा है। तकनीकि शिक्षा के लिए भी वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। नवम स्थान पर शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप लम्बी यात्राएं करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में आपकी जन्म स्थल की यात्रा होगी। परिजनों साथ दर्शनीय स्थलों की यात्रा का भी आनन्द प्राप्त करेंगे।

मई के बाद छोटी-मोटी यात्राएंहोती रहेंगी। द्वादश स्थान पर राहु एवं केतु ग्रह के प्रभाव से आपकी विदेश यात्रा भी होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यो के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में अधिक व्यस्तता के कारण आप पूजा पाठ के लिए अधिक समय नहीं निकाल पाएंगे। 02 जून के बाद पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपके अंदर ईश्वर के प्रति श्राद्धा एवं विश्वास बढ़ेगा। आप निःस्वार्थभाव से भगवान की पूजा व सत्कर्म करेंगे। 31 अक्टूबर के बाद दान पुण्य अधिक करेंगे।

- श्रीयन्त्र घर में स्थापित करें और नित्य उसके सामने देशी घी का दीपक जलाएं। जिससे आपकी आर्थिक उन्नति व समाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
- सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य दें।
- प्रत्येक दिन प्राणायाम करें।

मासिक फलादेश

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप मिलेजुले फलों को प्राप्त करेंगी। अतः आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे तथा समय समय पर आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके विशेष मधुर सम्बन्ध नहीं होंगे जिससे परिवार में अशान्ति का वातारण बनेगा। व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास में किसी भी प्रकार से न्यूनता आ सकती है। या कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या अलगाव हो सकता है। समाज में मित्र या बन्धुवर्ग के मध्य भी आप तनावपूर्ण सम्बन्ध रखेंगी। जिससे मान प्रतिषठा में अल्पता का आभास होगा। इसके साथ ही शरीर में रूग्णता तथा अनावश्यक रूप में धन हानि का योग भी बनता है।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी सम्पन्न होंगे। जिसके द्वारा आप उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्राप्त करेंगी तथा दूर समीप की यात्रा भी सम्पन्न कर सकती हैं। साथ ही आपको नवीन वस्त्र या आभूषण आदि की भी प्राप्ति होगी तथापि मध्यम रूप से आपका यह मास व्यतीत होगा।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं शान्तिपूर्वक व्यतीत करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में वृद्धि होगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। साथ ही आप संततिपक्ष से सुख प्राप्त करेंगी तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी कर सकती हैं। आपके प्रभुत्व को इस समय सभी समाजिक जन स्वीकार करेंगे तथा समाज से आपको पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। साथ ही आप अच्छे समाचारों को भी प्राप्त करेंगी तथा अपने सभी शुभ एवं सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा यत्नपूर्वक इनका सम्मान तथा पूजन करेंगी। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग के आश्रय से आप लाभार्जन भी कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त आपको अपनी विगत आशाओं में भी सफलता प्राप्त होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पुरूष वर्ग से सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगी तथा पति का सुख एवं सहयोग भी पूर्ण रूप से प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास अत्यंत ही शुभ एवं आनंददायक रहेगा।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को प्राप्त करेंगी। आपके शरीर में इस

समय रूग्णता के कारण निर्बलता रहेगी तथा शत्रु भी प्रबल होंगे एवं आपके लिए अनावश्यक रूप से भय तथा चिन्ता उत्पन्न करेंगे। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगी। आपके घर में इस समय चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। यदि आप कहीं कार्य कर रही हों तो आपको अपने उच्चाधिकारियों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए अन्यथा आप दंडित हो सकती हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का भी आप अनावश्यक रूप से व्यय करेंगी। इस मास आप किसी कठोर कार्य को करने के लिए भी प्रेरित हो सकती हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ेगा अतः कोई भी कार्य आपको सोच समझ कर सम्पन्न करना चाहिए। आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से सम्बन्धों में तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज में आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त आपकी आशाएं भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगी। इससे आप पति या पुरूष वर्ग से लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा स्वबुद्धि चातुर्य से अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगी एवं किसी धार्मिक उत्सव को सम्पन्न करेंगी। इस प्रकार यह मास आप मध्यम रूप से ही व्यतीत करेंगी।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कठिनाइयों की अनुभूति करेंगी। बन्धु वर्ग से इस समय आपके सम्बन्ध तनावपूर्ण रहेंगे एवं इनसे आप कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे उनकी ओर से आप चिन्तित एवं भयातुर रहेंगी। आपके उत्साह में भी इस मास न्यूनता परिलक्षित होगी तथा व्यय भी आवश्यकता से अधिक होगा जिससे आप आर्थिक रूप से परेशानी प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा लालची प्रवृति की प्रधानता रहेगी। स्वबन्धुवर्ग एवं मित्रों से आपके तनावपूर्ण संबंध रहेंगे जिससे मित्र गण भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे अतः आप स्वयं को मानसिक रूप से अस्वस्थ महसूस करेंगी। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद या संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होगी। अतः सावधानीपूर्वक समय के अशुभ प्रभाव को मध्य नजर रखते हुए अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगी एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी कष्टानुभूति करेंगी। इसके अतिरिक्त शारीरिक सुर क्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस समय अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है। इस प्रकार यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

मई 2026 के लिए फलादेश

आपका यह मास मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार से फलों की प्राप्ति होगी। इस समय शत्रु पक्ष से आप काफी भयभीत एवं चिन्तित रहेंगी तथा घर में चोरों

के द्वारा किसी प्रकार से हानि की भी सम्भावना रहेगी। इस मास में आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे धनाभाव की स्थिति उत्पन्न होगी एवं धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा में न्यूनता का भाव आएगा इसके साथ ही विभन्न प्रकार से आप शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। जिससे शारीरिक बल में अल्पता का आभास होगा। इस मास में आप दूर या समीपस्थ किसी स्थान की यात्रा भी कर सकती हैं। इस समय सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में भी आप अपने को असमर्थ समझेंगी जिससे आपके मन में तनाव उत्पन्न होगा। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा अतः सोच समझकर ही कार्यों को सम्पन्न करें।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगी जिससे आप पति तथा संतति से पूर्ण सुखी एवं प्रसन्न रहेंगी। साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या आभूषणों को भी प्राप्त कर सकती हैं जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

जून 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आपके लिए शुभ फल अधिक होंगे परन्तु अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय धनार्जन पूर्ण मात्रा में होगा तथा आपके उच्चाधिकारी वर्ग या अन्य जन आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं संतुष्ट रहेंगे। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक कार्य भी सम्पन्न होगा जिससे आपके मन में धर्म के प्रति श्रद्धा में वृद्धि होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी आप यथोचित सम्मान तथा पूजन करेंगी। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न रहेंगी एवं उनसे पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्य भी आप प्रारम्भ करेंगी। साथ ही इस समय यात्रा से भी लाभार्जन कर सकती हैं। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान सम्मान अर्जित करेंगी तथा मित्र एवं बन्धु वर्ग से भी आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र माननीय एवं प्रतिष्ठित महिला समझी जाएंगी।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी होंगे। अतः आप किंचित मात्रा में वायु द्वारा उत्पन्न रोग से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी धन हानि की संभावना रहेगी अतः कार्यों को बुद्धिमतापूर्वक सम्पन्न करें।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

आप इस मास में शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में ही होंगे। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी तथा मान एवं प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगी एवं वे आपसे प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों की भलाई के कार्यों को भी आप यत्नपूर्वक सम्पन्न करेंगी तथा उनसे यथोचित सम्मान एवं सहयोग भी प्राप्त करेंगी साथ ही आपके परस्पर सम्बन्ध भी मधुर रहेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे तथा

देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना विद्यमान रहेगी तथा इनकी सेवा एवं पूजन में तत्पर रहेंगी। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख अर्जित करेंगी तथा बन्धु एवं मित्र वर्ग में आप प्रतिष्ठत एवं सम्माननीया रहेंगी इसके अतिरिक्त आपकी अधिकांश असफल आशाएं भी इस समय पूर्ण होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगी।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः वायु से उत्पन्न रोगों से पीड़ित रहेंगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन सम्बन्धी हानि हो सकती है। अतः बुद्धिमता से आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करें।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत शुभ एवं सुखदायक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल होंगी तथा सौभाग्य से भी युक्त रहेंगी। पति से या पुरूष वर्ग से आपको लाभ एवं उचित सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी यथा सम्भव सिद्ध होंगे। जिससे आप मानसिक प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस मास में आप शारीरिक रूप से पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी साथ ही अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगी। मित्र तथा बन्धुवर्ग का आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आप उचित मान प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगी। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगी एवं किसी प्रकार से चिन्ता नहीं होगी। साथ ही इच्छित वस्तुओं की भी आप प्राप्ति करेंगी। इसके अतिरिक्त विगत असफल आशाओं में भी आपको सफलता मिलेगी।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा विद्य ाध्ययन में भी आप उन्नति करेंगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र तथा स्वर्णादि के आभूषणों को भी प्राप्त कर सकती हैं। इस प्रकार आप इस मास को अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगी।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आपको शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे अतः आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगी तथा व्ययाधिक्य भी रहेगा जिससे आप मानसिक रूप से असन्तुष्ट रहेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य काफी परिश्रम करने के पश्चात भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी आस्था में न्यूनता आएगी जिससे देवता एवं ब्राहमणों का आप उचित सम्मान नहीं करेंगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकती हैं। इस समय आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से परस्पर सम्बन्ध तनावपूर्ण रहेंगे तथा नौकरी या व्यापार सम्बन्धी कार्यों में भी आप अनावश्यक बाधाएं प्राप्त करेंगी।साथ ही शत्रु पक्ष भी इस मास आपका प्रबल रहेगा फलतः उनकी ओर से भी आप चिन्तित रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप जिस भी कार्य को प्रारम्भ करेंगी उसमें परिश्रम पूर्वक ही सफलता मिल सकेगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त जनित दोषों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय रूधिर विकार का भी योग बनता है अतः सोच-समझ कर सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। आपके पराक्रम में इस समय वृद्धि होगी तथा शत्रुपक्ष निर्बल होगा एवं लाभमार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगी जिससे आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न तथा सुदृढ़ रहेंगी। सामाजिक जनों,बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपसी सम्बन्धों में भी प्रगाढ़ता रहेगी। इस मास में आपका भाग्य भी प्रबल रहेगा तथा जिन शुभ कार्यों की सिद्धि करने में विलम्ब हो रहा हो वे इसी मास में पूर्ण होंगे। साथ ही अन्य कार्यों में भी आप सफलता अर्जित कने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से आप अनुकूल सहयोग प्राप्त तथा वे आपसे प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा पुरूष वर्ग से भी आपको सकारात्मक सहयोग प्राप्त होगा। इस समय आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी करेंगी जिससे आप सुखानुभूति प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त आप धर्मानुपालन में भी तत्पर रहेंगी एवं समाज तथा बन्धु वर्ग से प्रतिष्ठा अर्जित करेंगी।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सुख एवं शान्ति प्रदान करने वाला होगा। इस समय आप अपने पूर्ण उत्साह से धनार्जन करेंगी एवं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज में भी आपके यश में वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग में आप प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी एवं उनसे आपके मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग का आपको संरक्षण प्राप्त होगा जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य सिद्ध होंगे। साथ ही इनसे आपको उचित सहयोग भी प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्ठान्न का उपभोग अधिक मात्रा में करेंगी। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा फलतः शारीरिक शक्ति में वृद्धि होगी। इस समय आप शत्रुओं को पराजित करने में भी सफल रहेंगी। अतः उनसे आप निश्चिन्त रहेंगी। पति से भी आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख अर्जित करेंगी। साथ ही व्यापार आदि कार्यों से भी आप धनार्जन करेंगी। इस प्रकार आपका सम्पूर्ण मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत होगा।

साथ ही इस मास में आप पुरूष वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा तथा सम्पूर्ण मास प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगी। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा के भाव का प्रदर्शन

करेंगी एवं समाज से पूर्ण यश तथा सम्मान अर्जित करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप उत्तम फलों को प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा अपने पराक्रम एवं प्रभाव से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगी। इस समय समाज में आपके यश एवं सम्मान में आशातीत वृद्धि होगी जिससे आप मानसिक रूप से अत्यंत ही प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा एवं पूजन का भाव उत्पन्न होगा तथा अन्य जनों की भलाई के लिए भी कार्य करने के लिए तत्पर रहेंगी ।आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं उच्चाधिकारी वर्ग का आप आश्रय प्राप्त करेंगी एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाएंगी। समाज, मित्र तथा बन्धु वर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाइयों से भी आप अनकूल सहयोग एवं सहायता प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप समर्थ रहेंगी।

साथ ही इस मास में अन्यत्र भी शुभ फलों में वृद्धि होगी जिसके प्रभाव से आपके शरीर में स्वस्थता, मन में संतोष तथा बुद्धि में वृद्धि होगी। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ होगा एवं प्रसन्नतापूर्वक आप इसे व्यतीत करेंगी।

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री धर्मी टेवा है अतः मुश्किल या कष्ट के समय जब उसकी राह अवरुद्ध हो जाता है उस समय देवी सहायता या ईश्वर अपने हाथों से आपकी सहायता करते हैं।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में ग्यारहवें खाने में सूर्य पड़ा है। इसकी वजह से आपकी इच्छाएं बहुत ऊंची होंगी और पूर्ण भी होंगी। आप पूर्ण धार्मिक विचारों वाली होंगी। सत्तापक्ष से लाभ होगा। आपको ऐशो-आराम मिलेगा और जीवन उत्तम रहेगा। आपको तीन पुत्रों का सुख मिलेगा। आप बाहर से सुंदर दिखने वाला मकान बनाएंगी। आप अमीरी जीवन व्यतीत करेंगी। सुस्ती और लापरवाही से जीवन में आए शुभ अवसरों को खो सकती हैं। आपके जीवन की आखिरी अवस्था अच्छी बीतेगी। आपके परिवार की उन्नति होती रहेगी। आप आस्तिक होंगी। आपके अपने सर्किल में अच्छे ताल्लुकात बनेंगे। बुराई के कामों से आप हमेशा दूर रहेंगी। आप शाकाहारी होंगी और आज्ञाकारी पति तथा संतान का सुख मिलेगा। जीवन में सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। आपके पूरे परिवार का धार्मिक होना शुभ होगा।

यदि आप पब्लिक को लाभ देने की बजाय उल्टे उनका काम बिगाड़ा, भेड़-बकरी को मारा या भेड़-बकरी का मांस खाया, पिता/ससुर के बहन-भाई से झगड़ा किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से पिता के बहन भाई अशुभ फल देंगे। शराब पीने, मांस खाने और झूठ बोलने से चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा नजर आएगा। आपको सपने में सांप दिखें तो, इसका अशुभ फल होगा। दूसरे को गाली देना, लड़ाई-झगड़ा करना, झूठी गवाही देने पर किसी की अमानत में खयानत करने से आपका जीवन बर्बाद हो सकता है। पुत्र जन्म में बाधा या पुत्र सुख नहीं मिलेगा। झूठ बोलने से आपकी शक्ति कम होगी। यात्रा में चोट-हानि का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. झूठ-झूठ से परहेज रखें।
2. शराब-मांस-मछली का प्रयोग न करें।

उपाय :
1. मूली का दान करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को जल देवें।

संतान सुख और संतान की लंबी आयु के लिए -
1. 45 वर्ष की आयु में कसाई से बकरा छुड़ा कर जंगल में खुला छोड़ दें।
2. 43 दिन तक रेत पर बिस्तर लगा कर सोयें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप कुल की

नैया पार लगायेंगी। आपको चीर-फाड़ के या सर्जिकल के सामान से अधिक लाभ होगा। आप चिकित्सक होकर भी डॉक्टर का काम नहीं करेंगी। यदि डाक्टर बन कर डाक्टर का कार्य करती हैं तो अपने पास से दवाई न देवें। आपको माता-पिता/सास-ससुर का पूरा सुख मिलेगा। आपको मकान और ससुराल वालों से लाभ मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा।

यदि आप डाक्टर हैं और पास से रोगी को लिक्विड दवाई दी, समाज विरोधी कार्य किये, बड़े-बुजुर्गों का अपमान किया, रात के समय अपने मकान की नींव रखी तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपके प्रेमी या विधुर पुरुषों के कारण धन की बर्बादी होगी। आप अपने जीवन में धोखेबाज और तैरते को पानी में डुबाने वाली होंगी। आपको दुर्घटना का शिकार भी होना पड़ सकता है। किसी भी पुरुष के साथ नाजायज संबंध आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। आपका मां/सास से अच्छा सलूक नहीं रहेगा। दवाई के व्यापार से हानि होगी। आपको चोर-डाकू, जुआरी एवं शराबी लोगों से नुकसान हो सकता है। नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली का योग है। आपकी माता/सास को 10 वर्ष बीमारी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पीयें।

उपाय :

1. दूध को फटा कर दूध का पानी पीयें (खराब सेहत के समय)
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पीयें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल दूसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप दयालु, रक्षक, भाई और मित्रों का पालनहार, आप दूसरों की जरूरत हमेशा पूरी करेंगी। आप किसी संस्था की प्रधान भी हो सकती हैं। आप बहुत लोगों को सहारा देने वाली होंगी। आप दूसरों को खाली हाथ नहीं लौटाएंगी। आपको पैतृक और ससुराल से सहायता मिलेगी। आप छोटे भाई/देवर से पुत्र जैसा प्यार करेंगी और उसे सहायता देंगी। छोटे भाई/देवर की सहायता से आपके भाग्य में वृद्धि होगी। आप दूसरों की सहायता करती रहेंगी। इस वजह से आप भी भरपूर रहेंगी। आपको दूसरों की भलाई के लिए धन-संपत्ति मिलती रहेगी। आप दूसरों के लिए लंगर लगाएंगी। आप नेक और पक्के इरादे की हैं। आप परिश्रम से धनी होंगी। आपको खुराक, पोशाक तथा अन्य जीवन के सुख प्राप्त होंगे। जरूरत पड़ने पर खुद ब खुद पैसे मिल जाएंगे। आपको भगवान की कृपा से बहुत धन मिलेगा। आप अधिकारी बन कर हुकूमत करेंगी। आप तीर्थ यात्रा करने से शुभ फल को प्राप्त करेंगी। शादी के बाद आपकी दौलत में बढ़ोत्तरी होगी। ससुराल पक्ष से सुखी रहेंगी।

यदि आपने दूसरों के धन-पुरुष पर बुरी नजर रखी, बुरी आदतों के शिकार हुई या छल-कपट करके भाई-बंधुओं, मित्रों के साथ ठगी की तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से अगर विद्या में रुकावट, जरूरत पड़ने पर आपको धन मिलता रहेगा। नौकरी-व्यापार में बार-बार हानि हो सकती है। 28 वर्ष से पहले बड़े भाई को शरीर कष्ट संतान की चिंता, धन हानि होगी। यदि आपका बड़ा भाई है तो उसका सुख आपको नहीं मिलेगा या वह आपसे हालत में कमजोर होगा या आप और आपका भाई/देवर निःसंतान भी हो सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. लड़ाई-झगड़े से दूर रहें।
2. मेहमानों की सेवा से मुंह न फेरें।

उपाय :

1. बच्चों को दोपहर के समय गुड़-गेहूं बांटें।
2. नाश्ते में मीठा भोजन करें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में ग्यारहवें खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपकी गुणी और संपन्न संतान होंगी। आपकी संतान का विवाह उच्च कुल में होगा। आपके जीवन के 1, 23, 33, 36, 44, 57, 73 84 एवं 94वां वर्ष शुभ और लाभदायक होगा। आप स्वयं हुनरमंद तथा शर्मसार होंगी। आपकी पूरी तरह तकदीर बनने की उम्मीद रहेगी। 34 वर्ष के बाद आप अच्छे प्रकार से जीवन बिताएंगी। आपको दोस्ती करने से लाभ नहीं होगा। आपको विदेश के व्यवसाय से भी लाभ हो सकता है। बुद्धि के कामों में आपको सफलता मिल सकती है। सरकारी पक्ष से लगाव, लाभ और सम्मान प्राप्त हो सकता है। आपको कसीदाकारी, चित्रकला, कलाकारी, अध्यापन या कानूनी काम से लाभ हो सकता है। विशेष रूप से आप अपनी बुद्धि का प्रयोग कर लाभ और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकती हैं।

यदि आपने बुरे या बदकारी के काम किये, चौड़े पत्तों का वृक्ष आपके घर में हुआ, साधू-फकीर से धागा-ताबीज आदि लिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से जीवन के 39वें वर्ष में शारीरिक कष्ट की आशंका है। आपकी बेटी/बहन/ननद अमीर घर में ब्याही जाएगी परंतु पति की वजह से दुःखी रहेगी। आपके बच्चों पर भी कुछ बुरा असर हो सकता है। आपके पांव में, कान में, जिस्म के जोड़ों पर बीमारी होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. चौड़े पत्तों का वृक्ष घर में न लगाएं।
2. पीतल के खाली बर्तन बंद न रखें।

उपाय :
1. कंठी वाला तोता पालें।
2. तांबे का पैसा या चौरस टुकड़ा सफेद धागे में डाल कर गले में पहनें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति आठवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप दीर्घायु, धनवान रहेंगी। आपकी और आपके पिता/ससुर की लंबी आयु होगी। आप चरित्रवान, शील स्वभाव से अच्छी, विवेकी एवं पूरे परिवार की विपत्ति को अपने सिर पर लेने वाली होंगी। धन और आयु वृद्धि होती रहेगी। अधिक कठिनाई में ईश्वर आपकी मदद करेंगे। आप आध्यात्मिक एवं गुप्त विद्या की माहिर होंगी।

यदि आपने दूसरे के धन का उपभोग किया, भलाई करने वाले का बुरा किया, दीन-दुःखियों को सताया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपको अपने पिता/ससुर से हमेशा दूर रहना पड़ सकता है। आप पिता/ससुर से अलग रहे तो आपका समय खराब होगा। आप अफवाहों की शिकार बनेंगी। आप यदि साध्वी हो जाएं तो दुःखी रहेंगी। आपके परिवार में कई प्रकार की मुसीबतें पैदा हो सकती हैं। कभी-कभी आपके हौसले मंदे पड़ जाएंगे। आपको मूत्र रोग आदि बीमारी या मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आपको बार-बार जन्म लेना पड़ सकता है। मोक्ष मिलने की उम्मीद कम है। आपके कामों में अड़चनें आएंगी। आपके शरीर में सुस्ती रहेगी या हर समय मन बुझा-बुझा सा रहेगा। कोई दुर्घटना या बड़ी मुसीबत का योग बन सकता है। आप अपने जीवन में कुछ ऐसे कार्य कर बैठेंगी जिससे आपको बहुत पछतावा हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. आवारा साधू का साथ न रखें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :
1. शरीर पर सोना पहनें।
2. दही, आलू, घी धर्म स्थान में देवें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र बारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपकी ज्योतिष, गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। आप अपने परिवार का पोषण करेंगी। राज्य पक्ष से अच्छा लाभ मिलेगा। आप हर प्रकार से सुखी रहेंगी। पति के माध्यम से जो भी कार्य संपन्न होते हैं वह आपके लिए अच्छा ही होगा। आपके काम के सुनिश्चित परिणाम प्राप्त होंगे। आपके पति आड़े समय में मदद्गार होंगे। आपके जीवन में तरक्की की बागडोर आपके पति के हाथ में होगी। आप पति की इज्जत करेंगी इसका अच्छा फल मिलेगा। विवाह के बाद काफी धन मिलेगा। पति का पूरा सुख मिलेगा। आप सदैव ही दूसरों की सेवा हेतु तत्पर रहेंगी। आप जवानी में अपना समय ऐशो आराम में बिताएंगी। आपके मन में वहम समाया हुआ रहेगा। आप चित्रकला प्रिय अथवा गायन प्रिय होंगी। आप धर्माचरण करके शुभ प्रभाव को अपनाएंगी। आपको खेती-बाड़ी का लाभ भी मिलेगा। आप बेरहम होंगी फिर भी आपका मान-सम्मान बरकरार रहेगा। आपके पास बहुत जायदाद होगी।

यदि आपने पति से अच्छे संबंध न रखे या पति की सेहत खराब के समय देखभाल न की, परपुरुष से अनैतिक संबंध रखे तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आप बूढ़े होने पर दूसरे लोगों को अपने जीवन में भुगती बातों को सुना कर समय बर्बाद करेंगी। पति बीमार रहा करेंगे तो आपका भाग्य अच्छा नहीं रहेगा। कन्या संतान का फल आपके जीवन पर बुरा प्रभाव हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. पति के स्वास्थ्य का विघेष ध्यान रखें।

उपाय :

1. गाय दान करें।
2. देसी घी का दीपक जलावें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में आठवें खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आप नये अविष्कार या विषयों की खोज करेंगी। आप मनमौजी होंगी। आर्थिक हालात सामान्य रहेंगे। भागीदारी के काम से अधिक लाभ होगा। यदि आप सरकारी नौकरी करती हैं तो आपको सरकारी विभाग में धीरे-धीरे तरक्की प्राप्त होगी। आप विदेश की यात्रा भी करेंगी, ऐसी पूरी संभावना है। वैसे आपको जल से, जलीय पदार्थ या समुद्री यात्रा से लाभ हो सकता है, परंतु आपकी विदेश यात्रा पूर्ण संभावित है। आपको एक जगह बैठ कर करने वाले स्थायी काम करना ही अच्छा है।

यदि आपने अपनी रिहाईश, गली की नुक्कड़ पर या आगे बंद गली के घर में रखी, मकान में दरारें हुई, घर से बिच्छू निकलते रहे, आप अपने नाम पर मकान बना लेवें तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपको पिता/ससुर का सुख कम ही प्राप्त होगा। किसी भी दुर्घटना की आशंका है। आपके भाई आपसे शत्रुता कर सकते हैं। आपकी टांगों पर बुरा असर पड़ सकता है। भोजन में शराब-मांस, अंडे का सेवन आपको नीच बना देगा इसका सेवन नहीं करें। आपका बुढ़ापा गरीबी से गुजरे और बुढापे में आंखों की दृष्टि कमजोर हो, ऐसी आशंका है। आपका अभिमान के कारण नुकसान हो सकता है। कोई जवाबदेही पूर्ण कार्य से अथवा नीच कार्य से, बहुत बड़ा नुकसान और पछतावे का कारण बन सकता है। आपको सरकार से भय रहेगा। अपने नाम पर घर बना लेंगी तो असमय मौत को बुला सकती हैं। नौकरों द्वारा हानि का भय, संतान सुख में कमी हो सकती है। शराब-मांस, मछली का सेवन आपको हानि दे सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपने नाम से मकान न बनायें।
2. सांप न मारें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 किलो उड़द जल प्रवाह करें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आपका बचपन खुशहाली से बीतेगा। आपको उच्च शैक्षणिक संस्थान में विद्याध्ययन का मौका मिलेगा। आपको पिता/ससुर का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आप बिना माता-पिता/सास-ससुर के सहयोग के भी आगे बढ़ती रहेंगी। आप ताकतवर और न्यायप्रिय होंगी। आप अपनी कमाई पर ही जीवन बसर करेंगी। माता-पिता/सास-ससुर से मधुर संबंध में कटुता की संभावना है। विदेशी यात्रा या कार्यों द्वारा धन भी प्राप्त होगा। दूसरों पर भरोसा रखने से विश्वासघात होगा ऐसी शंका है।

यदि आपने बंदूक-पिस्तौल रखी, नीलम या नीला नग पहना, बिजली का खराब सामान या बिजली की तारें पड़ी रहीं, दराज या कैश बॉक्स खाली रखे तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके पिता/ससुर को कष्ट होने की आशंका है। आपकी साढ़े दस-21-42 वर्ष आयु में पिता/ससुर की मृत्यु होगी। पिता/ससुर की मृत्यु गोली, जहर, ब्रेन हैमरेज से संभाव्य है। पिता/ससुर की मौत के बाद बहुत क्षति होगी। आप ऐय्याश लोगों की संगति में रहेंगी, ऐसी आशंका है। अनुचित ढंग से धन कमाएंगी। आपकी परेशानी मासिक धर्म संबंधी रोगों से बढ़ सकती है। आपकी संतान कमजोर और अपाहिज हो सकती है। आपकी जवानी गरीबी में कटेगी। पिता और ससुर से नहीं पटेगी।

आपके जन्म के पश्चात् आपके पिता/ससुर की आर्थिक दशा तंग होने की संभावना है। आपके काम में दक्ष और धूर्त लोग आपके साथ होंगे। फिजूल के झगड़े-फसाद होने की आशंका है। धन की हानि भी होती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. नीलम या नीला नग न पहनें।
2. घर में बंदूक/पिस्तौल न रखें।
3. बिजली का सामान ठीक रखें।

उपाय :

1. सिर पर चोटी रखें या सिर ढांप कर रखें।
2. 4 किलो सिक्के का चौरस टुकड़ा 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।
3. सिगरेट पीते हैं तो चांदी की पाइप में लगा कर पियें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु पांचवे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको आकस्मिक रूप से धन प्राप्ति होगी। आपको विलक्षण अतिद्रिय शक्ति प्राप्त होगी। आप गुरु भक्त रहेंगी। 24 वर्ष की उम्र के बाद आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। जीवन में 34 वर्ष आयु में पुत्र द्वारा, उसके पश्चात पौत्र द्वारा सुख प्राप्त होगा। 48 वर्ष की उम्र तक माता/सास का सुख मिलेगा। पति के साथ अच्छा संबंध रहेगा। आपके धर्म-ईमान के अनुसार ही आपकी संतान होगी। आप अपना चाल-चलन ठीक रख कर सुखी रह सकती हैं। आपकी आर्थिक हालत ठीक रहेगी। इच्छित संख्या के अनुसार संतान होगी। पुत्र संतान उत्पत्ति के पश्चात् आपकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा। यदि आप धर्माचरण करती रहें तो जीवन के अशुभ फल दूर हो जाएंगे।

यदि आपने चाल-चलन खराब किया, किसी के पुत्र को या अपने पुत्र को कष्ट दिया कुत्ते को मारा या मरवाया या कुत्ता आपके वाहन से टकराकर मर गया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से 45 वर्ष की आयु का समय बेकार रहेगा। पुत्र से कोई खास सुख प्राप्त नहीं होगा। संतान को कष्ट रहेगा। आपको श्वास संबंधी या दमे के रोग की आशंका है। 48 वर्ष की आयु तक समय भी ठीक नहीं रहेगा। सुख में कमी और बाधा उत्पन्न हो सकती है। आयु बढ़ने के साथ बुरे लोगों की संगति में आप रहेंगी। गुप्त रोग, संतान को दमा रोग रहने की संभावना रहेगी। आपका पुत्र आपकी माता/सास के लिए अशुभ रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दुश्चरित्र लोगों की संगति न करें।
2. लोहे के संदूक ताला लगाकर बंद न रखें। उन्हें कभी-कभी खोलते रहें।

उपाय :

1. गुरु-पिता/ससुर की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य देवें।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्री स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते है। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते है।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता हैं। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्री मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्री पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्मय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षांत में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिढ़ियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर

काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढ़ेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे एक-एक नारियल उसी दिन जल में प्रवाह करना चाहिए।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

दशा विश्लेषण

महादशा :- गुरु
(09/08/1999 - 05/05/2012)

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा 09/08/1999 को आरम्भ होकर 05/05/2012 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 16 वर्ष है।

आपकी जन्म कुण्डली में गुरु अष्टम् भाव में है। गुरु स्वभावतः एक शुभ ग्रह है जो अष्टम में स्थित होकर द्वादश, द्वितीय तथा चतुर्थ भाव को देखता है तथा इन भावों पर यह शुभ प्रभाव डाल रहा है।

स्वास्थ्य :

आप स्वस्थ और दीर्घायु होंगे। इस दशा काल में कोई बड़ी दुर्घटना होने की संभावना नहीं है तथा आप स्वस्थ और प्रसन्नचित होकर अपना कार्य पूरा करने के योग्य रहेंगे।

अर्थ-सम्पत्ति :

गुरु की द्वितीय भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप आप अपनी चल तथा अचल सम्पत्ति में बढ़ोत्तरी करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करेंगे।

व्यवसाय :

आप अपने व्यवसाय में प्रसन्नतापूर्वक सुव्यवस्थित हो जाएंगे तथा नौकरी या व्यवसाय में आप पर्याप्त पैसा, जमीन, वाहन, अधिकार और पद प्राप्त करेंगे।

आप कभी-कभी कुछ गलत काम कर सकते हैं जिसके लिए दंडित भी हो सकते हैं तथा घाटा उठाना पड़ सकता है।

पारिवारिक जीवन :

अष्टम भाव से गुरु की दृष्टि द्वादश अर्थात् शयन सुख के भाव के अतिरिक्त द्वितीय अर्थात् परिवार या कुटुम्ब भाव तथा चतुर्थ अर्थात् सुख भाव पर होने के फलस्वरूप आपका पारिवारिक जीवन खुशहाल और सुख सम्पन्न होगा। आपके जीवन साथी परिवार का संचालन करने और शान्ति बनाए रखने में मार्गदर्शन करेंगे। आपके पिताजी को कभी कठिनाइयों से गुजरना पड़ सकता है तथा स्थान परिवर्तन के संकेत हैं।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

आपका झुकाव शास्त्रों तथा धार्मिक पुस्तकों के अध्ययन की ओर होगा।

महादशा :- शनि
(05/05/2012 - 06/05/2031)

महादशा शनि की अवधि उन्नीस वर्ष है। आपकी कुण्डली में यह 05/05/2012 को आरम्भ और 06/05/2031 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में शनि अष्टम भाव में स्थित है। यह स्वाभाव से एक अशुभ ग्रह है। यह बाधा-ग्रह के रूप में जाना जाता है और इसके कारण परिश्रम का फल प्राप्त होने में विलम्ब होता है हालाँकि यह फल से वंचित नहीं करता। यह जातक को लक्ष्य फल की प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम करने को प्रेरित कर उसके धैर्य की परीक्षा लेता है। आपकी जन्मकुण्डली में अष्टम, द्वितीय तथा पंचम भाव पर दृष्टि है और यह उनके कार्य को प्रभावित करता है। अष्टम भाव, जिसमें यह स्थित है, दीर्घायु, विरासत, पैतृक सम्पत्ति, दुर्भाग्य, दुःख, असन्तोष, पराजय, हानि, बाधा ओर चोरी का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

अष्टम भाव में स्थित शनि अष्टम भाव को बल प्रदान कर रहा है। दीर्घायु का कारक होने के कारण यह लम्बी आयु तथा प्रसन्नता देता है। विदेश में स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

धन-सम्पत्ति :

अष्टम भाव में शनि की स्थिति के कारण आपके जमीन, बाहन, शक्ति तथा पद की प्राप्ति होगी। यह चल-अचल सम्पत्ति की वृद्धि में आपकी सहायता करेगा और अनेक उत्तरदायित्व का भार भी वहन करना होगा। आप अपने मार्ग में आनेवाली विभिन्न कठिनाइयों का दृढ़ता से सामना करते हुए अपने कर्त्तव्यों का पालन करेंगे।

व्यवसाय :

व्यवसाय में आप अपने पिता के पदचिह्नों पर चलने का प्रयास करेंगे। व्यावसायिक जीवन में अनेक गम्भीर समस्याएं आ सकती हैं। पैतृक सम्पत्ति तथा व्यापार में भी बाधाओं और समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

पारिवारिक जीवन :

व्यावसायिक तथा व्यापारिक जीवन की तरह ही आपका पारिवारिक जीवन भी दुर्भाग्य, बाधाओं तथा समस्याओं से घिरा है। आपको इन बाधाओं का सामना करना है। आप अपने घर से दूर ओर दूसरी जाति की औरतों की ओर आकृष्ट हो सकते हैं।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

व्यापारिक तथा पारिवारिक जीवन की तरह ही आपकी शिक्षा के क्षेत्र में भी बाधाएं आएंगी।

महादशा :- बुध
(06/05/2031 - 05/05/2048)

बुध की अन्तर्दशा 06/05/2031 को आरम्भ होगी और 17 वर्ष की होकर 05/05/2048 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में बुध एकादश भाव में स्थित है। इसके पूर्व आपकी 19 वर्ष की शनि दशा चल रही थी। शनि के कारण आपको मामूली स्वास्थ्य समस्या तथा साझेदारी में बाधा हुई होगी और विरोधी उत्पन्न हुए होंगे। बुध की वर्तमान दशा में आपको सभी कार्यों में सफलता तथा लाभ मिलेगा और सम्पत्ति तथा सुख की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप सक्रिय, स्फूर्तिवान, स्वस्थ तथा शक्तिशाली होंगे। विषाणुजन्य ज्वर तथा संक्रामक बीमारी, चर्मरोग और स्नायविक दुर्बलता आदि मौसमी बीमारी हो सकती है। स्वयं को अनावश्यक मानसिक या शारीरिक कष्ट न दें। इन मामूली बीमारियों को छोड़ आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

अर्थ और व्यवसाय :

इस दशा के दौरान आपकी आर्थिक-स्थिति सुदृढ़ रहेगी। आपको हर प्रकार का लाभ मिलेगा। आपको विभिन्न स्रोतों से धन की प्राप्ति भी होगी। आपको सट्टे तथा अन्य निवेश में लाभ होगा। आप दिन ब दिन तरक्की करेंगे और आपको सभी कार्यों में सफलता तथा लाभ मिलेगा। जीविका और व्यवसाय के लिए लेखा, पत्रकारिता, शिक्षण, अन्तरिक्ष अनुसन्धान तथा सभी बौद्धिक कार्यों का चयन कर सकते हैं। सूती कपड़ा, पुस्तक, लेखन-सामग्री, कम्प्यूटर और हाथ से बने सामानों का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को प्रतिस्पर्धा में सफलता और उच्चाधिकारियों या सरकार से लाभ मिलेगा। कार्य-स्थान में स्थिति अनुकूल होगी औश्र सहकर्मियों तथा अधीनस्थ कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय से जुड़े लोगों को हर प्रकार का लाभ मिलेगा, आय में वृद्धि, व्यापार की उत्तम संभावना तथा जीवन में तरक्की होगी । आर्थिक प्रगति के लिए यह दशा अति उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

मंगल की अन्तर्दशा में आपको जीवन का आनन्द और वाहन का सुख मिलेगा। आप गाड़ी की खरीद और विक्री कर सकते हैं। आपको पैतृक सम्पत्ति की प्राप्ति हो सकती है। आपको अचल सम्पत्ति का अचानक लाभ मिलेगा। शुक्र की अन्तर्दशा में आपकी छोटी यात्रा और चन्द्र की अन्तर्दशा में दूर की यात्रा होगी जो लाभदायक होगी।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी। सामूहिक गतिविधियों से आपको लाभ होगा। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे। विज्ञान, लेखा, वाणिज्य, साहित्य, व्यापार तथा अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के विषयों में आपकी रुचि होगी। आप प्रतिभाशाली, कूटनीतिक और बहुमुखी हैं और विभिन्न विषयों में आपकी रुचि होगी। आप सभी बौद्धिक कार्यों में बहुत अच्छा

करेंगे।

परिवार :

आपको बच्चों से सुख मिलेगा और वे आपकी खुशी के स्रोत होंगे। आपके जीवन साथी को सट्टे तथा निवेश में लाभ, अचानक धन की प्राप्ति तथा बच्चों से सुख मिलेगा। आपका आपके जीवन साथी के साथ सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपकी माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। उन्हें जमीन-जायदाद और सुख की प्राप्ति होगी। आपको पिता की सम्पत्ति की प्राप्ति होगी, उनकी यात्रा होगी और व्यवसाय-व्यापार में सफलता मिलेगी। आपके छोटे भाई-बहनों को ख्याति, सम्पत्ति और पिता से लाभ मिलेगा। आपके बड़े भाई-बहनों को सुख, यश और ख्याति मिलेगी और उनकी यात्रा होगी। आपके भाई-बहनों के साथ आपका सम्बन्ध मधुर रहेगा। आपको सुख-सम्पत्ति की प्राप्ति होगी, आपके मित्र प्रभावशाली होंगे और आपकी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

अन्तर्दशा :

बुध की महादशा में बुध की अन्तर्दशा के कारण आपको लाभ वाहन तथा सुख की प्राप्ति होगी। केतु कुछ समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। शुक्र की अन्तर्दशा में छोटी यात्रा होगी तथा जीवन में प्रगति होगी। सूर्य की अन्तर्दशा के दौरान यश, ख्याति, शक्ति तथा अधिकार मिलेगा और स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। चन्द्र की अन्तर्दशा के दौरान सम्पत्ति तथा समृद्धि की प्राप्ति होगी। राहु कुछ समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। गुरु की अन्तर्दशा के दौरान सुख और कुछ परिवर्तन होगा। शनि की अन्तर्दशा में कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

महादशा :- केतु
(05/05/2048 - 06/05/2055)

केतु की महादशा 05/05/2048 को आरम्भ और 06/05/2055 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 7 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में केतु पंचम भाव में स्थित है जहाँ से ग्यारहवें भाव पर उसकी दृष्टि है। इसके पहले आपकी 17 वर्ष की बुध की दशा चल रही थी। बुध के कारण आपको सम्पत्ति और हर प्रकार का लाभ मिलेगा। और मनोकामना पूरी होगी। केतु की वर्तमान दशा में आपकी आध्यात्मिक कार्यों में रुचि होगी, तकनीकी ज्ञान प्राप्त होगा और पुत्री का जन्म होगा।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप खुश और आशावादी होंगे। पित्त दोष संबंधी बीमारियाँ हो सकती हैं। आपकी पाचनशक्ति खराब हो सकती है और चर्मरोग बुखार, घाव आदि से पीड़ित हो सकते हैं। ये सभी मोसमी होंगे और कुछ सावधानी बरतकर इनसे बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

आपकी आर्थिक स्थिति उत्तम होगी। सट्टे तथा निवेश में लाभ होगा। केतु की ग्यारहवें भाव पर दृष्टि के कारण विभिन्न स्रोतों से लाभ और लक्ष्य की प्राप्ति होगी। जीविका और व्यवसाय के लिए विधि, शिक्षण, प्रबन्धन, लेखा, ज्योतिष, पेशेवर खेल, कम्प्यूटर, टेक्नॉलॉजी, पशुपालन तथा सिविल इंजिनियरिंग का चयन कर सकते हैं। चमड़े, खेल के सामान पशु, शस्त्रास्त्र, दवा, रत्न, कम्प्यूटर इलेक्ट्रॉनिक्स आदि का व्यापार लाभदायक होगा। नौकरीपेशा लोगों को सरकार से अनुग्रह मिलेगा और कुछ परिवर्तन तथा स्थानान्तरण होगा। सहकर्मी तथा सहायक कठिनाई उत्पन्न करेंगे और वरिष्ठ कर्मचारी सख्त होंगे। व्यवसाय-व्यापार से मिले लोगों का भी कुछ परिवर्तन तथा जीवन-वृत्ति में कुछ उतार-चढ़ाव आएंगे। दशा की प्रगति के साथ-साथ स्थिति में सुधार होगा। आप अपने कार्य अथवा व्यापार में परिवर्तन कर सकते हैं। अन्तर्दशा में प्रगति के अनुसार अचानक लाभ और हानि हो सकती है।

वाहन, यात्रा, जायदाद :

मंगल की अन्तर्दशा के दौरान आपको जीवन का हर सुख प्राप्त होगा। आप कोई वाहन या मकान खरीद सकते हैं। आपको जायदाद से लाभ मिलेगा और जमीन-जायदाद की प्राप्ति होगी। शुक्र की अन्तर्दशा के दौरान आपकी छोटी और लाभदायक यात्रा होगी जबकि चन्द्र की अन्तर दशा में लम्बी यात्रा होगी।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी उत्तम तकनीकी शिक्षा होगी। कानून, गूढ़ विद्या, सिविल इन्जिनियरिंग, दवा, पेशवेर खेल, शरीर-विज्ञान आदि में आपकी रुचि हो सकती है। आप सक्रिय, उद्यमी तथा उत्साही हैं और अपने अध्ययन में अच्छा करेंगे।

परिवार :

परिवार के सदस्यों के साथ आपका संबंध अच्छा रहेगा। आपके बच्चे अच्छा करेंगे और उन्हें सम्पत्ति तथा समृद्धि की प्राप्ति होगी। आपके जीवनसाथी को चौतरफा सफलता, विभिन्न स्रोतों से लाभ और मनोकामनाओं की पूर्ति होगी। आपके साझेदार के साथ आपका सम्बन्ध अच्छा रहेगा। आपकी माता को परिवार से कुछ आराम मिलेगा किन्तु, कुछ मामूली समस्याएं भी हो सकती हैं। आपके पिता की अध्यात्म तथा यात्रा में रुचि होगी। आपके छोटे भाई-बहनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, उन्हें शत्रुओं पर विजय, ख्याति और सुख मिलेगा जबकि बड़ों को साझेदारों से लाभ मिलेगा, उनकी यात्रा होगी और उनके व्यापार का विस्तार होगा।

अन्तर्दशा :

केतु की अन्तर्दशा के दौरान आपको तकनीकी शिक्षा की प्राप्ति तथा सट्टे में लाभ होगा। शुक्र के कारण जीवन वृत्ति में प्रगति, सहायकों से सहायता और सफलता मिलेगी। सूर्य के कारण यश, ख्याति, उत्तम स्वास्थ और सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा में लम्बी यात्रा, व्यय तथा मामूली स्वास्थ्य-समस्याएं होंगी। मंगल की अन्तर्दशा के दौरान, सम्मान, आराम, सम्पत्ति आदि की प्राप्ति होगी। राहु के कारण कुछ समस्याएं हो सकती हैं। गुरु की अन्तर्दशा के दौरान कुछ परिवर्तन और सन्तान से सुख मिलेगा जबकि शनि की अन्तर्दशा में बाधाएं और यात्रा तथा व्यापार में रुचि होगी। बुध की अन्तर्दशा के दौरान लाभ, लक्ष्य तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी।

महादशा :- शुक्र
(06/05/2055 - 06/05/2075)

आपकी कुण्डली में शुक्र की महादशा 06/05/2055 को आरम्भ और 06/05/2075 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 20 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में शुक्र द्वादश भाव में स्थित है। यह एक शुभ ग्रह है जो दो राशियों वृष और तुला का स्वामी है। इसकी मूल त्रिकोण राशि तुला है। यह कन्या राशि में निम्न का तथा मीन राशि में उच्च का हो जाता है। यह कला, संगीत, ड्रामा, भावनात्मक आनन्द, स्वाद, फैशन, डिजाइनिंग तथा सुखमय, जीवन का द्योतक है। द्वादश भाव में स्थित होकर यह आपकी जन्मकुण्डली के षष्ठ भाव पर कारकत्व का प्रभाव डाल रहा है। भाव जिसमें यह स्थित है हानि, फिजूलखर्ची, कड़ी मजदूरी, अनुदान, पारिवार में फूट, धोखा, दुर्भाग्य, कैद, हत्या, कपट, पैर, बायीं आँख, शयन सुख, ऋण और विदेश प्रवास का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी शुक्र द्वादश भाव में स्थित है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करता है तथा कोई बड़ी स्वास्थ्य समस्या आपको नहीं होगी। आपको सभी प्रकार का आराम और आनन्द प्राप्त होगा।

अर्थ संपत्ति :

महादशा स्वामी शुक्र द्वादश भाव में स्थित है तथा इस भाव के कारकत्व की प्रबलित कर रहा है। इस दशा काल में आप उपार्जन तथा चल-अचल संपत्ति अर्जित करने की कोशिश करेंगे। आप अपने जन्म स्थल से दूर जा सकते हैं।

व्यवसाय :

अपने व्यावसायिक जीवन में आप एक जगह से दूसरी जगह जाते रहेंगे और एक बैरागी जीवन व्यतीत करेंगे और अन्ततः मोक्ष प्राप्त करेंगे। आपकी व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी और धार्मिक या ऐसी किसी अन्य संस्था के लिए काम करेंगे जहाँ आपकी आध्यात्मिक मानसिकता प्रबलित होगी।

परिवारक जीवन :

आप भावुक तथा विपरीत लिंग के लोगों की ओर आकृष्ट होगें। आपका पारिवारिक जीवन आनन्दमय होगा। आपके जीवन-साथी आपका सहयोग करेंगे और आप घर-परिवार के मैत्रीपूर्ण वातावरण का आनन्द उठाएंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

यह अवधि उत्तम शिक्षा के लिए अनुकूल होगी। आप साहित्यक गतिविधियां जारी रखेंगे।

महादशा :- सूर्य
(06/05/2075 - 06/05/2081)

सूर्य की महादशा 06/05/2075 को आरंभ और 06/05/2081 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 6 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में सूर्य एकादश भाव में अवस्थित है। सूर्य सम्पत्ति, स्वास्थ्य, प्रभाव तथा प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है जबकि एकादश भाव सभी प्रकार के लाभ, मनोकामनाओं की पूर्ति, शिक्षा तथा भौतिक सुखों का सूचक है। अतः इस दशा-काल में आपको धन, प्रभावशाली मित्रों, पद तथा अधिकार की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप में रोगों की प्रतिरोध शक्ति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रखने के लिए आपको सात्विक और सन्तुलित भोजन करना चाहिए। आप सरदर्द और हृदयगति की पीड़ा से ग्रसित हो सकते हैं। आपको अतिशयता का परित्याग करना चाहिए और जीवन के प्रति आपकी सोच सकारात्मक होनी चाहिए ताकि इस दशा में आपका स्वास्थ्य उत्तम रह सके।

अर्थ :

आप भाग्यशाली होंगे और आपको पर्याप्त आर्थिक संसाधन प्राप्त होंगे। आपको सट्टे तथा निवेश से लाभ मिलेगा। पैतृक सम्पत्ति की प्राप्ति भी हो सकती है। आपको पिता से लाभ की प्राप्ति हो सकती है। आप अधिक प्रयास किये बगैर आर्थिक लाभ प्राप्त करेंगे। दशा ज्यों-ज्यों प्रगति करेगी त्यों-ज्यों आपकी आर्थिक स्थिति सुधरती जाएगी। किन्तु, आपको फिजूलखर्ची के प्रति सावधान रहना चाहिए क्योंकि आप स्वभाव से उदार हैं।

व्यवसाय :

आपको आपके सभी कार्यों में सफलता और लाभ मिलेंगे। आपको अधिक परिश्रम किये बगैर सफलता मिलेगी। आप सरकारी सेवा में अच्छा करेंगे। आप बड़ी संस्थाओं, निगमों और संस्थानों में प्रबंधक के पद के लिये सर्वाधिक योग्य है। संगठन से सम्बद्ध कोई भी कार्य आपके अनुकूल होगा। रत्नों का व्यवसाय अथवा सम्पत्ति की परिरक्षा का कार्य लाभदायक होगा। नौकरी पेशा लोगों के कार्य-स्थान में वातावरण सौहार्द्रपूर्ण रहेगा, उन्हें अधीनस्थ कर्मचारियों से सहयोग तथा उच्चधिकारियों के अनुग्रह की प्राप्ति होगी। व्यवसायियों को स्व-प्रयास से धन तथा लाभ की प्राप्ति होगी। रत्न-आभूषण, धातु तथा बिजली के सामानों आदि के व्यापारियों के लिये यह दशा लाभदायक होगी।

परिवार :

आपका बच्चों से गहरा लगाव है। आपको उनसे अत्यधिक सुख मिलेगा। इस दशा-काल में आप उनके ऊपर बड़ी सीमा तक निर्भर करेंगे। आपके जीवन साथी के साथ आपके सम्बन्ध बहुत मधुर होंगे। आपके जीवन साथी को सभी प्रकार के लाभ प्राप्त होंगे और उनका भाग्योदय होगा। आपकी माता को किसी अप्रत्याशित धन की प्राप्ति और धर्मशास्त्रों में

उनकी रूचि हो सकती है। आपके पिता स्वयं धनोपार्जन करेंगे, प्रसन्न रहेंगे और छोटी यात्राओं पर जाएंगे। आपके भाई-बहनों के लिये यह समय समृद्धिशाली रहेगा और आपके साथ उनके संबंध मधुर रहेंगे।

शिक्षा :

आप धार्मिक प्रवचन देंगे या उनका आयोजन करेंगे।

महादशा :- चन्द्र
(06/05/2081 - 06/05/2091)

चन्द्र महादशा की अवधि 10 वर्ष है। आपकी कुण्डली में यह 06/05/2081 को आरंभ और 06/05/2091 को समाप्त होगी।

चन्द्र दशम भाव में अवस्थित है। दशम भाव प्रतिष्ठा, सार्वजनिक सम्मान, शक्ति तथा इज्जत, सफलता तथा साख, आदर तथा ख्याति, उत्तरदायित्व, पदोन्नति, नियुक्ति, उच्च पद, शासन से सम्मान का प्रतिनिधित्व करता है। अतः दस वर्षों की यह अवधि आपके लिए शुभ होगी और आपको शांति तथा समृद्धि की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य :

आपको सुखमय तथा उत्तम जीवन की प्राप्ति होगी। इस अवधि में किसी बड़े रोग या चोट की संभावना नहीं है और आप बिना किसी बाधा के स्वस्थ जीवन का आनन्द लेंगे।

अर्थ और सम्पत्ति :

चन्द्र वाहन का प्रतिनिधित्व करता है। इस अवधि में आप अपनी सम्पत्तियों और आर्थिक स्थिति का विस्तार करने में सफल होंगे। आपकी चल-अचल संपत्ति में वृद्धि होगी। आपके बैंक-बैलेंस में भी वृद्धि होगी और इस तरह आप समृद्धिशाली होंगे।

व्यवसाय :

चंद्र दशम अर्थात् अपने ही भाव में अवस्थित है और दशम भाव व्यवसाय और जीवन-वृत्ति का प्रतीक है। इसलिए आप अपने व्यवसाय में अत्यधिक सफलता प्राप्त करेंगे। आपको आदर तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। यदि आप सेवारत हैं तो जीवन में उन्नति के अनेक अवसर आपको मिलेंगे और आप प्रगति करेंगे। यदि व्यवसाय से जुड़े हैं तो आपके मस्तिष्क में नये व्यवसायों के अनेक विचार उभरेंगे। व्यवसाय में आपकी साख तथा स्थिति में वृद्धि होगी। श्रेष्ठजन तथा सहकर्मी आपके विचारों की सराहना करेंगे और आप व्यवसाय में अगुआ होंगे।

पारिवारिक जीवन :

आपके जीवन साथी आपके सहायक होंगे। आप का पारिवारिक जीवन सुखमय होगा क्योंकि आपकी व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आपके जीवन साथी आप की व्यावसायिक वृत्ति में भी सहायक होंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

आप अध्यात्म की उच्च शिक्षा भी प्राप्त करेंगे। आप पुराणों और आध्यात्मिक ग्रन्थों का अध्ययन भी करेंगे।

महादशा :- मंगल
(06/05/2091 - 06/05/2098)

मंगल की महादशा 06/05/2091 को आरम्भ और 06/05/2098 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 7 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में मंगल द्वितीय भाव में अवस्थित है। इसके पूर्व आपकी चन्द्रदशा चल रही थी जिसकी अवधि 10 वर्ष की थी। मंगल के पंचम भाव पर दृष्टि होने के कारण आपको बच्चों से सुख, उत्तम शिक्षा और समृद्धि की प्राप्ति होगी। मंगल की इस दशा में आपको धन और समृद्धि की प्राप्ति होगी और आपका झुकाव धार्मिक कार्यों की ओर होगा।

स्वास्थ्य :

इस दशा-काल में आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। आप में आत्मविश्वास तथा पहल-शक्ति होगी और आप सक्रिय तथा स्फूर्तिवान होंगे। कुछ मौसमी बीमारियों को छोड़ आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। सरदर्द, ज्वर, संक्रमण, ताप संबंधी बीमारियों आदि की सम्भावना है।

अर्थ और व्यवसाय :

इस दशा के दौरान आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आप धन-संपत्ति का संचय करेंगे। आपको पिता से लाभ होगा। आपको कुछ-पैतृक-सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। व्यवसाय और जीवन-वृत्ति से उपार्जन में भी वृद्धि होगी। मंगल की पंचम भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप आपको सट्टे तथा निवेश में लाभ होगा। अपनी जीविका के लिये सैन्य सेवा, सर्जरी तथा चिकित्सा कार्य, दन्तचिकित्सा, भूगर्भ-विज्ञानी अथवा रसायनज्ञ के कार्यों का चयन कर सकते हैं। आप असैनिक तथा यांत्रिक अभियंत्रण और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अच्छा करेंगे। लौह-इस्पात, खेल के सामानों, ताम्बे, खनिज पदार्थों आदि का व्यवसाय लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिये दशा उत्तम रहेगी। आपकी आय में वृद्धि तथा पदोन्नति होगी और उच्चाधिकारियों का अनुग्रह प्राप्त होगा। व्यवसाय-व्यापार से जुड़े लोगों के लिये समय समृद्धिशाली रहेगा। आय तथा गतिविधियों में वृद्धि होगी। व्यापार का विस्तार हो सकता है और व्यापार से जुड़े लोग व्यस्त रहेंगे। आर्थिक सफलता के लिए यह दशा उत्तम है।

वाहन, यात्राएँ, सम्पत्ति :

बुध की अन्तर्दशा में आपको जीवन के सुख मिलेंगे। इस अन्तर्दशा के दौरान आपको वाहन की प्राप्ति होगी। मंगल तथा बुध की अन्तर्दशा में जमीन-जायदाद के मामले लाभदायक होंगे। यह अवधि सभी आर्थिक कारोबार के लिए उत्तम है। शुक्र की अन्तर्दशा में आपकी छोटी तथा शनि और मंगल की अन्तर्दशाओं लम्बी यात्राएँ होगी।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी। गणित, विज्ञान तथा प्रशासन व प्रबन्धन से सम्बन्धित विषयों का अध्ययन लाभदायक होगा। आप परीक्षाओं में सफल होंगे।

इस अवधि में आप उच्च शिक्षा भी आरम्भ कर सकते हैं। आप अपने स्वभावगत नेतृत्व तथा बैद्धिक गुणों का प्रदर्शन करेंगे।

परिवार :

परिवार में आपके संबंध मधुर रहेंगे। आपके बच्चों के साथ आपके सम्बन्ध अत्यन्त मधुर रहेंगे और आपको उनसे बहुत सुख प्राप्त होगा। वे अपनी शिक्षा में अच्छा करेंगे और आप उनसे गौरवान्वित होंगे। आपके जीवनसाथी को अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है। सद्भावपूर्ण सम्बन्ध बनाए रखने के लिए कटु भाषा का प्रयोग न करें। आपकी माता को इस अवधि में लाभ प्राप्त होगा और उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति होगी। आपके पिता को उनके शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी और उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके छोटे भाई-बहनों का शुभ उद्देश्यों के लिए व्यय होगा और उनकी यात्रा होगी तथा आपके बड़े भाई-बहनों को यश, ख्याति, आय, शक्ति तथा अधिकार की प्राप्ति होगी। आपके मित्रों की संख्या विशाल होगी जिनसे आपको लाभ मिलेगा।

अन्तर्दशा :

मंगल की मुख्य दशा में उसकी अन्तर्दशा के कारण आपको पिता से लाभ तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी और आपकी यात्रा होगी। इसके पश्चात् आरम्भ होनेवाली राहु की अन्तर्दशा के कारण समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। गुरु की अन्तर्दशा के कारण आपकी शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सुख में वृद्धि होगी जबकि शनि की अन्तर्दशा के कारण आय-व्यय समान होंगे और आपकी यात्रा होगी। बुध की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आपका विवाह हो सकता है और साझेदारों से लाभ और सुख की प्राप्ति हो सकती है जबकि केतु के कारण कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। शुक्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप परिवर्तन और छोटी यात्राओं की प्राप्ति हो सकती है जबकि सूर्य की अन्तर्दशा के कारण शत्रुओं पर विजय की प्राप्ति होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप सन्तान से सुख और निवेश तथा सट्टे में लाभ होगा।

महादशा :- राहु
(06/05/2098 - 06/05/2116)

राहु की महादशा 06/05/2098 को आरम्भ और 06/05/2116 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 18 वर्ष। आपकी जन्मकण्डली में राहु ग्यारहवें भाव में स्थित है। राहु की दृष्टि पंचम भाव पर है। इसके पूर्व आपकी सात वर्ष की मंगल दशा चल रही थी। मंगल के कारण आपके जीवनचर्या में उन्नति, भाई-बहनों तथा सम्बन्धियों से लाभ, छोटी यात्रा तथा शक्ति में वृद्धि होगी। राहु की इस दशा के दौरान आपको आर्थिक समृद्धि की प्राप्ति, हर प्रकार का लाभ तथा इच्छाओं की पूर्ति होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप सुखी तथा आशावादी होंगे। राहु के कारण आपको हर तरह की भोजन के मामले में हर तरह की अतिशयता से बचना चाहिए। गरिष्ठ भोजन से बचें। मौसम में परिवर्तन के कारण पाचन क्रिया में गड़बड़ी, चर्मरोग, पित्त से सम्बन्धित रोग, बुखार, कान तथा निचली भुजा में कष्ट हो सकता है। सावधानी बरतने से इनमें से अधिकांश बीमारियों से बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

आपका आर्थिक स्थिति अत्यन्त मजबूत होगी। आपके पास धन होगा, आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे और निवेश तथा सट्टा लाभदायक होगा। इस अवधि में आपको सम्पत्ति, समृद्धि तथा अचानक लाभ मिलेगा। आपकी अनेक इच्छाएं आकांक्षाएं पूरी हो सकती हैं। जीविका तथा व्यवसाय के लिए विधि, दवा, लेखा, कम्प्यूटर, खेल, पराविज्ञान तथा जलसेवा के क्षेत्र का चयन कर सकते हैं। दवा, रसायन, एण्टीबायोटिक दवाओं, चमड़े के सामान, लोहा और इस्पात आदि का व्यापार लाभदायक होगा। सेवारत लोगों को विरोधियों पर विजय, कार्यस्थान में अनुकूल स्थिति, लाभ और सम्मान की प्राप्ति होगी। आपके सहकर्मी तथा अधीनस्थ कर्मचारी आपके सहयोगी होंगे। आपका स्थानान्तरण या परिवर्तन हो सकता है। व्यवसाय-व्यापार से जुड़े लोगों को सम्पत्ति की प्राप्ति, लाभ में वृद्धि, व्यापार में विस्तार तथा हर प्रकार का लाभ मिलेगा। आर्थिक समृद्धि तथा महत्वाकांक्षा की पूर्ति और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यह दशा अति उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

शुक्र की अन्तर्दशा में आपको जीवन का हर सुख मिलेगा। आवास में परिवर्तन सम्भव है। जमीन-जायदाद के मामलों में हानि कम करने के लिए सावधानी बरतना चाहिए। आप वाहन खरीद सकते हैं। मंगल की अन्तर्दशा में आपकी छोटी किन्तु लाभदायक यात्रा होगी। शुक्र तथा शनि की अन्तर्दशा में दूर की यात्रा हो सकती है।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी। आप अपने महत्वाकांक्षा की पूर्ति

करेंगे। आप सभी परीक्षाओं और प्रतिस्पर्धाओं में सफल होंगे। अर्थशास्त्र, दवा, प्रबन्धन, इन्जीनियरिंग तथा विधि के विषयों में आपकी रुचि हो सकती है। आप पराविज्ञान, खेल, दर्शनशास्त्र आदि में रूचि रखते हैं और शिक्षा से अलग गतिविधियों में आगे बढ़ेगे।

परिवार :

परिवार के साथ आपका सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपके बच्चे आपकी खुशी के साधन होंगे। आपके जीवनसाथी को सुख, निवेश तथा सट्टे में सफलता, समृद्धि तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। आपके जीवन साथी से आपका सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपकी माता को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। उनकी अचानक छोटी यात्रा और सम्पत्ति की प्राप्ति होगी जबकि आपके पिता को संबंधियों से लाभ मिलेगा और यात्रा होगी। आपके छोटे भाई-बहनों को समृद्धि मिलेगी जबकि बड़े भाई-बहनों को यश, ख्याति, सम्पत्ति, शक्ति तथा अधिकार मिलेगा। आपका उनके साथ सम्बन्ध मधुर रहेगा।

अन्तर्दशा :

राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा के कारण आपको सम्पत्ति-समृद्धि की प्राप्ति और इच्छाओं की पूर्ति होगी। गुरु की अन्तर्दशा में आपको हर प्रकार का लाभ और प्रतिष्ठा मिलेगी। शनि की अन्तर्दशा के दौरान यश और ख्यति मिलेगी, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उन्नति होगी। बुध की अन्तर्दशा के फलस्वरूप शिक्षा उत्तम होगा और सट्टे में लाभ होगा। केतु की अन्तर्दशा के कारण कुछ समस्या हो सकती है। शुक्र की अन्तर्दशा के दौरान सम्पत्ति तथा समृद्धि की प्राप्ति तथा यात्रा होगी। सूर्य की अन्तर्दशा के फलस्वरूप शादी, साझेदारों से लाभ तथा यात्रा होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा के दौरान कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्या हो सकती है, जबकि मंगल की अन्तर्दशा में यात्रा, संबंधियों से सहायता तथा जीविकोपार्जन में उन्नति होगी।

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

वर्त्तमान आयु - 27
वर्त्तमान दशा – शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2025 – 2026

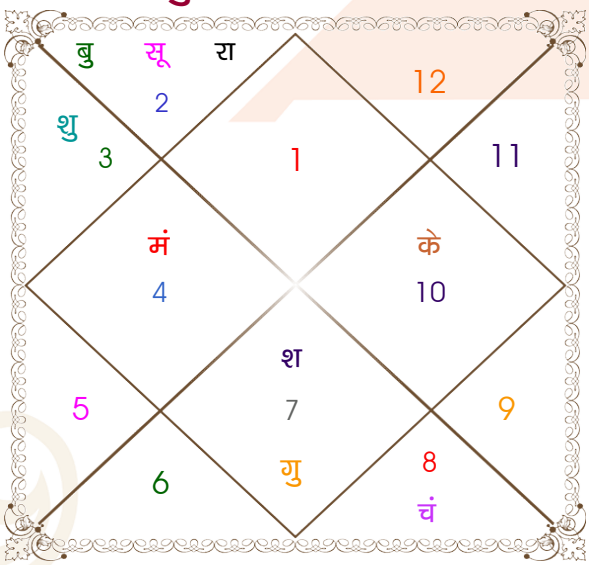

वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 – 2026

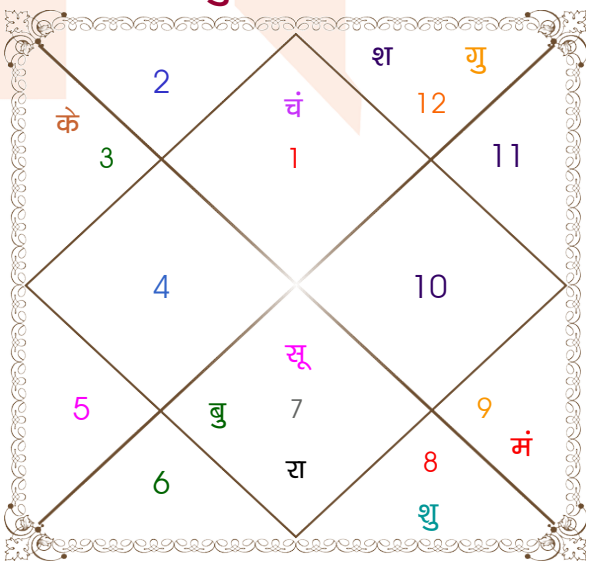

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से इस वर्ष किसी की अमानत को हड़प करने से आपका आने वाला समय खराब हो सकता है, किसी से दूध, सफेद वस्तु, चांदी आदि मुफ्त या दान न लेवें। चाल-चलन खराब या अनैतिक संबंध रखने से आप की अवनति हो सकती है। धन/जमीन/पुरुष के झगड़े मे न पड़ें इससे धन-मान की हानि हो सकती है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बादाम या नारियल या सरसों का तेल धर्म स्थान में देवें।
2. पैतृक/ससुराल मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता-पिता/सास-ससुर का सुख कम मिलेगा। जौहरी के कामों और जुएं/तंबोला खेलने में हानि होगी। मन की शक्ति क्षीण, विद्या में रुकावट या माता/सास का सुख मिले, घर से दूर भी रहना पड़ सकता है। सर्दी-जुकाम और पानी से कष्ट का भय, हृदय रोग का भय रहेगा। बुजुर्गों को सांस-दमा रोग की आशंका है।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. मीठा भोजन या केसर-दाल चना या गुड़-गंदम धर्म स्थान में देवें।
2. अमावस्या के दिन दूध-चावल धर्म स्थान में देवें।
3. स्वर्गवासी बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुख के साधनों से सुख नहीं मिलेगा। माता/सास, नानी-सास और पति से जायदाद का लाभ मिलेगा, गृहस्थ जीवन सुखमयी व्यतीत होगा, संतान की चिंता रहेगी, मेहमानों का आपके घर में आना-जाना लगा रहेगा। मकान/वाहन का सुख मिलेगा। दूसरों को नसीहत दे कर उनको सन्मार्ग पर लाने के लिए प्रत्यनशील रहेंगी।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार के मकान में रिहाईश न करें।

2. काले-काने, अंगहीन, निःसंतान व्यक्ति से संबंध न रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता/ससुर से धन लाभ होगा, आपको ज्ञान की बातों में अधिक रुचि रहेगी, बातें करते-करते बात बदलना आपकी आदत हो सकती है। अपने भाग्य को चमकाने के लिये आपको अधिक मेहनत भी करनी पड़ सकती है। इस वर्ष हाजिर जबावी की कला आप में विद्यमान रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. हरा रंग निषेध।
2. धागा-ताबीज, जल, भभूतियों से दूर रहें।
3. तोता, भेड़-बकरी न पाले।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर में मंदिर बना कर पूजा करना धन-परिवार के लिये अशुभ होगा। घर में मंदिर हानिकारक मगर दीवार पर तस्वीरें लगा कर पूजा-पाठ कर सकती हैं। घूमने-फिरने वाले साधू की संगत से भाग्य खराब हो जाएगा और जीवन में उतार-चढ़ाव देखना पड़ेगा। मामा को संतान की चिंता रहेगी। बुरे लोगों की संगति से बचे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. शुद्ध सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आप विवाहित हैं तो सुसराल से कुछ न कुछ सामान लेते रहें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पुरुषों द्वारा धन लाभ होगा। पुरुष आपके कामों में हाथ बंटाएगा या पति के साथ शुरु किये कामों से लाभ मिलेगा। आप पर कोई न कोई पुरुष मोहित रह सकता है। कम मेहनत से अधिक लाभ मिले ऐसी संभावना है। पति से घर में रहते कभी चोरी नहीं होगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बुजुर्गी घर की दहलीज को ठीक रखें।
2. राग-रंग में रूचि न रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष परोपकार करने से धन लाभ पाएंगे। यह लाभ 7 गुणा तक हो सकता है। मकान बनेगा और पति/ससुर से जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा। आपको गांव/शहर या किसी संस्था में पद मिल सकता है। पिता/ससुर और पति के लिये समय शुभ रहेगा। चाल-चलन खराब रखने से धन हानि होगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. डाक्टर/कैमिस्ट का साथ न रखें।
2. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
3. बुजुर्गी मकान के मुख्य द्वार की दहलीज ठीक रखें उसके दोनों तरफ सूर्योदय से पहले सरसों का तेल डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जुआ-तम्बोला खेला या इससे संबंधित काम करना हानिकारक है। ससुराल और देवर/जेठ का विरोध किया तो हानि होगी, धर्म स्थान में आपके ऊपर चोरी आदि लांछन लग सकता है। फौजदारी मुकददमे में हानि का भय, मुफ्त अन्न का अन्न न खायें इससे जीवन नष्ट होगा। चाल-चलन खराब हो तो दंड का भय रहेगा।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चांदी की ठोस गोली सफेद धागे में पिरो कर गले में पहनें।
2. माथे पर केसर/हल्दी का तिलक करें या शुद्ध सोना पहनें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मिट्टी के कामों से सोना बनेगा, शहर/गोव/देश/विश्व प्रसिद्ध हो सकती हैं। समाज में आपकी ख्याति बढ़ेगी, धन का अभाव नहीं रहेगा। आपका स्वभाव कुछ शक्की बन सकता है। संतान सुख का योग भी इस वर्ष है मगर माता/सासु से झगड़ा हो सकती है माता/सास की सेहत खराब या उनसे जुदाई हो सकती है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन खराब या अनैतिक संबंध न रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 8 दिन नाश्ते में पनीर खावे या पनीर का बचा शेष पानी पिये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

वर्त्तमान आयु - 28
वर्त्तमान दशा – शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	हाँ	--	--	मन्दा
चंद्र	--	हाँ	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	हाँ	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	हाँ	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2026 – 2027

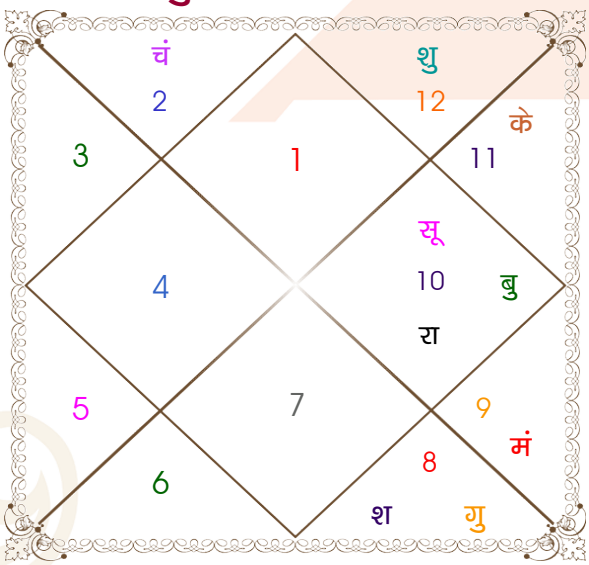

वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 – 2027

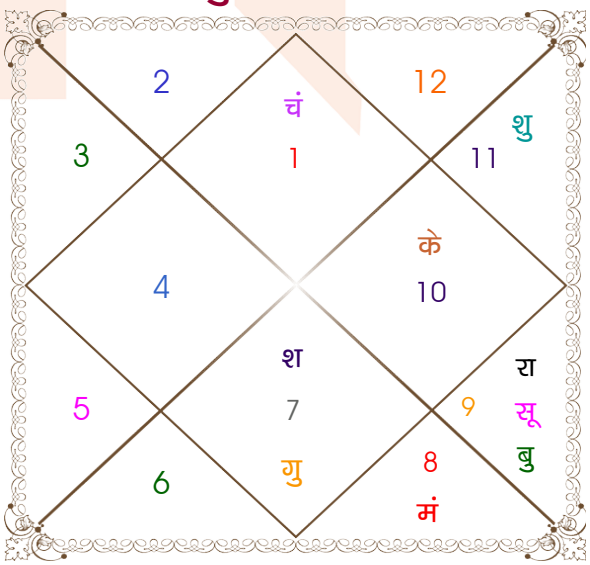

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप अपना भेद किसी को न बतायें आपका भेदी ही आपको तबाह करने की कोशिश कर सकता है, मशीनरी, लकड़ी के कामों में हानि हो सकती है। कोयला-बिजली के कामों में अधिक लाभ नहीं मिलेगा। पिता/ससुर का सुख कम या पिता/ससुर से लाभ न मिलेगा। आँखों में कष्ट का भय है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पैतृक/ससुराल मकान में हैंड पंप लगावें।
2. सिर पर सफेद-शरबती, स्कार्फ या चुनरी ओढ़ कर रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पैतृक/ससुराल सुख और सुख के साधन मिलेंगे, जददी विरास्त से जायदाद का हिस्सा या लाभ मिलेगा। सफेद चीजों के कारोबार से अधिक लाभ मिलेगा। भाई-बंधुओं का सुख अवश्य मिलेगा। विद्या संबंधी कामों में सफलता मिलेगी। यात्रा करने या प्रदेश स्थानों से लाभ मिलेगा। चाल-चलन ठीक रखें।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. घर में मूर्तियां न रखें और शंख घंटी, घड़ियाल आदि न बजायें (संतान सुख हेतु)। मगर दीवार पर तस्वीरें लगाकर पूजा-पाठ कर सकते हैं।
2. शराब आदि मादक वस्तुओं का इस्तेमाल न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पैतृक/ससुराल सम्पत्ति में वृद्धि और उसका लाभ मिलेगा, परिवार में धार्मिक उत्सव भी हो सकता है। नौकरी-व्यापार में अधिक धन लाभ मिलेगा। देवर-जेठ के साथ रहेंगे या उनकी पत्नी की सेवा करेंगी तो आप समाज में एक प्रतिष्ठित महिला की हैसियत से उभरेंगी और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. परदेश में रिहाईश न करें।

2. भाई/देवर/जेठ से झगड़ा न करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा, बुआ, बेटी, ननद, जेठानी या देवरानी की तरफ से खुशी मिलेगी। आप लोगों से व्यवहार कुशल, खुशामद और नीति के द्वारा सब काम निकालेंगी, अनेक विद्याओं में रुचि, आपके परिवार की और आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. हरा रंग निषेध
2. तुलसी, मनी प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
3. शराब, बीयर आदि न पियें। मछली न खायें और मछली का शिकार न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको अगर कोई शारीरिक कष्ट होता है तो अपने आप टल जायेगा, पिता/ससुर का सुख मिलेगा, भाई-बंधु आपके धन का उपभोग करेंगे। धन, आयु की वृद्धि होगी। गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। आपके कामों मे कोई रुकावट नहीं आएगी। यदि आप साध्वी भी बन जायेगी तो दुःखी न रहेंगे।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. पीले वस्त्र पहनने वाले साधू से दूर रहें।
2. घर में तुलसी, घंटी, ठाकुर न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपकी इस वर्ष ज्योतिष विद्या और गुप्त विद्याओं में रुचि रह सकती है, परिवार का पालन-पोषण करने में आपका अधिक ध्यान रहेगा। पति की किस्मत आपके आड़े समय में साथ देगी, ऐशो आराम के साधन मिलेंगे। चित्रकला-गायन का शौक भी हो सकती है। आपका मान-सम्मान बरकरार रहेगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।

2. पति के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका मनमौजी स्वभाव रहेगा। एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से लाभ होगा। भाग-दौड़ के काम न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुत्र संतान की खुशी मिले, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आपके नाम पर मकान नहीं बना तो आपकी आयु लंबी होगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. अपने नाम पर मकान न खरीदें।
2. सांप न मारें।
3. मकान के मुख्य द्वार की दहलीज की पूजा करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मौके के ऑफिसर से झगड़ा नहीं करना चाहिए। परिवार वालों से नेक संबंध बनाये रखने में आपका भला है। परिवार से अलग रहना हानि देगा। पिता/ससुर को कष्ट की आशंका है। कारोबार में परेशानी का योग है आप अपनी संपत्ति बेच सकते हैं। बिना कारण जुर्माना/दंड का भय रहेगा।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. सिर पर सफेद या शरबती स्कार्फ बांधे या चुनरी रखें।
2. अंधे व्यक्तियों को स्वादिष्ट भोजन खिलायें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कभी हिम्मत नहीं हारेगी। भाग्य आपका साथ देगा। धन-दौलत का अधिक लाभ होगा। आपको पुत्र संतान का सुख मिलेगा तो माता/सास को शारीरिक कष्ट हो सकता है खासकर आंखों में। चाल-चलन ठीक रखें वरना शारीरिक कमजोरी हो सकती है। आने वाले समय की अधिक सोच रहेगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. शुभ काम पर जाते समय कोई पीछे से आवाज दे तो काम पर न जायें क्योकि आगे काम नहीं बनेगा।

2. व्यतीत समय की बातें करके को याद कर लोगों को न सुनायें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन सिर पर सफेद-शरबती टोपी/पगड़ी/रूमाल/स्कार्फ से ढाप कर रखें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

वर्त्तमान आयु - 29
वर्त्तमान दशा – शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	हाँ	हाँ	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--	हाँ	--	--

वर्ष कुंडली 2027 – 2028

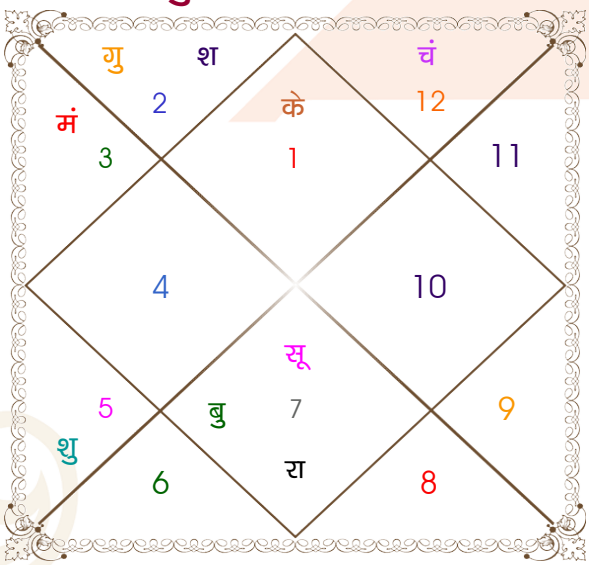

वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 – 2028

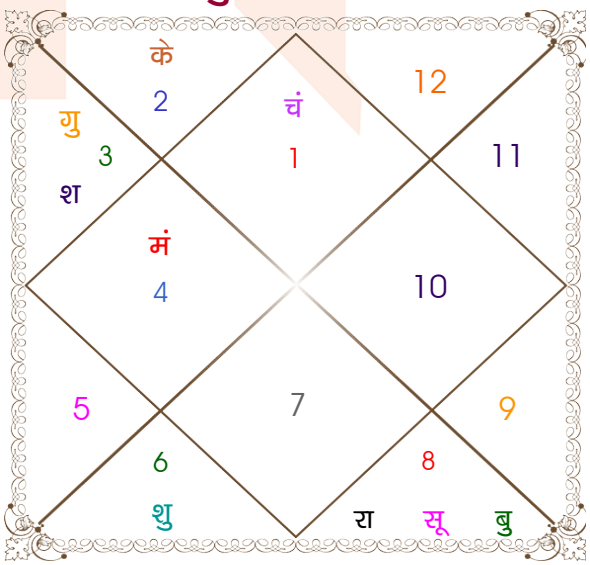

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकारी विभाग से परेशानी होगी तथा गृहस्थ जीवन में कुछ क्लेश का अनुभव करेंगी। अधिक गुस्सा करना, खुदगर्जी, खुशामद करवाना आपके पतन का कारण बन सकता है, भागीदार से विरोध या झगड़ा हो सकता है। आप दुकानदार या प्राइवेट नौकरी करते हैं तो नर्म स्वभाव रखें, सरकारी अधिकारी हैं तो गर्म स्वभाव रखना चाहिए।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. रात्रि समय खाना बनाने के बाद गैस चूल्हा या चूल्हा/अंगीठी की आग को दूध के छींटे देकर बुझाएं। वह बुझा हुआ गैस चूल्हा या अंगीठी/चूल्हा सूर्योदय से पहले न जलावें।
2. कार्य पर जाने कार्य शुरु करने से पहले चीनी खा कर पानी पी कर जावें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके सभी काम तरस-तरस कर बनेंगे, विद्या संबंधी कामों में रुकावट हो सकती है, आपकी बात बदलने की आदत बनेगी, व्यतीत समय की बातें लोगों को सुना कर अपनी बढ़ाई करेंगी। 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना' जैसी कहावत आप पर चरितार्थ हो सकती है। मुकददमें में हार का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी या आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में कायम कर घर में रखें।
2. 16 लीटर वर्षा का पानी कनस्तर में भरकर 4 शुद्ध चांदी के चौरस टुकड़े डाल कर रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष दूसरों की सहायता कर के प्रसन्नता प्राप्त होगी मगर जरूरी नहीं कि दूसरों की सहायता के बदले में आपको सम्मान मिलेगा, आपको सैर करना या जिम आदि जाने का शौक रहेगा, मुकाबले की विद्या (प्रतियोगी परीक्षा) में आपकी जीत होगी, नर्म स्वभाव रखेंगी तो आपको लाभ मिलेगा। धन-परिवार/संतान का सुख मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पेट का विशेष ध्यान रखें।

2. हाथी दांत पास न रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में सम्मान मिलेगा, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ का योग है। पुरुषों से सम्बन्धित कामों से या पति से लाभ मिलेगा। कपड़े, डाक्टरी के कामों से अधिक लाभ मिल सकता हैं। आपकी कलम में तलवार से भी अधिक ताकत होगी। बेटी-बहन, ननद, देवरानी या जेठानी से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बिना सींग वाली गाय या बकरी घर में न रखें।
2. हरी घास घर में न लगावें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ मिल सकता है। आपको कुछ भी होने वाला हो उसकी खबर पहले हो जाएगी, शिा और ज्ञान से लोगों का मार्ग दर्शन कराएंगी। आपके सभी कार्य अपने आप बनते चले जाएंगे मगर आपको व्यर्थ की चिंता रहेगी। पति और शासन या सरकारी विभाग की तरफ से लाभ मिल सकता है।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. सर्राफी या जौहरी का काम न करें।
2. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सफेद वस्तुओं से अधिक प्रेम रहेगा। आप अपने देश और जाति से प्रेम करेंगी, माता-पिता का कहना मानेंगे। दुनियावी बातों से अपने को मुक्त रखेंगी। पति की वफादार रहेंगी, पति के साथ अच्छे संबंध रखेंगी परंतु किसी चीज का अभाव नहीं होगा और कारोबार में रूकावट नहीं आयेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. पुरुषों की रसिया न बनें।
2. प्रेम विवाह या अंतर्जातीय विवाह या माता-पिता की इच्छा के विरूद्ध विवाह न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष ईश्वर भक्ति में आपका विश्वास बढ़ेगा। पिता/ससुराल से धन-संपति का लाभ होगा। कोयला, चमड़ा, मशीनरी के कामों से लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अक्ल की बारीकी से उलझनों को सुलझा लेंगे। बने बनाये मकान का लाभ मिल सकता है। धन की कमी नहीं रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. सिर पर या माथे पर सरसों का तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बिजली या पुलिस विभाग से संबंधित कामों में हानि का भय, ट्रांसपोर्ट का काम करने से हानि या आयु शक्की हो सकती है। साझेदार से झगड़ा। कारोबार में उथल-पुथल भी हो सकती है। पति को सिर दर्द का रोग हो सकता है। पति से तनाव या पति से जुदाई भी हो सकती है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. सूखा नारियल (बजने वाला) जल प्रवाह न करें।
2. शुद्ध चांदी की दो ईंटे घर में कायम करें।
3. प्लास्टिक की डिब्बी में शुद्ध चांदी का चौरस टुकड़ा रख कर गंगा जल भर कर रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष तरक्की का योग है। मगर तबदीली का योग कम ही है। यात्रा के आदेश पत्र के बावजूद यात्रा न होगी या यात्रा बीच में छोड़ कर वापिस आना पड़ेगा। पिता/ससुर-गुरु की सेवा में रूचि रहेगी। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग हो तो उसे पुत्र लाभ हो सकता है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बकरी न पालें और बकरी की सेवा न करें।
2. गली के आखिर के मकान में रिहाइश न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

• शुद्ध चांदी की 2 ईंटे घर में लाकर रखें या प्लास्टिक की डिब्बी में 4 ग्राम चांदी का चौरस टुकड़ा रखें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2028-2029

वर्त्तमान आयु - 30
वर्त्तमान दशा – शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	--	--	हाँ	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	हाँ	हाँ	--	हाँ	--	--	हाँ	हाँ	--	--	--

वर्ष कुंडली 2028 – 2029

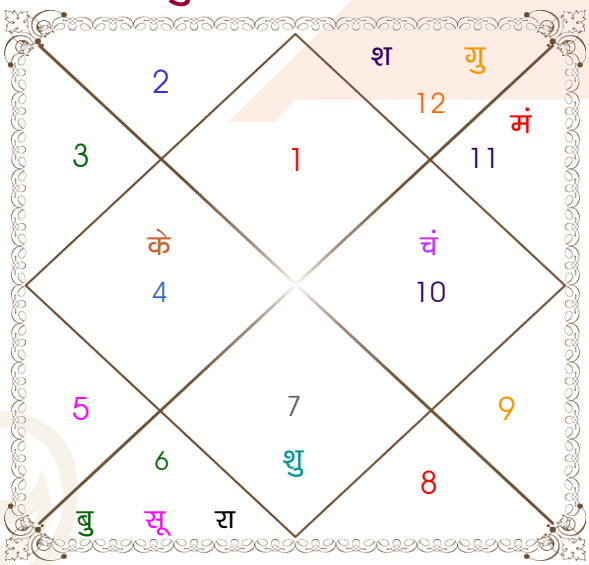

वर्ष चन्द्र कुंडली 2028 – 2029

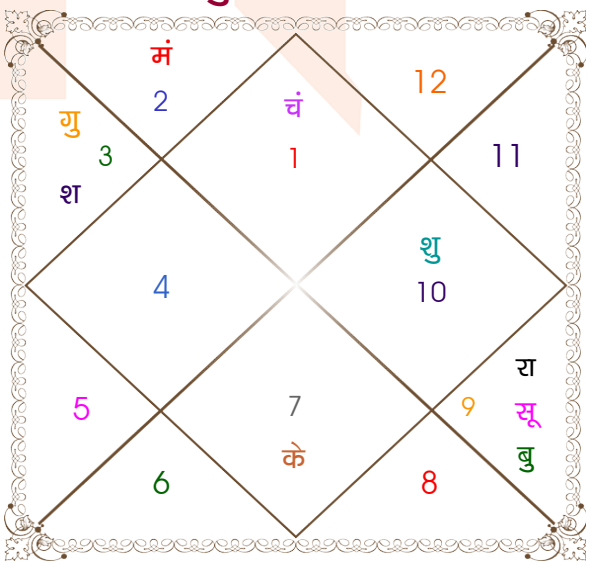

लाल किताब वर्षफल 2028-2029

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 6 में है, जिसकी वजह से इस वर्ष आपको अधिक गुस्सा आना आपके लिये हानिकारक है, रक्तचाप घट/बढ़ जाये ऐसी आशंका है, आप आपने पिता/ससुर या पुत्र के साथ एक ही शहर/गांव/ऑफिस में रहकर इकटठी काम नहीं कर सकतीं। हर समय दूसरों के सहारे या दूसरों के धन पर आस न लगाएं ऐसा करने से आपको लाभ नहीं होगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध चांदी या गंगा जल घर पर रखें।
2. बंदरों को गुड़ या भुने हुए गेहूँ को गुड़ लगा कर खिलाएं।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष खराब स्वास्थ्य के समय किसी को रात के समय लिक्वड दवाई देना या इस का प्रयोग आपके लिए हानिकारक है। विद्या संबंधी कामों में भी परेशानी आ सकती है। चोर-जुआरी या शराबी लोगों द्वारा आपका नुकसान होगा। किसी पुरुष या प्रेमी द्वारा गलत सलाह से आपका धन-सम्मान नष्ट हो सकता है, सतर्क रहें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध को फाड़ कर उसका पानी पीयें। अर्थात पनीर का पानी पियें (स्वास्थ्य खराब के समय)
2. 10 दिन सुबह नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।
3. रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पिये।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वभाव न्यायप्रिय रहेगा, अपनी किस्मत स्वयं अपने हाथों से बनाएंगी, कारोबार में तरक्की होगी, जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा और इस वर्ष आपको सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। पुत्र-पौत्र/दोहता-दोहती का सुख मिलेगा, आपको शत्रुओं से कोई भय नहीं रहेगा या शत्रु भी मित्र बन जायेंगे।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किसी पर भी भरोसा न करें।

2. कुत्ते को चोट न मारें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिमागी कार्यों से लाभ मिलेगा, विदेश भ्रमण की इच्छा भी रहेगी, समुद्री यात्रा से लाभ मिलेगा, कृषि से संबंधित कार्यों से लाभ मिलेगा। वक्तव्य देना, एकाउटेंट/चार्टर्ड एकाउंटेंट, लेखन, प्रिंटिंग से संबंधित कामों से लाभ होगा। मुंह से निकली बात शत प्रतिशत सही हो सकती है। ननिहाल/ससुराल से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़की-बहन का विवाह अपने पिता के रिहाइशी मकान की उत्तर दिशा में न करें।
2. सेवक-नौकरों पर हमेशा नज़र रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको धन से अधिक लगाव नहीं होगा। ध्यान-समाधि लगाने से धन की वर्षा होगी। आपका आशीर्वाद लेने वाला तर जाएगा और आपको सताने वाला बर्बाद हो जाएगा। खर्च अधिक जो परिवार के शुभ कामों पर होगा। त्याग की भावना भी आपके मन में रहेगी। आपको किसी का दुर्वचन नहीं लगेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. ऐसे काम न करें जिससे आपका विरोध हो।
2. किसी से धोखा-फरेब न करें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गोरे रंग के पुरुष से हानि होगी। चाल-चलन भी खराब हो सकता है। कारोबार में आपके भाई-बंधु आपको हानि देंगे या आपके धन को बरबाद करेंगे। वैवाहिक संबंधों में दरार आ सकती है। सरकारी विभाग से परेशानी, कोर्ट केस होने का भय रहेगा। आपके पति और आपकी माता में तकरार रहेगा।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बिल्ली की जेर कंबल के टुकड़े में रख कर पास रखें।
2. कांसे का बर्तन दहेज में जरूर लावे।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष धन व्यय अधिक होगा और वह भी परिवार के शुभ कामों पर, सरकारी विभाग और मुकददमें में जीत होगी। आपको रात्रि का पूरा आराम मिलेगा। साधना या अध्यात्म में आपकी रूचि रहेगी तो वह आपको हानिकारक हो सकती है। शराब पीना, मांस-मछली खाना आपके लिये हानिकारक है। मकान सुख मिलेगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष शस्त्र भय है, बिना लाइसेंस का हथियार रखने से आपको आपको दण्ड/जुंर्माने का भय है। चाचा से झगड़ा करने पर आपको हानि होगी। निम्न स्तर के लोगों के साथ मित्रता से हानि होगी। आप पर चोरी का लांछन भी लग सकता है। साहूकारी करना या लिखा-पढ़ी के बिना किये कार्यों से लाभ न होगा।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काला कुत्ता पालें या काले कुत्ते को भोजन का हिस्सा खिलायें।
2. 6 सिक्के (औफदप) की गोलियां पास रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष रीड़ की हड्डी या जोड़ों का दर्द, शुगर/पेशाब का रोग हो सकता है। माता/सास की चिंता हो सकती है या मात को कष्ट हो सकता है। हृदय रोग के प्रति आलस्य न बरतें। पुत्र संतान के सुख की चिंता रहेगी। कुल पुरोहित से संबंध ठीक रखें तो पुत्र की चिंता दूर होगी, कुत्ते के काटने का भय रहेगा। यात्रा में रूकावट आयेगी या यात्रा में हानि हो सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चने की दाल और केसर धर्म स्थान में देवें।
2. कुल पुरोहित को धन वस्त्र आदि देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। अगर कुल पुरोहित न हो तो 4 किलो चने की दाल महीने दो महीने में धर्म स्थान में देवें

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- बंदर को गेंहूँ को भुन कर गुड़ लगा कर खिलायें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2029-2030

वर्त्तमान आयु - 31
वर्त्तमान दशा – शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	हाँ	--	--	हाँ	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2029 – 2030

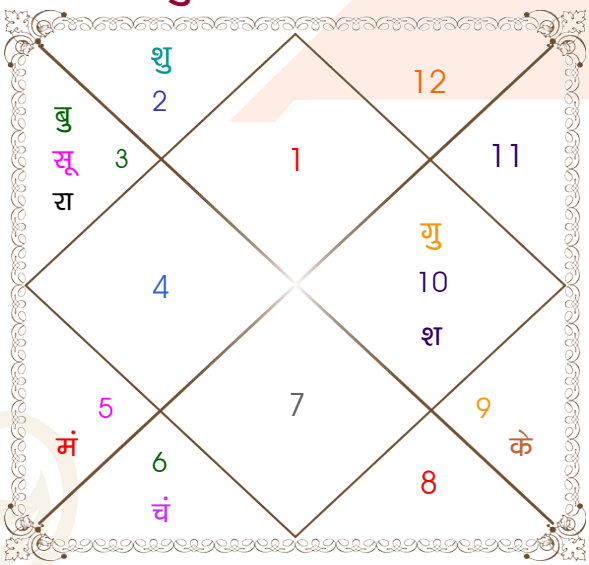

वर्ष चन्द्र कुंडली 2029 – 2030

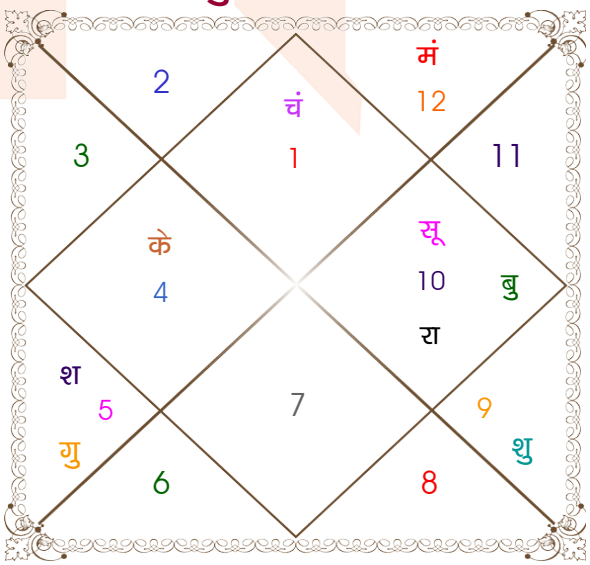

लाल किताब वर्षफल 2029-2030

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी किस्मत में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है, परिवार में बीमारी पर धन का अपव्यय होगा। गुप्त शत्रु दबे रहेंगे, आपका धन आपकी आंखों के सामने चोरी हो सकता है। ननिहाल पर कुछ समय अशुभ रहेगा। भाई-बंधुओं से धोखा हो सकता है सतर्क रहें। अधिक मेहनत करने से लाभ मिलेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पिता/ससुर या इनके समान पुरुष के चरण छूकर आशीर्वाद प्राप्त करें।
2. परपुरुष से शारीरिक संबंध न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी माता/सास को शरीर कष्ट रहेगा। आपको माता की चिंता रहेगी या विद्या संबंधी परेशानी भी आ सकती है। आम जनता के लिये पानी पिलाने का या पानी का स्रोत लगाना आपको और आपकी संतान को कष्ट तथा परेशानी ही देगा। बिना सोचे-समझे किये गये कामों में आपको परेशानी उठानी पड़ सकती है, समझदारी से काम लें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चंद्र ग्रहण के मध्य काल में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
2. माता/सास को कष्ट हो तो खरगोश पालें।
3. नाश्ते में कच्चा पनीर खायें। रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पीयें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 5 में शुभ है। जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गृहस्थ/संतान का सुख मिलेगा, परिवार में उन्नति होगी, यात्रा बहुत होगी। इस जन्म दिन के बाद धन दिनों-दिन बढ़ता जाएगा, पिता/ससुर की हैसियत भी बढ़ेगी, चाल-चलन आपको उम्दा रखना होगा, शत्रु को भी मित्र बनाने में प्रयत्नशील रहेंगे और शत्रु आपका सहायक बन जाएगा साहूकारा के कामों से लाभ होगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें, अनैतिक संबंध न रखें।

2. शराब-बीयर न पिये, मांस-मछली का भोजन न करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बहन-लड़की, ननद, जेठानी-देवरानी से धन लेकर कोई कार्य किया तो कार्य में हानि हो सकती है। आपके भाग्योदय में रूकावट आ सकती है या आप कर्जदार हो सकती हैं। जबान के रोग होने का भय है। भाई-बहन/देवर-जेठ की चिंता उनसे झगड़ा करने पर हानि हो सकती है। नाड़ियों या चमड़ी रोग का भय रहेगा।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूर्गा पूजन या कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा करें।
2. तोता पाले या तोते को चूरी खिलायें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से अधिक लाभ नहीं होगा। ख्वाबों के महल बनाना आपकी आदत बनेगी। ख्वाबी महल न बना कर आप समय का सदुपयोग करें। साधू को कष्ट दिया, पीपल का वृक्ष उजाड़ा से तो आपको हानि होगी। संतान की चिंता, पिता-ससुर का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुरु/साधू की सेवा करें या पीपल के वृक्ष को पानी से सींचें। (रविवार को छोड़कर)।
2. तांबे का पैसा 43 दिन लगातार बहते पानी में डालें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। जिससे दिन दुगनी, रात चौगुनी तरक्की होगी। ईश्वर पर भरोसा रहेगा जिससे आपके सभी काम पूर्ण होंगे। साधवी वेश में आशिकाना ख्याल रहेंगे। चरित्र सुधार कर रखेंगे। प्रेम संबंधों में धोखा हो सकता है इसलिये प्रेम संबंध के चक्कर से बचें।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पशुओं पर जुल्म न करें।
2. शेर मुंह मकान में रिहाइश न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकारी विभाग या सरकार द्वारा लाभ मिलेगा। इस वर्ष का हर दसवां दिन और दसवां महीना आपके लिये शुभ और लाभकारी है। धर्मात्मा होना आपके लिये ठीक नहीं रहेगा। स्थायी कामों अर्थात् एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से मान-सम्मान बढ़ेगा और मकान न बने तो अधिक धन लाभ होता रहेगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मादक द्रव्यों/चीजों का प्रयोग न करें और मछली न खायें।
2. भाग-दौड़ के काम न करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष यदि आपने बहन/बेटी, ननद, देवरानी/जेठानी-बुआ का धन उपभोग किया तो आपकी हानि हो सकती है। आपके भाई-बंधु धोखे से आपका धन हड़प कर सकते हैं सावधान रहें। कर्ज का बोझ बढ़ सकता है मगर आप बुद्धिमत्ता से कर्ज मुक्त हो जायेंगी। बदनीयती करना आपके लिये हानिकारक है।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

उपाय :

1. शुद्ध ठोस चांदी घर में रखें।
2. कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा या दुर्गा पाठ करें या कन्यादान करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष प्रगति मिले ऐसी संभावना है। तबदीली का चांस कम है। यात्रा से लाभ होगा। प्रदेश में भी कुछ समय व्यतीत हो सकता है। अपनी संतान के साथ या उसकी सलाह से कोई काम करेंगी तो आपको अधिक लाभ होगा। आप जिसको पुत्र पैदा होने का आशीर्वाद देंगे उसके घर पुत्र पैदा होगा।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू का साथ न रखें।
2. कुत्ते को चोट न मारे।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

• 6 दिन नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2030-2031

वर्त्तमान आयु - 32
वर्त्तमान दशा – शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	हाँ	मन्दा
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	हाँ	--	--	--	--	हाँ	--	--

वर्ष कुंडली 2030 – 2031

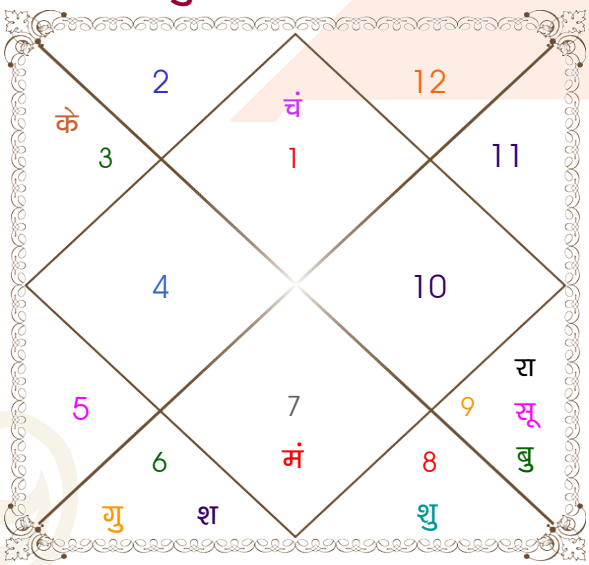

वर्ष चन्द्र कुंडली 2030 – 2031

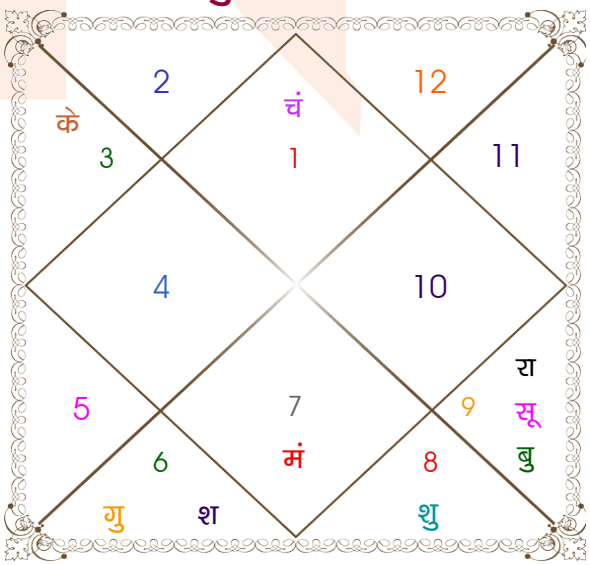

लाल किताब वर्षफल 2030-2031

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको बिना मेहनत का माल/गिफ्ट आदि नहीं लेना चाहिए, यात्रा में हर समय सतर्क रहें क्योकि यात्रा में चोट लगने या हानि होने का भय है। सरकारी विभाग से परेशानी हो सकती है नेकी का बदला बुराई में मिल सकता है। आपके विरोधी आपको अपनी गुप्त चाल से नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. घर में पीतल के बर्तनों का प्रयोग करें।
2. सूर्य ग्रहण के मध्य काल में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुंदर और सफेद कपड़े पहनने की शौकीन रहेंगी, विद्या से लाभ, किसी की अमानत आपके पास रह सकती है माता-पिता/ससुर की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, कभी यात्रा पर जायें तो यात्रा से वापस आकर माता/सास के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लेने से लाभ होगा। परिवार में बहुत देर बाद किसी के पुत्र संतान होगी।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक और अनैतिक संबंध न रखें।
2. माता/सास या इनके समान स्त्री से झगड़ा न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की तरक्की और वृद्धि होगी। रोते हुए को हंसाना और उसको ढांढस देकर मदद करना अपना कर्त्तव्य समझेंगी, इन्साफ पसन्द, ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी, लमी की तरह संसार की पालक सिद्ध हो सकती हैं। जज, सरपंचनी, नेता जैसे आदि पद का अधिकार भी मिल सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।
2. घर में बेलदार पौधे या बेलें न लगावें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता/ससुर से दूरी या पिता/ससुर की चिंता रहेगी, पिता/ससुर का धन नाश हो सकता है । आपको जुबान से सम्बन्धित बीमारी हो ऐसी आशंका है। गृहस्थ और संतान के सम्बन्ध में कुछ परेशानी, हर काम में कदम-कदम पर आपको विचार करके चलना चाहिये। यात्रा से हानि का भय है, सर्तक रहें।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गऊ ग्रास अर्थात् गाय-कुत्ते- कौवे को भोजन का हिस्सा देवें।
2. लोहे की गोली पर लाल रंग करके पास रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष नकद धन की कमी नहीं होगी। हर चीज़ बिना मांगे आपको मिल सकती है। कम मेहनत अधिक लाभ। शत्रु अपने आप नष्ट हो जाएगें या शत्रुओं पर आपकी जीत होगी, बुजुर्गों के नाम पर दान करेंगी या धर्मार्थ चीज़ें बनवायेंगी। हर समय अपने कामों को निपटाने के लिये ध्यान देना पड़ेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. कर्ज/दान या गिफ्ट न लेवें या भीख न मांगे।
2. आवारा न घूमें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गुप्त रोग का भय है। चाल-चलन ठीक रखें वरना पति का स्वभाव चिड़चिड़ा हो सकता है। पति से झगड़ा करना आपके लिये हार और हानि का कारण होगा। पति की हर बात में हां में हां जरूर मिलायें मगर करें अपने मन की। आपके द्वारा दी गई जमानत आपको भरनी पड़ सकती है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गंदे नाले में तांबे का पैसा या फूल डालें।
2. धर्म स्थान में सिर झुकाएं।

शनि

आपकी वर्ष कुडली में शनि खाना नं. 6 में अशुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष पूर्णिमा के दिन कोई नया काम न शुरू करें। कारण, इस दिन शुरू नये काम से लाभ न होगा। चमड़े का समान मुफ्त/गिफ्ट न लें। नुक्कड़ के मकान में रिहाईश हो तो आपका मान-सम्मान कम होगा या अकारण बेइज्जती का कारण बनेंगे। परिवार में किसी को गुर्दे या पथरी रोग होने का भय रहेगा।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले कुत्ते की सेवा/पालन करें।
2. नया जूता किसी को पहनाकर पहनें या खरीदने के 6 दिन बाद पहनें।
3. बादाम गंदे नाले में डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पुलिस/कोर्ट का भय या चोरी का माल खरीदने का लांछन लग सकता है। पिता/ससुर को कष्ट या उनके द्वारा आपको हानि का भय है। साधू-फकीर का साथ फिजूल खर्ची ही बढ़ायेगा। तीर्थ यात्रा में रूकावट आ सकती है। धार्मिक कामों में रूचि रहेगी जो आपके लिये ठीक नहीं।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।
2. धर्म मंदिर में सिर झुकावें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष दूसरों की सलाह लेना आपके लिये ठीक नहीं। आवारा घूमना या भाई से दूर प्रदेश में जीवन व्यतीत करना ठीक नहीं, शरीर पर फोड़े-फुंसी की शिकायत भी हो सकती है। किसी के किये पेशाब पर पेशाब करना आप को आप को गुप्तांग में रोग और शरीर कष्ट देगा या संतान सुख की चिंता रहे ऐसा भी संभव है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. कानों में शुद्ध सोने की ननतियां पहनें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

• तांबे का पैसा या फूल गंदें नाले में डाले।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2031-2032

वर्त्तमान आयु - 33
वर्त्तमान दशा – शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	हाँ	हाँ	मन्दा
केतु	--	--	--	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	--

वर्ष कुंडली 2031 – 2032

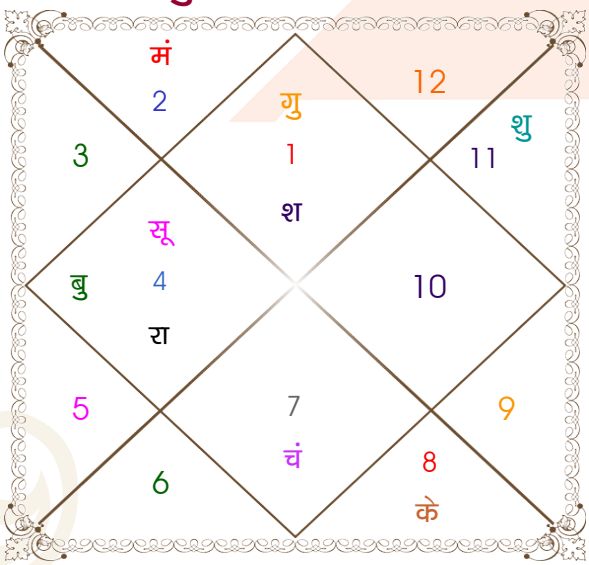

वर्ष चन्द्र कुंडली 2031 – 2032

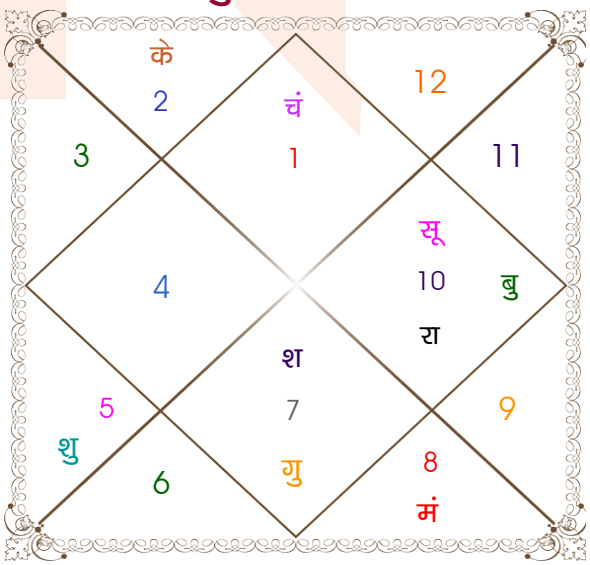

लाल किताब वर्षफल 2031-2032

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 4 में है तो जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता/सास और सुख की हानि होगी, माता से दूर रहें तो विद्या से लाभ होगा। मन अशांत रह सकता है और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ लोग आपके काम बिगाड़ सकते हैं सतर्क रहें। पिता/ससुराल वालों का कार्य बदलने का विचार रहेगा। माता/सास से झगड़ा रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. अन्धे व्यक्ति को भोजन खिलाएं।
2. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके माता-पिता/सास-ससुर को अधिक धन लाभ होगा। आपको किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ेगा। ज्योतिष विद्या, योगाभ्यास तथा शायरी में आपका शौक रहेगा। जल से संबंधित कामों से लाभ होगा। नये विषयों की खोज कर सकते हैं, विदेश यात्रा या विदेश से संबंधित कामों से लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूध-पानी का व्यापार न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष आपके परिवार में अन्न-धन की कोई कमी नहीं रहेगी। आप भाई-बंधुओं के दुःख में हर समय साथ देंगी, आप नेक और इरादे की पक्की रहेंगी जो बात ठान ली वह पूरी कर दिखायेंगी। अगर बड़ा भाई/जेठ जीवित हो तो उससे अधिक धन, मान आपको मिलेगा। दूसरे लोगों से भी लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़ाई-झगड़ों से दूर रहें।
2. घर आये मेहमानों की सेवा करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धन लाभ, परिवार में सभी सुखी और सुख के साधन बढ़ेंगे। कुल मिला कर राजयोग का समय है। विदेश यात्रा या विदेश से लाभ प्राप्त हो ऐसा योग है। बहन-बेटी/ननद आदि से भी लाभ हो सकता है। माता/सास से धन-जायदाद का लाभ होगा मगर मातृ सुख में कमी की आंशका रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बेटी-बहन, देवरानी/जेठानी से झगड़ा न करें।
2. विधुर पुरुष से सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पढ़ने-पढ़ाने में रुचि या विद्या सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा। आपको मान-सम्मान मिलेगा। पिता, ससुर का रुतवा बढ़ेगा और उनका नाम रोशन होगा। नशों से दूर रहेंगी, सबके साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। गुरु-साधू की सेवा करेंगी, सरकारी विभाग या शासन द्वारा भी आपको लाभ मिल सकता हैं।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, गिफ्ट या दान न लेवें।
2. किस्मत पर भरोसा रखना शुभ रहेगा।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष कन्या संतान का सुख मिल सकता है। आप अकारण पैसे के पीछे भागते रहेंगी। आप में अच्छे गुण बढ़ेंगे मगर आपकी गुप्त कार्य करने की आदत हो जाएगी। विचारधारा को शीघ्र बदलती रहेगी, ससुराल पक्ष के लोग सहायक होंगे। बहन/ननद से भी लाभ मिलेगा पति आपके कार्यों में साथ निभायेंगे।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता/सास और पति को घर की खजांची न बनाएं।
2. नौकरी-व्यापार में बार-बार बदला-बदली न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष कैमिस्ट, डाक्टर, इंजीनियरिंग, से संबंधित कामों से लाभ हो सकता है। लोहा-लकड़ी आदि के काम भी लाभ देंगे, माता-पिता/सास-ससुर के पास धन की बढ़ोत्तरी होगी। आपकी जायदाद बढ़ने की आशा है। सरकारी विभाग से लाभ मिलेगा और उच्चाधिकारियों से अच्छे संबंध बनेंगे।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. परिवार में कोई खुशी का समय हो तो बाजे न बजावायें।
2. शराब आदि पीना, मांस-मछली खाने और इश्कबाजी से दूर रहें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता/ससुर समान पुरुष से अवैध संबंध हानिकारक है या खराब चाल-चलन आपके धन को नष्ट कर देंगे। मकान में लैट्रिन की जगह बदली तो कोर्ट केस का भय होगा। आप दिन में भी ख्वाब देखेंगी मगर वह ख्वाब लाभ न देकर अवनति करायेंगे। दिमाग सोया सा रहेगा या बुद्धि कोई काम न करेगी।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. घर पर गंगा जल से स्नान करें।
2. सूखा धनिया (मसाला) जल प्रवाह करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपके लिए इस वर्ष शराब-मीट का सेवन हानिकारक है। परपुरुष से अनैतिक संबंध गुप्त रोग देगा। संतान सुख चाहती हैं तो चाल-चलन ठीक रखें। संतान को कष्ट या संतान की चिंता रहे ऐसी आशंका है। कारोबार में हानि और यात्रा में परेशानी या अपव्यय होगा। किसी को अपना भेद न बतायें भेदी तबाह करेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले-सफेद कंबल धर्म स्थान में देवें (संतान की लंबी आयु के लिए)।
2. काले-सफेद कंबल के टुकड़े में केतु के साथ बैठे ग्रह की चीज बांध कर शमशान में दबायें (जब बच्चे जीवित न रहते हों)।

(1) सूर्य-गेहूँ, (2) चंद्र-चावल, (3) मंगल-दाल मसूर, (4) बुध-मूंग, (5) गुरू-चने की दाल, (6) शुक्र-चरी, (7) शनि-काली उड़द, (8) राहु-जौं, (9) केतु-काले-सफेद तिल।

3. कुत्ते को भोजन का हिस्सा देवें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- शरीर पर शुद्ध सोना धारण करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2032-2033

वर्त्तमान आयु - 34
वर्त्तमान दशा – शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	हाँ	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	हाँ	हाँ	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	हाँ	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2032 – 2033

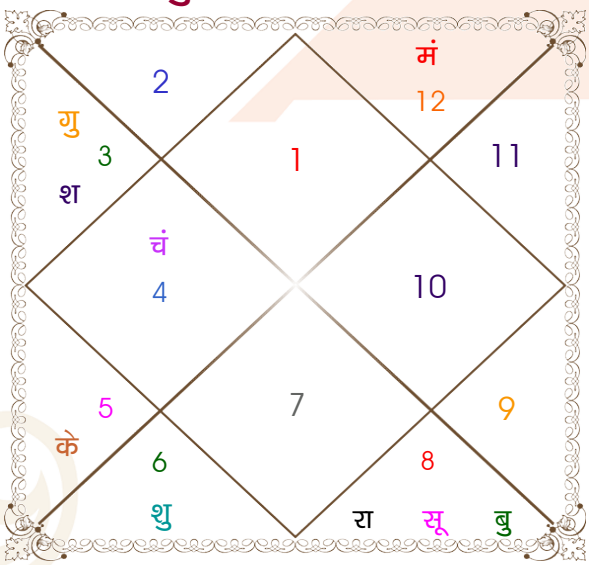

वर्ष चन्द्र कुंडली 2032 – 2033

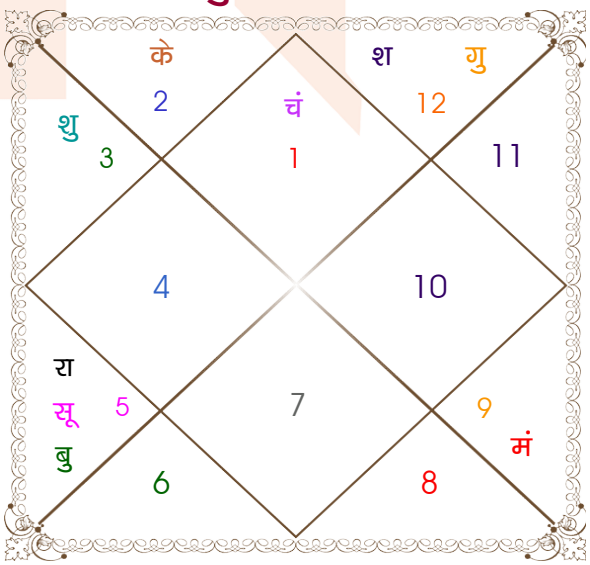

लाल किताब वर्षफल 2032-2033

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष चाल-चलन खराब हुआ तो गुप्त रोग से दुःखी हो सकती हैं। गंदी सोहबत से आपके सम्मान पर धब्बा लगे और धन नष्ट हो, ऐसी आंशका है। अतः आपको इन बातों से बचना होगा। जहरीले कीट-पंतगे के काटने का भय है। टैक्स विभाग की चिंता रहेगी। चोरी-ठगी भी हो सकती है सतर्क रहें।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बड़े भाई/जेठ की सेवा करें या गाय की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्ध्य देवें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप राजसी ठाट-बाट भोगेंगे, विद्या संबंधी कामों से लाभ, समुद्री सफर या समुद्र से संबंधित कामों से लाभ होगा। कार्य करने से पहले किसी व्यक्ति की सलाह लेकर कार्य शुरू करना शुभ रहेगा। कोई अमानत आपके पास रख कर जाएगा वह उसे वापिस लेने नहीं आयेगा। अचानक धन-लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता/सास या इनके समान स्त्री से झगड़ा न करें।
2. दूध-पानी का व्यापार न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी समाज में आवाज बुलन्द रहेगी, शत्रु मुंह की मार खायेंगे, मुसीबतें टल जाएगी, गुरु, निर्धन-ब्राह्मण की सेवा में तत्पर रहेंगी, आप अपनी मनमर्जी के अनुसार कार्य करेंगे, किसी से दब कर नहीं रहेंगी। मीठा-भोजन या मिठाई आपको अधिक पसन्द रहेगी। मुकददमे में जीत या सरकारी विभाग से लाभ हो सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।
2. लोग आपका नमक खाकर नमक-हरामी करेंगे, सतर्क रहे।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जादू-टोना आदि विद्याओं में रुचि रहेगी या इनका प्रभाव रहेगा। जो आपको लाभ न देगा। अन्दर ही अन्दर गुप्त रूप से आपको शरीर कष्ट या धन हानि का सामना करना पड़ सकता हैं। गृहस्थ में कुछ समस्याएं उभर सकती हैं। आलस्य आपके पतन का कारण बनेगा। खराब चाल-चलन और अनैतिक सम्बन्ध हार और हानि देंगे।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. वर्षा का पानी छत पर रखें।
2. इस वर्ष विवाह हो तो तांबे का बर्तन (गागर) मूंग साबित भरकर संकल्प करके पति/पत्नी दोनों जल प्रवाह करें। यदि विवाह हो चुका हो तो भी यह उपाय करना लाभ देगा।
3. गुदा पर सुरमा लगावें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष भाई-बन्धुओं का सुख मिलेगा, आप जिस पर मेहरबान होंगे उसको बहुत लाभ होगा। बुजुर्गों की सेवा में अपना धन-दौलत न्यौछावर कर सकती हैं। कारोबार में तरक्की मिलेगी। आँख की होशियारी से दूसरों के अच्छे-बुरे व्यवहार को जान लेंगी। आप धार्मिक कामों में अहम भूमिका निभायेंगी।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सूखा या कटा पीपल घर में न रखें।
2. घर में मन्दिर हो तो उसमें दोनों समय पूजा अर्चना करें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कामपूर्त्ति के लिए पति की प्रशंसा करेंगी और पति की गुलामी भी करनी पड़ सकती है। धन का लाभ बहुत होगा। पुत्र संतान की बजाय कन्या संतान का सुख मिलने की आशंका है। जन्मदिन के बाद धन वृद्धि भी होगी। मान-सम्मान बढ़ेगा और वाहन सुख प्राप्त हो सकता है।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पुरुष जाति का अपमान न करें।
2. आप नंगे पैर जमीन पर न चले।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके हाथों से खर्च अधिक होगा या धन की कमी रहेगी। आप सबकी मदद करेंगी मगर लोग आप का कार्य बिगाड़ सकते हैं। लोहा, मशीनरी से संबंधित कार्यों से लाभ होगा। आप साहसपूर्ण कार्य करेंगे जिसके कारण आपको जोखिम भी उठाना पड़ेगा। मकान सुख के लिए अधिक भाग-दौड़ करनी पड़ेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मछली का शिकार न करें, मछली न खायें। शराब न पिये।
2. कीकर या बेरी का वृक्ष घर में न लगायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष अंगहीन, निःसंतान, काने, गंजे से दूर रहें। जन्म दिन के बाद आठवें से उलझनें बढ़ सकती हैं। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे होता रहेगा अर्थात् अस्थिर होगा। बिजली विभाग/जंगल विभाग/पुलिस विभाग से संबंधित कामों में परेशानी या धन और समय नाश हो सकत है। बेधन और कैद में न रहेंगे।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 चौरस सिक्के (औफदप) के टुकड़े जल प्रवाह करें।
3. जिस दिन इस वर्ष का 8वां मास शुरू हो उस दिन 43-43 बादाम मंदिर में ले जाकर वहां रखें, उसमें से 43 बादाम उठा कर घर पर लाकर सफेद थैली में रख लें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष पिता/ससुर सेवा या गुरु भक्ति में रूचि रहेगी। चाल-चलन ठीक रहेगा। धर्म-ईमान की स्थिति शुभ होने के कारण संतान का सुख मिलेगा। पुत्र के द्वारा आपका भाग्योदय होगा और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग है तो पुत्र लाभ होगा। यात्रा से तरक्की होगी, धन-धान्य से सुखी रहेंगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुरे चलन के लोगों की संगति न करें।
2. लोहे के संदूक/ट्रंक/अलमारी को हमेशा ताला लगाकर न रखें। ताले को कभी-कभी खोलते

रहें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

• सिक्के के (औफदप) 8 पीस चौरस जल प्रवाह करें या चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2033-2034

वर्त्तमान आयु - 35
वर्त्तमान दशा – शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	हाँ	मन्दा
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2033 – 2034

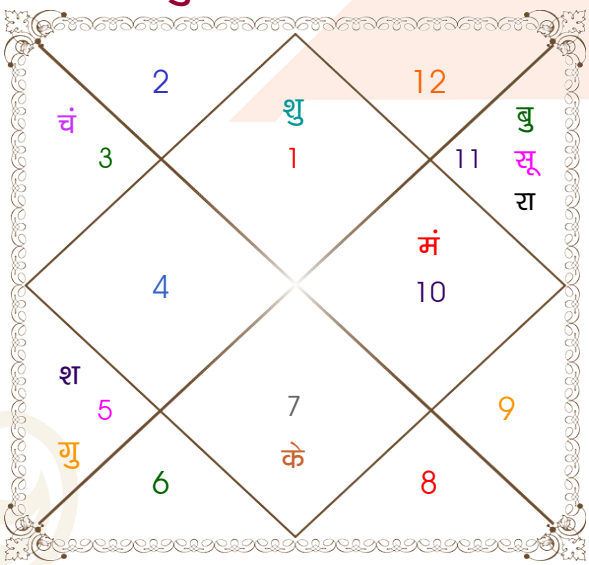

वर्ष चन्द्र कुंडली 2033 – 2034

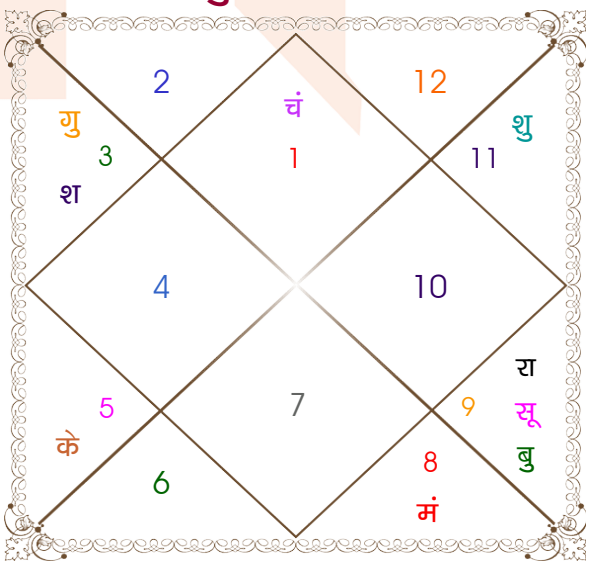

लाल किताब वर्षफल 2033-2034

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष सुस्ती और लापरवाही से जीवन में तरक्की के कई अवसर खो सकती हैं। मांस-शराब के इस्तेमाल करना संतान को कष्ट होगा या संतान की चिंता रहेगी। दूसरे लोगों को गाली देना, झूठ बोलना, लड़ाई-झगड़ा करना आपके लिये ठीक नहीं है इन बातों से बचें। सरकारी विभाग द्वारा दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. झूठ न बोलें, जूठा भोजन न खावें और न खिलावें।
2. मांस-मछली न खावें और शराब न पियें, मादक चीजों का सेवन न करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका बहन-भाई/देवरानी-जेठानी, ननद से झगड़ा हो सकता है, विद्या के प्रति सतर्क रहना चाहिए या इनको दुःखी करने या उनका हिस्सा दबाने से चोरी का भय और यात्रा में हानि हो सकती है। होस्टल के विद्यार्थियों या किसी संस्था के लिये मिला सामान या उनका धन खुर्द-बुर्द न करें और गिफ्ट मिला सामान अपने लिए प्रयोग न करें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दुर्गा पाठ या कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा करें।
2. गुड़-गंदम-तांबा दान करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप की गिनती उच्च/प्रतिष्ठित महिलाओं में होगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई सरकारी विभाग या पुलिस/सेना विभाग में कार्यरत है तो तरक्की मिलेगी नौकरी-व्यापार में अधिक धन लाभ होगा। आप राजसी समय व्यतीत करेंगी। अच्छे या बुरे तरीके से आप धन कमाएंगी, जायदाद और वाहन का सुख होगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सोना न बेचे न गिरवी रखें।
2. दूध उबाल कर रसोइ में गैस चूल्हे/ अंगीठी /चूल्हे आदि पर गिर कर न जले इसका विशेष

ध्यान रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष हर बुधवार का दिन और दोपहर (3 से 5 बजे) का समय शुभ रहेगा। आपका भाग्योदय होगा या तरक्की होगी। आलस्य से दूर रहेंगी। आप अपनी बुद्धि के द्वारा अधिक लाभ अर्जित करेंगी। मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पैतृक/ससुराल सम्पति का लाभ मिलेगा। आपसे मित्रता करने वाले को लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मनी प्लांट, रबर प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
2. पीतल के खाली बर्तन बन्द या उल्टे न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तरक्की हो या मान-सम्मान मिलेगा। वर्ष शुरु होते ही आपकी तरक्की होना शुरु हो जायेगी। इस वर्ष अगर आपके परिवार में लड़का पैदा होता है तो परिवार की अथाह तरक्की होना शुरु हो जाएगी। पिता-ससुर की मदद शक्की हो सकती है। वंश वृद्धि/संतान सुख प्राप्त होगा। लेखन द्वारा लाभ मिलेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. नाव के कामों से सम्बन्ध न रखें/ नाव में यात्रा न करें।
2. नास्तिक न बनें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको, परिवार का मुखिया बनना अवनति का कारण बनेगा। चाल-चलन खराब हुआ तो उसका असर कारोबार आदि पर पड़ सकता है। आपके कुछ काम अधूरे रह सकते हैं। मान-सम्मान या उच्च पद नष्ट हो सकता है। पति की किस्मत न साथ देगी और संतान की चिंता रह सकती है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. जौ या सरसों या चरी दान करें।
2. गाय, कौवे और कुत्ते को भोजन का हिस्सा देवें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप भाई-बंधुओं के साथ लड़ाई-झगड़ा या धोखा न करें। मांस-मदिरा का सेवन करना आपको हार और हानि देगा। परिवार में समस्याएं बढ़ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें विशेष कर पेट/गुर्दे की पथरी का। आपके नाम पर अगर मकान बनेगा तो पुत्र सुख में बाधा आ सकती है।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना या केसर पास रखें।
2. सांप को दूध पिलायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता/ससुर की चिंता रहेगी, पिता/ससुर से दूरी या जुदाई हो सकती है। समय कुछ गरीबी में कट सकता है। मौके के ऑफिसर से झगड़ा करना आपको नुकसान पहुंचा सकता है। लॉकर/दराज खाली न रखें उनमें कुछ धन आदि जरुर रखें। परिवार पर गोली चलने का भय, नीला नग-नीलम और नीला-काला कपड़ा या रंग पहनना हानिकारक है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. सिर पर चोटी रखें या सिर सफेद-शरबती टोपी पहनें या पगड़ी बांधे।
2. 4 किलो सिक्का (औफदप टुकड़ा और) चौरस, 4 नारियल सूखे (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
3. सिगरेट पीती हैं तो चांदी की पाईप में लगा कर पियें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिनों-दिन आपके धन की बढ़ोत्तरी होती रहेगी, ऐसी संभावना है। आजीविका के नये साधन बनेंगे। आप अपनी धुन के पक्की रहेंगी। जिसके कारण आप परिवार और समाज के सामने अपना झंडा गाड़ लेंगी। आपकी संतान आपकी सहायता में रहेगी और संतान मुसीबत में दुश्मन को मार आयेगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. कलम से लिखने का काम न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

• 43 दिन रेत का तकिया बना कर रात को सिर के नीचे रख कर सोये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2034-2035

वर्त्तमान आयु - 36
वर्त्तमान दशा – शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	मन्दा
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	--	हाँ	हाँ	--	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2034 – 2035

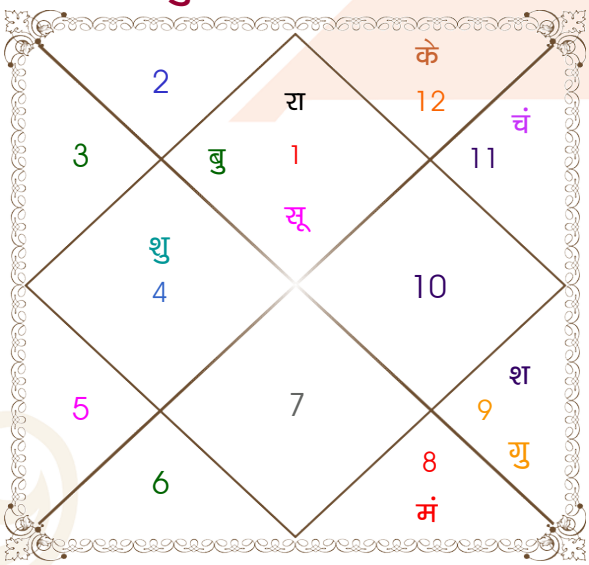

वर्ष चन्द्र कुंडली 2034 – 2035

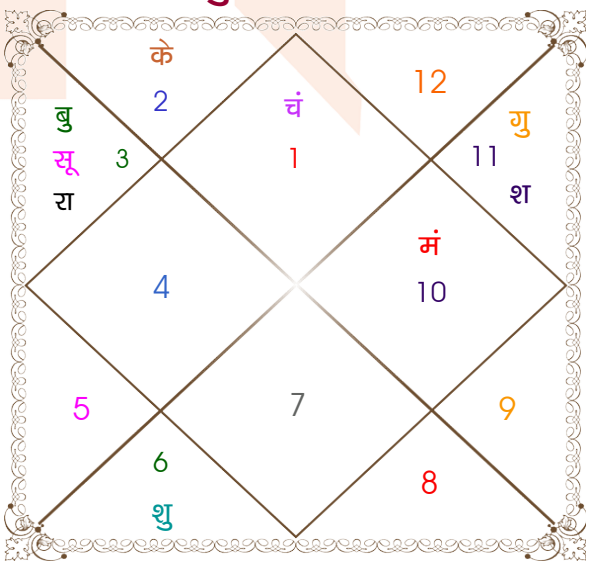

लाल किताब वर्षफल 2034-2035

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके मकान में अंधेरा कमरा है तो उसे रोशनी में बदलने से, माया का सांप, दौलत का हाथी आपके घर से चला जाएगा अर्थात् धन की कमी या हानि होगी, हड्डी संबंधित चोट/रोग का भय, दिल की धड़कन बढ़ जाना, रक्तचाप घट या बढ़ जाये, ऐसी आशंका है। मान-सम्मान की हानि भी हो सकती है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पानी में चीनी डाल कर सूर्य का अर्घ्य देवें।
2. गेहूँ, गुड़, धर्म स्थान में देवें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से लाभ होगा, सुख के साधन मिलेगें, आपको पुरुषों द्वारा सहयोग प्राप्त होगा, माता/सास संतान का सुख मिलेगा। कोर्ट, इंजीनियरिंग, डाक्टरी से संबंधित कामों से लाभ मिलेगा। रात्रि समय विद्या पढ़ने या रात्रि समय विद्या से संबंधित कामों से लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. विद्या पढ़ने में अरूचि न रखें।
3. कमजोरी के समय चांदी का कुश्ता या दूध से बनी चीजों का प्रयोग अधिक करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको किसी विधुर पुरुष से झगड़ा नहीं करना चाहिये। वैवाहिक समस्याएं या परिवार में कोई पुरुष विधुर हो सकता है। छोटे भाई/देवर अगर हों तो उस के लिये समय ठीक नहीं। आपकी जुबान से निकला अपशब्द लड़ाई-झगड़े का कारण होगा। आपको गुस्सा करना नुकसानदेह है, समय धैर्य से निकालें।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. विधुर पुरुष को उपहार देकर आर्शीवाद लेवें।
2. तन्दूर में मीठी रोटियां लगवा कर कुत्तों को खिलायें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ हो सकता है। आपके मुंह से निकली हुई बात में दम होगा, आप दूसरों की परवाह नहीं करेंगी। मधुर भाषा बोलेंगी, कल्पनाशील विचार होंगे। आप पर दूसरे लोगों का प्रभाव रहेगा। आप परिवार के झगड़ों में सुलह करने में भूमिका निभाएंगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अण्डा-पेस्ट्री आदि अण्डे से बनी चीजें न खावें।
2. शराब-बीयर न पियें, मांस-मछली का भोजन न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अपने पूर्वजों के द्वारा लाभ होगा, ज्योतिष और गुप्त विद्याओं में रूचि रहेगी। परिवार के लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। आप दुनिया में अपने परिवार का नाम चमकाएंगे। जौहरी/सर्राफी के कामों से लाभ होगा। आपकी आदत रानियों जैसी बनेंगी। प्राण जाये पर वचन न जाये ही आपका धर्म होगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किया हुआ वायदा पूरा करें।
2. सोना गिरवी न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष आप में कामवासना की अधिकता रहेगी। दूसरा कोई पुरुष आप पर मोहित हो सकता हैं। मामा-मौसी से लाभ मिलेगा, उत्तम भवन-वाहन का सुख मिलेगा, उत्तम भोजन-शयन का शौक रहेगा। आप अपने परिवार या गांव/शहर आदि में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी, यात्रा अधिक होगी और यात्रा से लाभ होगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज ठीक रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना रहेगी, भाई-बंधुओं का सहयोग मिलेगा। कर्ज का बोझ आप पर नहीं रहेगा। पैसे के प्रति आपकी दौड़ नहीं रहेगी। पति के काम शुरू करने से लाभ होगा, मकान-वाहन का सुख मिलेगा। तीसरा रिहाइशी मकान न बनावें वरना स्वास्थ्य को खतरा होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. दूसरों के माल पर बदनीयत न रखें।
2. घर की छत पर ईंधन-चौगाठ आदि न रखें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी कुछ अदला-बदली का योग है। किस्मत का असर स्थिर नहीं रहेगा। आपका शरारती, आवारा और नास्तिक स्वभाव हो सकता है। कुछ बनते कामों में रूकावट भी आ सकती है। आपको नीला-काला कपड़ा और रंग पहनना हानिकारक हो सकता है। सरकारी विभाग द्वारा या कोर्ट केस बन सकता है सतर्क रहें।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. धर्म स्थान में गुड़-गेहूँ दान देवें।
2. दूध शरीर पर मल कर स्नान करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तबदीली और तरक्की संभव है। आपका अय्याशी स्वभाव होगा तो आपको लाभ होगा। पुत्र संतान का सुख मिलेगा। अध्यात्मिक विचार रहेंगे, लोक-परलोक में होने वाली बातें आपके दिमाग में पहले से आयेंगी। दोहता/भांजा, जमाई/ननदोई से आपके नेक संबंध रहेंगे।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. कुत्तों को चोट न मारें।
2. ठगी-धोखेबाजी से दूर रहें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन सूर्य को चीनी डाल कर अर्घ्य देवे।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2035-2036

वर्त्तमान आयु - 37
वर्त्तमान दशा – शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	मन्दा
चंद्र	--	हाँ	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	हाँ	मन्दा
राहु	--	हाँ	हाँ	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2035 – 2036

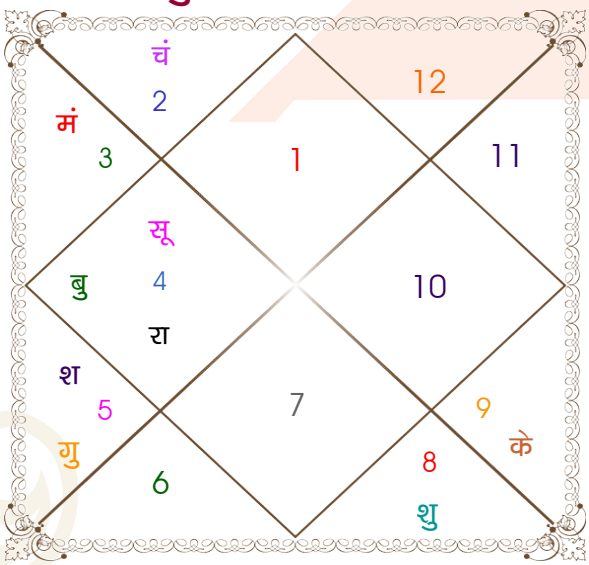

वर्ष चन्द्र कुंडली 2035 – 2036

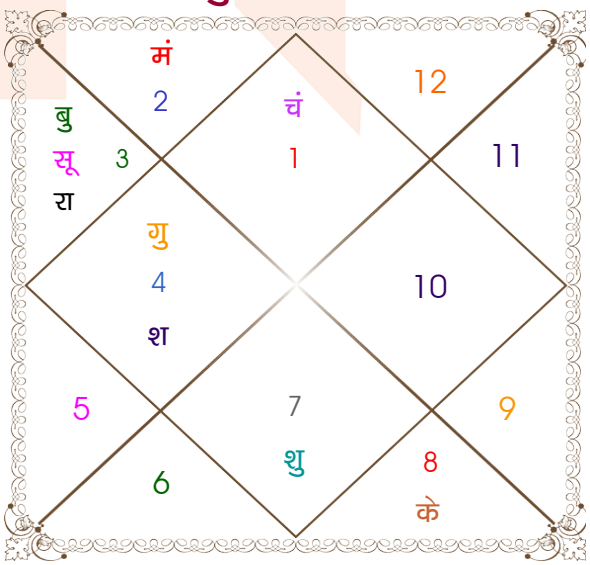

लाल किताब वर्षफल 2035-2036

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 4 में है तो जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता/सास और सुख की हानि होगी, माता से दूर रहें तो विद्या से लाभ होगा। मन अशांत रह सकता है और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ लोग आपके काम बिगाड़ सकते हैं सतर्क रहें। पिता/ससुराल वालों का कार्य बदलने का विचार रहेगा। माता/सास से झगड़ा रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. अन्धे व्यक्ति को भोजन खिलाएं।
2. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पैतृक/ससुराल सुख और सुख के साधन मिलेंगे, जददी विरास्त से जायदाद का हिस्सा या लाभ मिलेगा। सफेद चीजों के कारोबार से अधिक लाभ मिलेगा। भाई-बंधुओं का सुख अवश्य मिलेगा। विद्या संबंधी कामों में सफलता मिलेगी। यात्रा करने या प्रदेश स्थानों से लाभ मिलेगा। चाल-चलन ठीक रखें।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. घर में मूर्तियां न रखें और शंख घंटी, घड़ियाल आदि न बजायें (संतान सुख हेतु)। मगर दीवार पर तस्वीरें लगाकर पूजा-पाठ कर सकते हैं।
2. शराब आदि मादक वस्तुओं का इस्तेमाल न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष दूसरों की सहायता कर के प्रसन्नता प्राप्त होगी मगर जरूरी नहीं कि दूसरों की सहायता के बदले में आपको सम्मान मिलेगा, आपको सैर करना या जिम आदि जाने का शौक रहेगा, मुकाबले की विद्या (प्रतियोगी परीक्षा) में आपकी जीत होगी, नर्म स्वभाव रखेंगी तो आपको लाभ मिलेगा। धन-परिवार/संतान का सुख मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पेट का विशेष ध्यान रखें।

2. हाथी दांत पास न रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धन लाभ, परिवार में सभी सुखी और सुख के साधन बढ़ेंगे। कुल मिला कर राजयोग का समय है। विदेश यात्रा या विदेश से लाभ प्राप्त हो ऐसा योग है। बहन-बेटी/ननद आदि से भी लाभ हो सकता है। माता/सास से धन-जायदाद का लाभ होगा मगर मातृ सुख में कमी की आंशका रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बेटी-बहन, देवरानी/जेठानी से झगड़ा न करें।
2. विधुर पुरुष से सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तरक्की हो या मान-सम्मान मिलेगा। वर्ष शुरु होते ही आपकी तरक्की होना शुरु हो जायेगी। इस वर्ष अगर आपके परिवार में लड़का पैदा होता है तो परिवार की अथाह तरक्की होना शुरु हो जाएगी। पिता-ससुर की मदद शक्की हो सकती है। वंश वृद्धि/संतान सुख प्राप्त होगा। लेखन द्वारा लाभ मिलेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. नाव के कामों से सम्बन्ध न रखें/ नाव में यात्रा न करें।
2. नास्तिक न बनें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गुप्त रोग का भय है। चाल-चलन ठीक रखें वरना पति का स्वभाव चिड़चिड़ा हो सकता है। पति से झगड़ा करना आपके लिये हार और हानि का कारण होगा। पति की हर बात में हां में हां जरूर मिलायें मगर करें अपने मन की। आपके द्वारा दी गई जमानत आपको भरनी पड़ सकती है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. गंदे नाले में तांबे का पैसा या फूल डालें।
2. धर्म स्थान में सिर झुकाएं।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप भाई-बंधुओं के साथ लड़ाई-झगड़ा या धोखा न करें। मांस-मदिरा का सेवन करना आपको हार और हानि देगा। परिवार में समस्याएं बढ़ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें विशेष कर पेट/गुर्दे की पथरी का। आपके नाम पर अगर मकान बनेगा तो पुत्र सुख में बाधा आ सकती है।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना या केसर पास रखें।
2. सांप को दूध पिलायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता/ससुर समान पुरुष से अवैध संबंध हानिकारक है या खराब चाल-चलन आपके धन को नष्ट कर देंगे। मकान में लैट्रिन की जगह बदली तो कोर्ट केस का भय होगा। आप दिन में भी ख्वाब देखेंगी मगर वह ख्वाब लाभ न देकर अवनति करायेंगे। दिमाग सोया सा रहेगा या बुद्धि कोई काम न करेगी।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. घर पर गंगा जल से स्नान करें।
2. सूखा धनिया (मसाला) जल प्रवाह करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष प्रगति मिले ऐसी संभावना है। तबदीली का चांस कम है। यात्रा से लाभ होगा। प्रदेश में भी कुछ समय व्यतीत हो सकता है। अपनी संतान के साथ या उसकी सलाह से कोई काम करेंगी तो आपको अधिक लाभ होगा। आप जिसको पुत्र पैदा होने का आशीर्वाद देंगे उसके घर पुत्र पैदा होगा।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू का साथ न रखें।
2. कुत्ते को चोट न मारे।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- तांबे का पैसा या फूल गंदें नाले में डाले।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2036-2037

वर्त्तमान आयु - 38
वर्त्तमान दशा – शुक्र

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	हाँ	--	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2036 – 2037

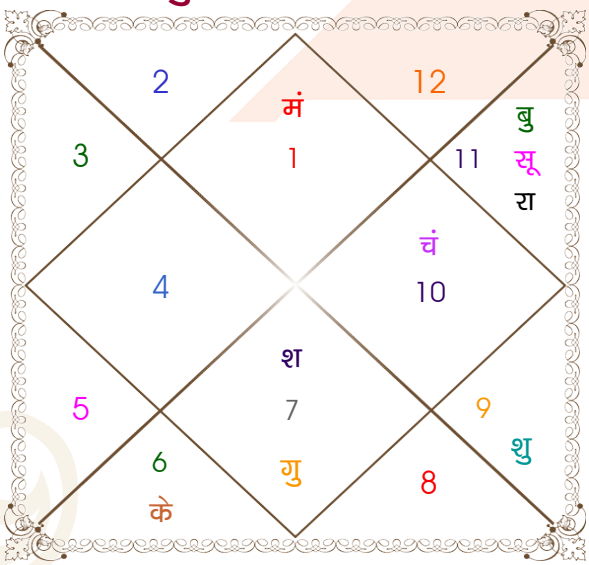

वर्ष चन्द्र कुंडली 2036 – 2037

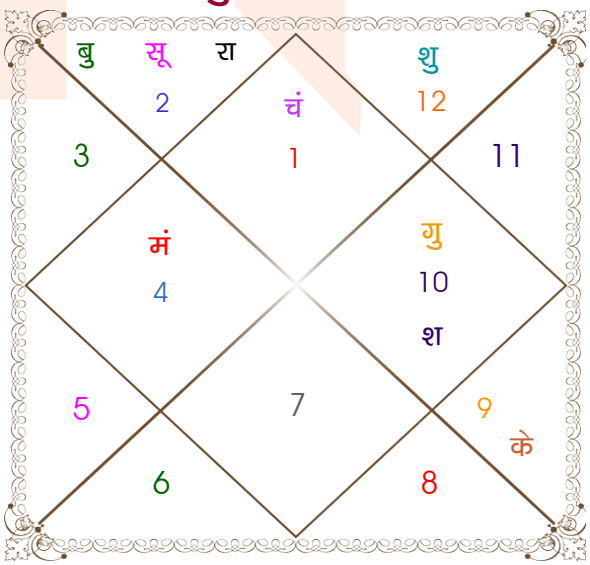

लाल किताब वर्षफल 2036-2037

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष सुस्ती और लापरवाही से जीवन में तरक्की के कई अवसर खो सकती हैं। मांस-शराब के इस्तेमाल करना संतान को कष्ट होगा या संतान की चिंता रहेगी। दूसरे लोगों को गाली देना, झूठ बोलना, लड़ाई-झगड़ा करना आपके लिये ठीक नहीं है इन बातों से बचें। सरकारी विभाग द्वारा दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. झूठ न बोलें, जूठा भोजन न खावें और न खिलावें।
2. मांस-मछली न खावें और शराब न पियें, मादक चीजों का सेवन न करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष खराब स्वास्थ्य के समय किसी को रात के समय लिक्वड दवाई देना या इस का प्रयोग आपके लिए हानिकारक है। विद्या संबंधी कामों में भी परेशानी आ सकती है। चोर-जुआरी या शराबी लोगों द्वारा आपका नुकसान होगा। किसी पुरुष या प्रेमी द्वारा गलत सलाह से आपका धन-सम्मान नष्ट हो सकता है, सतर्क रहें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध को फाड़ कर उसका पानी पीयें। अर्थात पनीर का पानी पियें (स्वास्थ्य खराब के समय)
2. 10 दिन सुबह नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।
3. रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पिये।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष साहसी और शूरवीर बनेंगी, बुरे व्यक्ति के साथ भी नेकी का सलूक करेंगी, बड़े बहन-भाई/देवरानी-जेठानी, ननद से लाभ मिल सकता है। दूसरे व्यक्ति द्वारा की गई नेकी को सदा याद रखेंगी। परिवार और समाज को सच्चाई और नेकी की राह पर चलने की सलाह देंगी, कंप्यूटर आदि के कामों से लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान या गिफ्ट न लेवें।

2. हाथी दांत कायम करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष हर बुधवार का दिन और दोपहर (3 से 5 बजे) का समय शुभ रहेगा। आपका भाग्योदय होगा या तरक्की होगी। आलस्य से दूर रहेंगी। आप अपनी बुद्धि के द्वारा अधिक लाभ अर्जित करेंगी। मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पैतृक/ससुराल सम्पति का लाभ मिलेगा। आपसे मित्रता करने वाले को लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मनी प्लांट, रबर प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
2. पीतल के खाली बर्तन बन्द या उल्टे न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर में मंदिर बना कर पूजा करना धन-परिवार के लिये अशुभ होगा। घर में मंदिर हानिकारक मगर दीवार पर तस्वीरें लगा कर पूजा-पाठ कर सकती हैं। घूमने-फिरने वाले साधू की संगत से भाग्य खराब हो जाएगा और जीवन में उतार-चढ़ाव देखना पड़ेगा। मामा को संतान की चिंता रहेगी। बुरे लोगों की संगति से बचे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आप विवाहित हैं तो सुसराल से कुछ न कुछ सामान लेते रहें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष एल्युमिनियम के बर्तनों का प्रयोग करेंगी तो वह आपको हानिकारक हो सकते है। मादक द्रव्यों और चीजों का कुसंगति के कारण प्रयोग करना शुरू कर सकती हैं। इससे बच कर रहें पति, धन, संतान पर समय मध्यम रहेगा। चाल-चलन ठीक रखें कारण गुप्त रोग का भय है। भाई-बंधुओं से बच कर रहें।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. मकान बनाएं तो नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. नीम के पेड़ के तने में चांदी के 9 चौरस टुकड़े दबायें (अगर आपके पुत्र संतान है तो)।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष परोपकार करने से धन लाभ पाएंगे। यह लाभ 7 गुणा तक हो सकता है। मकान बनेगा और पति/ससुर से जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा। आपको गांव/शहर या किसी संस्था में पद मिल सकता है। पिता/ससुर और पति के लिये समय शुभ रहेगा। चाल-चलन खराब रखने से धन हानि होगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. डाक्टर/कैमिस्ट का साथ न रखें।
2. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
3. बुजुर्गी मकान के मुख्य द्वार की दहलीज ठीक रखें उसके दोनों तरफ सूर्योदय से पहले सरसों का तेल डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता/ससुर की चिंता रहेगी, पिता/ससुर से दूरी या जुदाई हो सकती है। समय कुछ गरीबी में कट सकता है। मौके के ऑफिसर से झगड़ा करना आपको नुकसान पहुंचा सकता है। लॉकर/दराज खाली न रखें उनमें कुछ धन आदि जरुर रखें। परिवार पर गोली चलने का भय, नीला नग-नीलम और नीला-काला कपड़ा या रंग पहनना हानिकारक है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. सिर पर चोटी रखें या सिर सफेद-शरबती टोपी पहनें या पगड़ी बांधे।
2. 4 किलो सिक्का (औफदप टुकड़ा और) चौरस, 4 नारियल सूखे (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
3. सिगरेट पीती हैं तो चांदी की पाईप में लगा कर पियें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष सोना न बिके और न ही गुम हो, खासकर विवाह समय मिली सोने की अंगूठी। यात्रा से हानि हो ऐसी आंशका है। चमड़ी रोग का भय या पांव में कष्ट हो सकता है। फिजूल खर्च बढ़ने की संभावना है। मामा को कष्ट का भय, संतान सुख की चिंता। शत्रु अकारण उभरेंगे और उनसे हानि का भय रहेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।

2. ससुराल से मिली या शुद्ध सोने की अंगूठी बांये हाथ की अनामिका अंगुली में पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन रेत का तकिया बना कर रात को सिर के नीचे रख कर सोये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।

2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।

3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।

4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।

5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।

6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर देवें।

7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।

8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।

9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें ।

10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये ।

11. बुजुर्गों के रीति -रिवाजों को न तोडें और संस्कार पूरें करें ।